दैनिक
पूर्णविराम

भोपाल एवं मुंबई से प्रकाशित www.purnviram.co.in ▪ वर्ष: 15 ▪ अंक: 136 ▪ मुंबई, रविवार ,29 सितंबर 2024 ▪ पृष्ठ 8 ▪ मूल्य रु. 2 RNI NO. MAHHIN/2010/35741

निर्वाचन आयोग ने की इलेक्शन तैयारियों की समीक्षा

महाराष्ट्र में दशहरे के बाद बजेगा चुनावी बिगुल

संवाददाता ■ मुंबई

महाराष्ट्र में लगता है जल्द ही चुनाव का बिगुल बजने वाला है। निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र में चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। सीईसी ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू के साथ महाराष्ट्र में चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही राज्य पुलिस के अधिकारियों को 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज किये गये चुनावी अपराध से जुड़े मामलों की जांच तेज करने का भी निर्देश दिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने महाराष्ट्र में सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के खिलाफ भी कार्रवाई का आदेश दिया। राज्य में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। बता दें कि निर्वाचन आयोग का दल महाराष्ट्र में चुनाव तैयारियों की समीक्षा करने मुंबई में है। उसने जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, निगम आयुक्तों, संभागीय आयुक्तों और राज्य सरकार के अन्य सीनीयर अधिकारियों के साथ बैठक की।मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पोलिंग बूथों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में 1 लाख 186 मतदान केंद्र हैं। 42,558 शहरी बूथ और 57,600 ग्रामीण बूथ हैं। 350 बूथों का प्रबंधन युवाओं द्वारा किया जाएगा, 299 बूथों का प्रबंधन दिव्यांगों द्वारा किया जाएगा और 388 बूथों का प्रबंधन केवल महिलाओं द्वारा किया जाएगा। राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग शहरी क्षेत्रों में 100 फीसदी बूथों पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी 50 फीसदी से अधिक बूथों को सीसीटीवी से कवर करने का प्रयास किया जाएगा। बता दें कि चुनाव की आहट होते ही सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली हैं। सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियों शुरू कर दी हैं। सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में सीट बंटवारे के लिए बैठकों का दौर जारी हैं। जल्द ही दोनों गठबंधन सीट शेयरिंग को लेकर भी ऐलान कर सकते हैं।

अगले महीने हो सकती है घोषणा

आयोग ने पुलिस अधीक्षकों से लोकसभा चुनाव के दौरान चुनावी अपराधों को लेकर दर्ज की गई प्राथमिकियों की वस्तुस्थिति की जानकारी भी मांगी और कर्मियों, ईवीएम एवं सोशल मीडिया से संबंधित सभी मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं एस एस संधू महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर तक है। अगले महीने चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा होने की उम्मीद है।

मतदान केन्द्रों पर इंतजाम की

CEC ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से मतदान केन्द्रों का दौरा कर सभी इंतजाम की समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्थित मतदान केन्द्रों पर कतार में खड़े मतदाताओं के लिए बेंच, पेयजल तथा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जिला निर्वाचन अधिकारियों से यह भी कहा कि वे उन स्थानों पर मतदाताओं को मार्गदर्शन देने के लिए उचित संकेतक और दिशा-निर्देश सुनिश्चित करें, जहां एक ही स्थान पर कई मतदान केंद्र हैं।

फर्जी खबरों पर सख्त सीईसी

सीईसी ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों का प्रसार नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इसके खिलाफ त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। सीईसी ने सभी मतदान केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की तथा जिला निर्वाचन अधिकारियों को राज्य में मतदान के दिन मतदाताओं की कतारों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एअर इंडिया फ्लाइट के खाने में कॉकरोच मिला

मां-बेटे को फूड पॉइजनिंग हुई

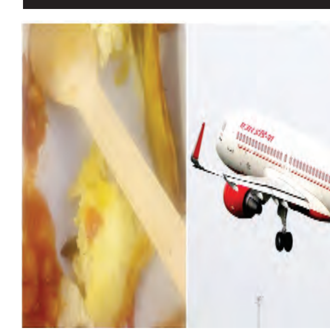

एजेंसी ■ दिल्ली

दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट के नाश्ते में एक कॉकरोच मिला। घटना 17 सितंबर की है। एक महिला ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके मामले की जानकारी दी। पैसेंजर महिला ने बताया कि उन्हें और उनके 2 साल एक बेटे को फूड पॉइजनिंग हुई। अब वे एअर इंडिया की फ्लाइट में सफर नहीं करेंगी।

एअर इंडिया ने मामले को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि वे पैसेंजर के एक्सपीरियंस को लेकर चिंतित हैं। वे मामले की जांच करेंगे। साथ ही कैटरिंग सर्विस देने वाली कंपनी से भी बात करेंगे।

सुयशा सावंत नाम की एक महिला अपने दो साल के बच्चे के साथ दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही थी।

इस दौरान नाश्ते में ऑमलेट मिला। उन्होंने अपने बेटे के साथ नाश्ता किया। हम नाश्ता ही कर रहे थे कि मुझे कॉकरोच दिख गया। मैं घबरा गई। थोड़ी ही देर में पेट दर्द होने लगा। महिला ने बताया कि इसके बाद उन्हें और उनके बेटे को फूड पॉइजनिंग हो गई।

कहा- एअर इंडिया की फ्लाइट में सफर करने में डर लग रहा

महिला ने बताया कि उनकी फैमिली ज्यादातर एअर इंडिया में ही सफर करते हैं। कई बार बहुत परेशानी झेली है, लेकिन अब कॉकरोच का मिलना कुछ ज्यादा ही बड़ी घटना है। अब हमें एअर इंडिया के साथ सफर करने में डर लग रहा है।

इसी साल 16 जून को एअर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट में एक पैसेंजर के खाने में ब्लेड मिली थी। इसके बाद एअर इंडिया ने माफी मांगी थी।

दरअसल, मैथुरेस पॉल नाम का पैसेंजर एअर इंडिया की फ्लाइट से बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जा रहा था। जब उसे खाने में ब्लेड मिली तो उसने सोशल मीडिया पर दो फोटो शेयर कीं। पॉल ने लिखा, एअर इंडिया का खाना चाकू की तरह काट सकता है। भुने हुए शकरकंद और अंजीर चाट में एक मेटल का टुकड़ा मिला, जो ब्लेड जैसा दिख रहा था। मुझे इसका एहसास कुछ सेकेंड तक खाना चबाने के बाद ही हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। यह धमकी ईमेल के द्वारा दी गई, पुलिस ने जांच में इस धमकी को फर्जी करार दिया। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अज्ञात अपराधियों ने एक ईमेल के द्वारा होटल में बम होने की धमकी दी। यह होटल प्रमुख राजनेताओं और क्रिकेटरों की मेहमान नवाजी के लिए मशहूर है। धमकी मिलने के बाद, पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने होटल पहुंचकर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान, पुलिस ने होटल के पूरे परिसर की जांच कर पाया कि यह धमकी फर्जी थी।

कांग्रेस का वादा हर माह महिलाओं को 2 हजार रुपये की मदद

चंडीगढ। कांग्रेस ने आज यानी शनिवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपना घोषणा-पत्र कर दिया है। 40 पेजों के घोषणा-पत्र में कांग्रेस ने कई वादे किए गए हैं, जिनमें 25 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज और महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपए की आर्थिक मदद देना शामिल है। इसके साथ ही, सतलुज-यमुना लिंक नहर से पानी लेने का भी वादा किया गया है। दिल्ली में पिछले हफ्ते कांग्रेस ने हरियाणा के लोगों के लिए सात वादे-पक्के इरादे की घोषणा की थी, जो कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में पेश की गई थी।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी हिंदुस्तान में हो शामिल- रिजवी

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के उस बयान का समर्थन किया जो उन्होंने पीओके को लेकर कही थी। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि जम्मू कश्मीर में इस वक्त चुनाव चल रहे हैं। चुनाव के मद्देनजर सीएम योगी ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया और वहां भाषण दिया। सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा था कि सिंध के बगैर हिन्द मुकम्मल नहीं और चुनाव जीतने के बाद कश्मीर, जो पाकिस्तान के नियंत्रण में है, उसे हिंदुस्तान में शामिल किया जाएगा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का नॉर्थ-ईस्ट में विरोध, प्रदर्शनकारियों ने कहा- बीफ हमारा खानपान का हिस्सा

एजेंसी ■ शिलांग

नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के बाद अब मेघालय में भी शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की 'गौ ध्वज स्थापना भारत यात्रा' का विरोध शुरू हो गया है।

पूर्वी खासी हिल्स जिले के जिला मजिस्ट्रेट ने धारा 163 बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा जारी कर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सूत्रों के अनुसार, शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज को मेघालय में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्य सरकार ने यह निर्णय यात्रा के विरोध को देखते हुए लिया है। शंकराचार्य को गौ ध्वज स्थापना भारत यात्रा के तहत शनिवार को मेघालय पहुंचना था, जो गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर हो रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को शंकराचार्य के चार्टर्ड विमान को उतरने की अनुमति नहीं देने के लिए सूचित किया है। शंकराचार्य के शुक्रवार को पहुंचने की खबर मिलने के बाद, कई समूह के सदस्य शिलांग हवाई अड्डे पर विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंच गए थे। प्रदर्शनकारियों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि असम को छोड़कर नॉर्थ-ईस्ट के सभी राज्यों में गोमांस खानपान का प्रमुख हिस्सा है। वे इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे कि कोई उन्हें बताए कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं।

कोर्ट का निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर का आदेश

इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप, कर्नाटक सीएम ने इस्तीफा मांगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड के जरिए कथित जबरन वसूली के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। ये आदेश बेंगलुरु की पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव कोर्ट ने दिया है। जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने बेंगलुरु की अदालत में शिकायत दर्ज कर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की थी।

आदर्श अय्यर ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड के जरिए धमकी देकर जबरन वसूली की गई। जन अधिकार संघर्ष परिषद ने पिछले साल अप्रैल में 42वें,एसीएमएम कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के अन्य राष्ट्रीय नेताओं, बीजेपी के तत्कालीन कर्नाटक अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत की थी। अदालत ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस थाने को चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

बेंगलुरु की अदालत ने याचिकाकर्ता की शिकायत पर विचार करने के बाद बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बालन ने दलीलें रखीं। मामले की सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

बता दें कि केंद्र सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की। इस योजना के तहत सरकार राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में नकद दान को खत्म करना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बनी रहे। इसके बाद एसबीआई के चुनावी बॉन्ड के जरिए लोग राजनीतिक दलों को चंदा दे सकते हैं।

अब मौसम विभाग लोगों को देगा नमी की भी जानकारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

गर्मी, सर्दी और बारिश की जानकारी देना वाले मौसम विभाग (आईएमडी) अब नमी स्तर की जानकारी भी लोगों को देगा। नमी का महत्व आमतौर पर बारिश के सीजन में ज्यादा होता है। नमी बढ़ने से इंसान इस मौसम में खुद को असहज महसूस करता है और उसके बीमार पड़ने की संभावना बनी रहती है। अब आईएमडी ने यह सुविधा आम लोगों के लिए शुरू की है। सात दिनों की न्यूनतम और अधिकतम नमी का फॉरकास्ट लोग जान सकेंगे। एक ही जगह उन्हें दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के सभी हिस्सों की नमी की जानकारी मिल सकेगी।

लोगों को इसके लिए मौसम विभाग की वेबसाइट पर जाना होगा। इस पेज पर जाकर उन्हें उस शहर को क्लिक करना होगा, जिसकी नमी के स्तर का हाल जानना चाहते हैं। इसके बाद उनके सामने मौसम की पूरी जानकारी आ जाएगी। यहां उन्हें अगले सात दिनों के अधिकतम तापमान, न्यूनतम तापमान, बारिश या बादलों की कितनी संभावना है, मौसम संबंधित वॉर्निंग जारी की गई है या नहीं और नमी के स्तर की जानकारी मिल सकेगी।

फ्रांस ने भारत को यूएन सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनाने क्यों की सिफारिश

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र की 79वीं बैठक में भारत को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने की सिफारिश की है। मैक्रों ने कहा कि जी-4 के देश जिसमें भारत, ब्राजील और जापान हैं, को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने की अपील की। इसके अलावा रुस भी सुरक्षा परिषद में भारत की आजादी के बाद से ही उसके स्थायी प्रतिनिधित्व का पक्षधर रहा है। इसके बाद 21वीं सदी आते-आते भारत की जैसे-जैसे विदेश नीति में धमक बढ़ी तो ब्रिटेन और अमेरिका भी भारत के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधित्व के पक्षधर हो गए।

आयुष्मान में अब 170 आयुर्वेदिक पैकेज होंगे शामिल

जन औषधि केंद्रों की तरह आयुष औषधि केंद्र भी किए जाएंगे शुरु

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना में अब आयुर्वेदिक पैकेजों को भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए आयुष मंत्रालय ने तैयारी कर ली है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने बताया कि आयुष उपचार को मेनस्ट्रीम हेल्थकेयर सिस्टम से जोड़ने के लिए यह पहल की जा रही है साथ ही बीमा कंपनियों से भी बातचीत चल रही है। शुरुआत में 170 आयुर्वेदिक पैकेजों को आयुष्मान योजना में शामिल किया जाएगा। जैसे-जैसे मांग बढ़ेगी, पैकेज की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाएगी। इसके अलावा, एलोपैथी दवाओं के लिए शुरू किए गए जन औषधि केंद्रों की तरह आयुष औषधि केंद्र भी शुरू किए जाएंगे।

अक्टूबर में दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयुष औषधि केंद्र शुरू हो जाएगा। आयुष मंत्रालय की योजना छोटे-छोटे गांवों में भी ऐसे मेडिकल स्टोर खोलने की है। इन स्टोर में लोगों को कम कीमत में आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव का कहना है कि आयुर्वेद, होम्योपैथिक, यूनानी चिकित्सा में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों के सामने एक समस्या होती है कि जो दवाईयां लिखी जाती हैं, मरीजों को उनमें से कई दवाइयां नहीं मिलती। मेडिकल स्टोर्स पर भी आयुष की कम ही दवाएं होती हैं, लेकिन अब इनके लिए स्पेशल मेडिकल स्टोर खोले जाएंगे। प्राइवेट पार्टनरशिप में ऐसे केंद्र शुरू करने का विकल्प होगा। आयुष मंत्री के मुताबिक जिला स्तर पर 50, 30 और 10 बेड के अस्पताल भी बनाए जाएंगे। मेडिकल सीटों में भी बढ़ोतरी की जा रही है।

सेवानिवृत्त अफसरों का पुनर्वास केंद्र बनकर रह गया रेरा- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कामकाज पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए यहां तक कह दिया कि रेरा महज सेवानिवृत्त अफसरों का पुनर्वास केंद्र बनकर रह गया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा, हम रेरा के बारे में नहीं बोलना चाहते। वह पूर्व अफसरशाहों के पुनर्वास का केंद्र बन गया है जिन्होंने इस अधिनियम की पूरी योजना को ही निष्फल कर दिया है। यह टिप्पणी उस समय की गई जब सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली उच्च न्यायालय के एक निर्णय के विरुद्ध दाखिल अपील की सुनवाई कर रहा था। उच्च न्यायालय ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को याचिका दाखिल करने वालों से पूर्व ईएमआई या पूरी ईएमआई वसूलने से बचने के निर्देश देने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐसे कई घर खरीदने वालों की याचिकाएं खारिज की थीं, जो चाहते थे कि बैंक और वित्तीय संस्थान तब तक ईएमआई न मांगें जब तक रियल एस्टेट डेवलपर उनके घर उन्हें सौंप नहीं देते। इन याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार करते हुए न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा था कि याचियों के पास कई अन्य कानूनों के तहत वैकल्पिक उपचार उपलब्ध हैं।

राहुल के राममंदिर में नाच-गाना वाले बयान से संत नाराज

मुख्य पुजारी बोले- जाकी रही भावना जैसी; हनुमानगढ़ी के महंत ने कहा- उनकी बुद्धि खराब

एजेंसी ■ दिल्ली

राहुल गांधी के राम मंदिर में नाच-गाना वाले बयान से अयोध्या के साधु-संतों ने नाराजी जताई है। राहुल ने 26 सितंबर को हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था, अयोध्या के राम मंदिर के उद्घाटन में राष्ट्रपति को नहीं आने दिया गया। उनसे कहा गया कि आप आदिवासी हो। आप अंदर आ ही नहीं सकती, अलाउ नहीं है। अयोध्या में नाच-गाना चल रहा है।

उनके बयान पर राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने कहा, कांग्रेस सरकार शुरू से कह रही है कि राम का अस्तित्व नहीं है। ऐसे में उनके नेता तो ऐसा बोलेंगे ही। जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। प्राण प्रतिष्ठा को राहुल अगर नौटंकी बता रहे हैं, तो उनकी ऐसी भावना रही होगी। उनकी नजर में यह नौटंकी है, लेकिन भक्तों की नजर में प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसमें भगवान श्रीराम की बालक रूप में स्थापना हुई है। वहीं, हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा, राहुल गांधी की बुद्धि खराब हो गई है। उन्हें यही नहीं पता है कि 500 साल के संघर्ष के बाद यह पल आया।

राहुल गांधी के इस बयान के बाद दिल्ली बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा- राहुल गांधी को प्राण--प्रतिष्ठा में कोई श्रमिक नजर नहीं आया। अरे श्रमिकों पर पुष्प वर्षा की गई। श्रमिकों का जैसा सम्मान हुआ, वैसा ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के दौरान हुआ था। मैं पूछता हूं कि कांग्रेस के शासन काल में कभी ऐसा हुआ हो। आप तो उस ताजमहल को उदाहरण बताते थे, जिसे बनवाने के बाद हजारों श्रमिकों के हाथ कटवा दिए गए। यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा, राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। उन्हें प्रधानमंत्री या रामलला पर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा,

राहुल का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। हम निंदा करते हैं। मांग करते हैं, उन हिंदू संगठन और सेक्युलर लोगों से कि वो राहुल के लिए प्रार्थना करें। उनकी बुद्धि खराब हो गई है। उन्हें यही नहीं पता है कि 500 साल के संघर्ष के बाद लाखों हिंदू जनमानस ने त्याग किया। उसके बाद यह पल आया। भव्य रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण हुआ। तब ये कह देना कि बॉलीवुड के एक्टर्स को बुलाकर डांस-गाना किया जा रहा था। कांग्रेस तो शुरू से ही नहीं चाहती थी कि मंदिर बने। मंदिर का विरोध करती थी, कांग्रेस को परेशानी है।

राहुल का पूरा बयान, जिस पर विवाद है...

अयोध्या में मंदिर खोला, वहां अडानी दिखे, अंबानी दिखे, पूरा बॉलीवुड दिख गया। लेकिन, एक भी गरीब किसान नहीं दिखा। सच है... इसलिए तो अवधेश ने इनको पटका है। अवधेश वहां के एमपी हैं। इसलिए तो वो जीता है। सबने देखा, आपने राम मंदिर खोला, सबसे पहले आपने राष्ट्रपति से कहा कि आप आदिवासी हो। आप अंदर आ ही नहीं सकती, अलाउ नहीं है। आपने किसी मजदूर, किसान, आदिवासी को देखा, कोई नहीं था वहां। डांस-गाना चल रहा है। प्रेस वाले हाय-हाय कर रहे हैं, सब देख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

माझी वसुंधरा अभियान 4.0 अभियान में पनवेल मनपा राज्य में पहला

पनवेल। माझी वसुंधरा अभियान 4.0 अभियान के तहत पनवेल मनपा ने विभिन्न पहलों को लागू करके की कड़ी मेहनत का फल मिला है. हाल ही में माझी वसुंधरा 4.0 अभियान के परिणाम की घोषित किया गया है, परिणाम के अनुसार राज्य के 3 से 10 लाख की जनसंख्या समूह में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, इसमें मनपा को सात करोड़ की पुरस्कार राशि मिलेगी. इस पुरस्कार ने पनवेल मनपा के सिर पर सम्मान का ताज रख दिया है, जिसके बाद तत्कालीन आयुक्त गणेश देशमुख के साथ-साथ वर्तमान आयुक्त मंगेश चितले और पनवेल मनपा के सभी अधिकारी और कर्मचारी सभी स्तर से प्रशंसा की वर्षा हो रही हैं। प्रकृति से सम्बन्धित पाँच तत्वों पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि एवं आकाश पर आधारित माझी वसुंधरा अभियान 2 अक्टूबर, 2020 को प्रदेश के स्थानीय स्वराज्य संस्था में प्रारम्भ किया गया. प्रदेश के स्थानीय स्वराज्य संस्था में 1 अप्रैल, 2023 से 31 मई, 2024 तक माझी वसुंधरा अभियान 4.0 चलाया गया। माझी वसुंधरा अभियान 4.0 में राज्य के 414 नागरिक स्थानीय संस्था और 22,218 ग्राम पंचायतों सहित कुल 22,632 स्थानीय संस्थाओं ने भाग लिया. माझी वसुंधरा 4.0 के अंतर्गत पर्यावरण विभाग के माध्यम से नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता पैदा करने के लिए तत्कालीन आयुक्त गणेश देशमुख के मार्गदर्शन में पर्यावरण विभाग के उपायुक्त डॉ. वैभव विधाते द्वारा विभिन्न कार्यक्रम क्रियान्वित किये गये.

मृतक अक्षय शिंदे के अंतिम संस्कार के लिए नहीं मिल रहा दो गज जमीन

संवाददाता ■ बदलापुर

बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे का शव अंतिम संस्कार के इंतजार में कलावा अस्पताल में पड़ा हुआ है, जबकि चलती कार में पुलिस मुठभेड़ विवादों में है। पुलिस एनकाउंटर को लेकर टिका टिप्पणी का दौर जारी है। चूँकि सबूत नष्ट न हों इसलिए अक्षय शिंदे के शव को दफनाया जाएगा, इस बात की जानकारी अक्षय के पिता के वकील एडवोकेट अमित कटारन-वरे ने दी है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में कोई सबूत की जरूरत पड़े या डीएनए परीक्षण की आवश्यकता हो तो शव को दोबारा खोदकर निकाला जा सकता है। इस बीच ठाणे के साथ-साथ बदलापुर में मृतक अक्षय शिंदे के अंतिम संस्कार का विरोध होने के कारण उसके अंतिम संस्कार की अनुमति देने में समस्या पैदा हो गई है और अक्षय के माता-पिता, चाचा और पुलिसकर्मी अंतिम संस्कार के लिए जगह-जगह दो गज जमीन की तलाश में घूम रहे हैं। वहीं अक्षय शिंदे के माता-पिता ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और अंतिम संस्कार के लिए पुलिस व्यवस्था की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अंतिम संस्कार बदलापुर में किया जाएगा। लेकिन महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने कलवा पुलिस को पत्र देकर कहा है कि

अक्षय शिंदे के शव का अंतिम संस्कार ठाणे या कलवा में नहीं किया जाना चाहिए। मनसे ने अक्षय के शव को उसके गांव में ही दफनाने का सुझाव दिया है। गुरुवार को अक्षय के रिश्तेदार और अक्षय के वकील कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय में मांग की कि अक्षय शिंदे को दफनाने के लिए बदलापुर इलाके में जमीन उपलब्ध कराई जाए। एडवोकेट अमित कटारन-वरे ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर बदलापुर पुलिस ने अक्षय के परिजनों को बदलापुर इलाके में दो-तीन जगह दिखाने की तैयारी की है। अगर दफनाने के लिए उपयुक्त जगह मिल गई तो अक्षय को उसी स्थान पर दफनाया जाएगा। हालांकि अबतक अक्षय शिंदे के शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका है और उसका शव कलवा अस्पताल के शवगृह में रखा हुआ है।

ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी पर संकट

जिप्सी वेलफेयर एसोसिएशन ने दी चेतावनी

संवाददाता ■ चंद्रपुर

ताडोबा राष्ट्रीय उद्यान महाराष्ट्र का एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान है जो चंद्रपुर जिले में स्थित है। इसकी स्थापना 1955 में हुई थी यह महाराष्ट्र का पहला राष्ट्रीय उद्यान है। ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व महाराष्ट्र में एक बाघ रिजर्व है। पार्क की मुख्य विशेषता पार्क में पाए जाने वाले मगरमच्छ और गावा हैं। यह परियोजना ताडोबा राष्ट्रीय उद्यान की 116.55 किमी क्षेत्र और अंधारी अभयारण्य का 508.85 किमी दो क्षेत्र संयुक्त रूप से गठित है। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 625 वर्ग किमी है। ताडोबा में जंगल सफारी करने वालों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

जिप्सी वेलफेयर एसोसिएशन ने ताडोबा के वन संरक्षक और क्षेत्र निदेशक के कार्यालय को एक बयान में 15 मांगें की हैं, जिसमें ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व में लागू 'एक परिवार-एक नौकरी' योजना को तत्काल रद्द करना भी शामिल है। मांग पूरी न होने पर 1 अक्टूबर से जंगल सफारी बंद कराने की चेतावनी दी है। बाघों को देखने न केवल राष्ट्रीय बल्कि विदेशी पर्यटक भी ताडोबा आते हैं।

हालांकि, ताडोबा के वन संरक्षक और क्षेत्र निदेशक कार्यालय ने एक निर्णय लिया है। जिसमें 'एक परिवार एक रोजगार' की घोषणा की गई है। यह गाइड और जिप्सी एसोसिएशन के साथ अन्याय है। इसलिए ताडोबा के कोर एरिया में जिप्सी धारकों को 15 वर्ष का कार्यकाल बढ़ाने के प्रस्ताव को असोसिएशन का विरोध है।

एसोसिएशन ने रखी ये मांगे

गाइड और जिप्सी एसोसिएशन ने अगले सत्र से जिप्सियों का नवीनीकरण करने, अनापत्ति प्रमाण पत्र संलग्न करने, बफर एवं कोर चालक जिप्सी चालक उनके बगल में बैठें, जिप्सी चालक पर्यटकों की शिकायतों पर गाइड का पक्ष जाने बिना एकपक्षीय कार्रवाई (निलंबन की) न करें, सफारी शुल्क में 3000 रुपए और कोर में 3500 रुपए की वृद्धि, कोर और बफर जोन में जिप्सी परिवारों को साल में एक बार मुफ्त जंगल सफारी की सुविधा देने की मांग की गई।

एसोसिएशन ने मोबाइल का उपयोग करने की अनुमति, स्थानीय सलाहकार समिति में जिप्सी कल्याण संघ के प्रतिनिधियों को शामिल करने, पर्यटन क्षेत्र में वाहनों के लिए गति सीमा 40 किमी रखने, 3 वाहनों को कम करके क्रूजर सफारी को बंद करें, जिप्सी कोटा और स्थानीय कोटा से 3 सफ़ारियां बढ़ाएं आदि मांगें की गई। इन मांगों पर निर्णय न होने पर एक अक्टूबर से अनिश्चितकाल के लिए जंगल सफारी बंद करने की चेतावनी दी है।

नागपुर मनपा के कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, मिलेगी 30 महीनों की बकाया सैलरी

संवाददाता ■ नागपुर

मनपा आयुक्त डॉ. चौधरी ने शुक्रवार को महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान का बहुप्रतीक्षित फैसला लिया जिसकी नागपुर महानगरपालिका के कर्मचारी कई दिनों से मांग कर रहे थे। इस निर्णय के तहत मनपा में कार्यरत सभी नियमित पात्र कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्ति वेतन धारकों और कुटुंबनिवृत्ति वेतनधारकों को लाभ मिलेगा। 1 जनवरी 2022 से 30 जून 2024 तक 30 महीने यानी ढाई साल का महंगाई भत्ते का बकाया लंबित है। अक्टूबर 2024 से नवंबर 2024 तक 15 आसान किस्तों में बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा।

इस फैसले से मनपा कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले हो गई है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा अवधि और सेवानिवृत्ति के बाद की अवधि के लिए महंगाई भत्ते की बकाया राशि क्रमशः विभाग के वेतन क्लर्क और सेवानिवृत्ति शाखा के वेतन क्लर्क के माध्यम से जमा की जानी है। अतः सेवा अवधि एवं सेवानिवृत्ति के बाद की अवधि का लंबित भुगतान 15 समान किस्तों में किया जाएगा।

वित्त अधिकारी सदाशिव शेलके ने संबंधित विभाग को निर्देश दिया है कि जो कर्मचारी कार्यरत हैं उनका 30 माह का बकाया 15 किस्तों में नियमित वेतन भुगतान के साथ ही किया जाए, बकाया राशि अलग से जमा नहीं कराई जाए।

उल्हासनगर से गिरफ्तार पोर्न स्टार ने राज कुंद्रा के साथ भी किया है काम

संवाददाता ■ उल्हासनगर

भारत में अश्लील फिल्म में काम करने वाली रिया उर्फ आरोही बर्डे को मुंबई से सटे उल्हासनगर के पास नेवाली इलाके से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रिया के खिलाफ पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट मामले में कार्रवाई की गई है। पुलिस जांच में रिया उर्फ आरोही के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिया उर्फ आरोही बर्डे बांग्लादेश की मूल निवासी हैं और उन पर अपनी मां, भाई और बहन के साथ अवैध रूप से भारत में रहने का आरोप है। इसके लिए रिया की मां पर अमरावती के एक शख्स से शादी करने का आरोप है। पुलिस ने रिया के अलावा उसकी मां अंजलि बर्डे उर्फ रूबी शेख, पिता अरविंद बर्डे, भाई रवींद्र उर्फ रियाज शेख और बहन रितु उर्फ मोनी शेख को भी आरोपी बनाया है। रिया उर्फ आरोही बर्डे का असली नाम बन्ना शेख है वह मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली है। वह उल्हासनगर से सटे नेवाली में अपनी मां, बहन और भाई के साथ अवैध रूप से रह रही थी। पुलिस के मुताबिक रिया अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के प्रोडक्शन से जुड़ी थीं और उसने कई अश्लील फिल्मों में काम किया है। पुलिस ने कहा कि रिया को पहले वेश्यावृत्ति से जुड़े एक मामले में अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। रिया की मां ने अमरावती के रहने वाले अरविंद बर्डे से शादी की थी। फिर उसने अपने और अपने बच्चों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज जमा करके भारतीय पासपोर्ट बनाए। लेकिन पुलिस जांच में पता चला है कि रिया की मां रूबी शेख मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली हैं। दरअसल, रिया उर्फ आरोही बर्डे के एक दोस्त ने पुलिस को रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि रिया भारतीय नहीं बल्कि बांग्लादेशी हैं। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने रिया के सभी दस्तावेजों की जांच की जो फर्जी पाया गया। इसके बाद पुलिस ने रिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रिया के भाई और बहन की तलाश कर रही है। इससे पहले भी रिया को मुंबई पुलिस ने देह व्यापार के मामले में गिरफ्तार किया था।

उल्हासनगर में पुलिस स्टेशन में महिला पुलिसकर्मी पर धारदार ब्लेड से हमला

कल्याण। उल्हासनगर के विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात एक महिला पुलिस अधिकारी को एक सिरफिरे हमलावर ने पुलिस स्टेशन की एक कोठरी में बंद कर दिया, जिसने उस पर तेज चाकू से हमला किया और उसे मारने की कोशिश की। यह घटना गुरुवार सुबह की है. इस घटना से पुलिस बल में हड़कंप मच गया है. गंभीर रूप से घायल महिला पुलिस अधिकारी का नाम शीतल भगवंत बांबले (32) है। वह विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर है। हमलावर का नाम बाबासाहेब जांगलू सोनावणे (42, निवासी भीम कॉलोनी, उल्हासनगर कैंप 4) है। पुलिस ने बताया कि महिला पुलिसकर्मी शीतल बम्बल बुधवार को रात्रि निगरानी के लिए थाने में ड्यूटी पर थीं. उनकी ड्यूटी गुरुवार सुबह तक थी। गुरुवार की सुबह जब कांस्टेबल बम्बल पुलिस स्टेशन में था, तब आरोपी बाबासाहेब सोनवणे खुद पर तेज चाकू से वार करने के बाद खून से लथपथ हालत में पुलिस स्टेशन आया। वह क्रोधित था। अर्वाच बोल रहा था.

10 हजार लाडली बहनों को साड़ी और सूट बाटेंगे एसएम खान

प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल होंगे देवेंद्र फडणवीस

संवाददाता ■ मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन उपलक्ष में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एसएम खान द्वारा 5 अक्टूबर, शनिवार की शाम ओशिवरा मेट्रो स्टेशन के पास स्थित म्हाडा ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में 10 हजार महिलाओं को मुफ्त साड़ी और सूट का वितरण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अमृता ताई फडणवीस और मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार उपस्थित होंगें। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश महासचिव संजय केनेकर, मुंबई महासचिव संजय उपाध्याय, स्थानीय विधायक भारती ताई लवेकर, अल्पसंख्यक मोर्चा के महाराष्ट्र अध्यक्ष इदरीश मुल्तानी, भाजपा की महिला प्रदेश अध्यक्ष चित्राताई वाघ, महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष एजाज देशमुख अल्पसंख्यक मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष वसीम खान शामिल होंगे। जोगेश्वरी पश्चिम स्थित कार्यालय पर आयोजित पत्रकार परिषद में एसएम खान ने उपरोक्त जानकारी दी।

कंपनी से चोर ने चुराए कॉपर के केबल

अंबरनाथ। अंबरनाथ के एमआईडीसी इलाके में अज्ञात चोर द्वारा एक कंपनी से कॉपर के केबल तथा अन्य सामान चुरा लिया। मिली जानकारी के अनुसार अंबरनाथ पूर्व के आनंदनगर एमआईडीसी में अनन्या इंडस्ट्रीज के स्टोर कीपर प्रधुमन गजानन परांजपे (56) ने कंपनी में हुई चोरी की शिकायत शिवाजी नगर पुलिस थाना में दर्ज करवाया है। अपनी शिकायत में उन्होंने पुलिस को बताया कि 19 सितंबर की शाम साढ़े पांच बजे से 20 सितंबर की सवा सात बजे के दौरान किसी ने कंपनी के गेट पर चढ़कर कंपनी के भीतर प्रवेश किया और कंपनी में रखा 1 लाख 37 हजार 200 रूपये मूल्य का कॉपर का केबल, कॉपर वायर तथा स्टील पाइप चुरा लिया। बहरहाल आगे की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक एस.एस.शेख कर रहे हैं।

आज और कल सितंबर को हार्बर लाइन पर विशेष यातायात और बिजली मध्य रात्रि ब्लॉक

संवाददाता ■ मुंबई

पश्चिम रेलवे, दिनांक 29/30 सितंबर को प्रमुख नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य को करने के लिए अंधेरी और गोरेगांव के बीच अप और डाउन हार्बर लाइन पर निम्नानुसार ब्लॉक परिचालित करेगा-

ब्लॉक की तिथि- 29/30.9.2024 (रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि)

ब्लॉक का खंड- अप और डाउन हार्बर लाइन पर अंधेरी से गोरेगांव तक

ब्लॉक की अवधि- 00.30 बजे से 10.30 बजे तक (10 घंटे का ब्लॉक)

* ब्लॉक अवधि के दौरान हार्बर लाइन उपनगरीय ट्रेनों का

परिचालन इस प्रकार होगा

ब्लॉक अवधि के दौरान अंधेरी और गोरेगांव के बीच हार्बर लाइन पर उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

* डाउन हार्बर लाइन पर गोरेगांव के लिए ब्लॉक से पहले आखिरी लोकल 22.54 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी और 23.49 बजे गोरेगांव पहुंचेगी।

* अप हार्बर लाइन पर गोरेगांव से सीएसएमटी के लिए ब्लॉक से पहले आखिरी लोकल 00.07 बजे गोरेगांव से प्रस्थान करेगी और 01.02 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी।

* डाउन हार्बर लाइन पर गोरेगांव के लिए ब्लॉक के बाद सुबह की पहली लोकल (यानी 30.09.2024 को) सीएसएमटी से 10.22 बजे प्रस्थान करेगी और 11.16 बजे गोरेगांव पहुंचेगी।

* अप हार्बर लाइन पर गोरेगांव से ब्लॉक के बाद सुबह की पहली लोकल (यानी 30.09.2024 को) 11.23 बजे गोरेगांव से प्रस्थान करेगी और 12.21 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी।

मध्य रेलवे ने कहा है कि ये रखरखाव मेगा ब्लॉक बुनियादी ढांचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से मध्य रेलवे ने अनुरोध किया है कि वे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

दिव्यांग एवं मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों के लिए फिजियोथेरेपी एवं मल्टीडिसिप्लिनरी थेरेपी की सुविधा अब मनपा के माध्यम से निःशुल्क

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में लगभग 5,500 विकलांग व्यक्तियों ने पंजीकरण कराया है। अभी तक इन दिव्यांगों के लिए मनपा के माध्यम से कोई भी फिजियोथेरेपी सुविधा निःशुल्क उपलब्ध नहीं थी। इसलिए मनपा की प्रशासक/आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने मामले का संज्ञान लिया और सामाजिक विकास विभाग द्वारा जारी किए गए टेंडर को इस नजरिए से मंजूरी दे दी है कि अब विकलांग और मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को यह सुविधा मुफ्त मिल सके. इस काम का जिम्मा आधार पुनर्वास सेवाएं को दी गई है। इससे संबंधित लाभार्थियों को यह सुविधा 3/क प्रभाग कार्यालय के समीप महिला कल्याण केंद्र के भूतल पर उपलब्ध होगी। फिलहाल यह सुविधा 3 साल के लिए उपलब्ध रहेगी और इसका खर्चा 10 करोड़ रुपये आने का अनुमान है। ये केंद्र चिकित्सा परामर्श, आर्थोपेडिक परामर्श, न्यूरोलॉजिकल परामर्श, आयुर्वेदिक परामर्श, होम्योपैथिक परामर्श, मनोवैज्ञानिक परामर्श के साथ-साथ फिजियोथेरेपी, फिजिकल थेरेपी, व्यावसायिक थेरेपी, स्पीच थेरेपी, दैनिक जीवन की गतिविधियाँ, इंटरवेंशनल लर्निंग गतिविधियाँ, योग और ध्यान, व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करते हैं।

बदलापुर के उपजिला अस्पताल को सामान्य अस्पताल का प्राप्त है दर्जा

संवाददाता ■ बदलापुर

बदलापुर शहर के उपजिला अस्पताल, जो बदलापुर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है, को जल्द ही नया रूप मिलेगा और 50 बिस्तरों वाला अस्पताल अब 200 बिस्तरों वाला अस्पताल बन जाएगा। राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इस अस्पताल को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है. सर्जरी विभाग, विभिन्न स्वास्थ्य विशेषज्ञ, ब्लड बैंक समेत कई अन्य सुविधाएं मिलेंगी। इससे लाखों नागरिकों को फायदा होगा. बदलापुर शहर में स्थित उपजिला अस्पताल बदलापुर शहर के साथ-साथ अंबरनाथ तालुका के ग्रामीण रोगियों के लिए उपयोगी है। बदलापुर शहर से कई मरीज यहां आते हैं सात साल पहले वर्ष 2017 में इस अस्पताल को उपजिला अस्पताल का दर्जा दिया गया था। उस समय बेड की संख्या बढ़ाकर 50 कर दी गई थी. अब सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इस अस्पताल को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है. इसलिए अब यहां बेड की संख्या 200 हो जाएगी. इससे प्रसूति विभाग और सामान्य रोगी विभाग में भी बेड की संख्या बढ़ जायेगी. इसके साथ ही इस अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई भी शुरू की जायेगी.

पहले मरीजों को सरकारी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती होने के लिए उल्हासनगर के केंद्रीय अस्पताल जाना पड़ता था। अगर यहां बिस्तर क्षमता से भर जाते तो मरीजों को कलवा या मुंबई स्थानांतरित करना पड़ता। लेकिन अब यह सुविधा बदलापुर में ही उपलब्ध होने से मरीजों को काफी फायदा होगा. इसके साथ ही बदलापुर अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ की नियुक्ति शुरू की जायेगी. पहले इन सभी सुविधाओं के लिए उल्हासनगर, ठाणे या मुंबई जाना पड़ता था ।

उपजिला अस्पताल के सामान्य अस्पताल में तब्दील होने के बाद इस अस्पताल में विभिन्न प्रकार की सर्जरी का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा. सर्जरी विभाग को अपडेट किया जा रहा है.

सामान्य अस्पताल का दर्जा मिलने से बदलापुर अस्पताल में ब्लड बैंक शुरू करने में भी मदद मिलेगी. जिससे मरीजों को दूसरे शहरों में जाने से राहत मिलेगी। बदलापुर और ग्रामीण इलाकों में मरीजों को सर्जरी और अन्य मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। वह अब रुकने वाली है.

एमएमआर क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए 'सप्तसूत्री'

संवाददाता ■ ठाणे

हमेशा लोगों की भीड़ से भरे रहने वाले और कंक्रीट के जंगल से घिरे रहने वाले मुंबई महानगरीय क्षेत्र के पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक त्योहारों को एक साथ लाने के लिए महाराष्ट्र पर्यटन निदेशालय द्वारा सप्तसूत्री नामक एक पर्यटन विकास योजना तैयार की गई है। विश्व स्तर. इसमें तटीय क्षेत्र, मनोरंजन, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत स्थल, प्रायोगिक, साहसिक और आध्यात्मिक सात तत्वों पर ध्यान केंद्रित कर विकास योजना तैयार की गई है। यह योजना महाराष्ट्र पर्यटन विभाग की ओर से हाल ही में आयोजित ठाणे विकास सम्मेलन में प्रस्तुत की गई थी।

राज्य में विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ावा देने और पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने और रोजगार प्रदान करने के लिए हाल ही में महाराष्ट्र पर्यटन विभाग द्वारा एक पर्यटन नीति की घोषणा की गई थी। इसमें पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर, पर्यटन स्थलों के विकास और कुछ स्थानों पर पर्यटन क्षेत्रों के निर्माण को लेकर उपायों की योजना बनाई गई। साथ ही मौजूदा लेकिन

उपेक्षित पर्यटन स्थलों के विकास की योजना और उसके लिए धन का प्रावधान भी इस नीति में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई महानगर क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का निर्माण करते समय इसे महाराष्ट्र के विकास इंजन के रूप में उल्लेख किया था, इसी पृष्ठभूमि में इस क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की गई है।

पालघर, वसई, मरीन ड्राइव और जुहू में समुद्री तटों का विकास। लगभग 300 किमी लंबी तटरेखा के प्रत्येक 15 किमी खंड में नाव नौका पर्यटन विकसित करना। इसके अलावा मनोरंजन पर्यटन में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देना, मड आइलैंड और अलीबाग समुद्र तट पर मनोरंजन केंद्र स्थापित करना। लंदन आई की तर्ज पर मुंबई आई परियोजना का विकास करना और विभिन्न स्थानों पर संकल्प उद्यान का निर्माण करना। इको टूरिज्म में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, नवी मुंबई के साथ-साथ ठाणे में खाड़ी पर्यटन , फ्लेमिंगो महोत्सव भी शामिल है। पूरे एमएमआर क्षेत्र में ऐतिहासिक इमारतों, किलों को सांस्कृतिक विरासत स्थलों में विकसित करते हुए इन स्थानों को और अधिक बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उत्सवों का आयोजन किया जा रहा है। जबकि प्रायोगिक पर्यटन में खारघर, मड आइलैंड में गोल्फ कोर्स की स्थापना के साथ-साथ समुद्र तट पर विशेष रेस्तरां की स्थापना जैसी विभिन्न बातें इस विकास योजना में प्रस्तुत की गई हैं।

एमएमआर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने वाला एक पर्यटक वर्तमान में लगभग 1 से 2 दिनों में पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने में लगभग 8 से 10 हजार रुपये खर्च करता है। भविष्य में पर्यटन विभाग ने लक्ष्य रखा है कि इस क्षेत्र में पर्यटकों का प्रवास कम से कम 3 से 4 दिन और लगभग 25 हजार रुपये हो.

साथी सोसायटी सदस्य से छेड़छाड़, आरोपियों को गिरफ्तारी से पहले मिली जमानत

संवाददाता ■ मुंबई

एक दंपत्ति समेत तीन लोगों को हाल ही में 46 वर्षीय महिला से कथित तौर पर छेड़छाड़ के मामले में अग्रिम जमानत दी गई है। महिला इसी सोसायटी में रहती है और उसने प्रबंध समिति के खिलाफ गबन की शिकायत की थी। पुलिस ने बताया कि तीनों की पहचान साईनाथ सावंत (59), आलोक गुप्ता (48) और उनकी पत्नी तथा प्रबंध समिति की पूर्व सदस्य अवनिका (45) के रूप में हुई है।

एफआईआर में कहा गया है कि 6 अप्रैल, 2024 को दोपहर करीब 3:24 बजे सरकारी प्रशासक प्रवीण डाली (67) सोसायटी कार्यालय पर कब्जा करने के लिए राज शिवम पहुंचे। शिकायतकर्ता ने कहा कि जब डाली मौके पर पहुंचे तो वह वहां मौजूद थी। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बाद में उन्हें देखकर, पूर्व सोसायटी सचिव अब्राहम मैथ्यू और सदस्य प्रदीप दलवी ने परिसर में अन्य सदस्यों को बुलाना और चिल्लाना शुरू कर दिया, जिससे लगभग आठ-दस सदस्य एकत्र हो गए।

महिला ने दावा किया कि मैथ्यू और दलवी ने दूसरों को उसके और दली के खिलाफ भड़काया। शिकायतकर्ता ने कहा कि जब वह अपनी सुरक्षा के लिए घटना को रिकॉर्ड कर रही थी, तब सावंत ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उस पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन एक महिला सदस्य ने बीच-बचाव किया। उसने आरोप लगाया कि जब दली रोजनामा (रिपोर्ट) तैयार कर रहा था, तब आलोक ने उसका हाथ पकड़कर उसे अपनी ओर खींचा। जब उसने विरोध किया, तो अवनिका ने उसके हाथ पर मारा और उसका फोन छीनने का प्रयास किया, एफआईआर में कहा गया है, साथ ही कहा गया है कि सावंत ने उसी समय उसके कान पर वार किया।

उसकी शिकायत के आधार पर, भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल), 509 (किसी महिला की शील भंग करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरकर रेल पुलिस के कांस्टेबल की मौत

संवाददाता ■ मुंबई

मुंबई में लोकल ट्रेन में भीड़-भाड़ आये दिन यात्री ट्रेन से नीचे गिरकर हादसे के शिकार हो जाते हैं. ऐसा ही एक मामला सामने आया है जब लोकल ट्रेन से गिरकर राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) के एक कांस्टेबल की मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक पुलिस कांस्टेबल का नाम समित ज्ञानेश्वर गोंदके (28) है और वह अंधेरी रेलवे पुलिस स्टेशन में कार्यरत था. बुधवार को कांस्टेबल गोंदके अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद डोंबिवली स्थित अपने घर जाने के लिए निकले थे, इसी दौरान वे हादसे के शिकार हो गए. आश्चर्यजनक बात ये है कि करीब आठ घंटे तक वे गंभीर हालत में रेलवे ट्रैक पर पड़े रहे. भारी बारिश और भीड़भाड़ के कारण समय पर मदद नहीं मिल पाने से कांस्टेबल गोंदके की जान चली गई. पुलिस सूत्रों के मुताबिक कांस्टेबल गोंदके रात करीब 9.30 बजे अंधेरी से घाटकोपर तक मेट्रो से यात्रा करने के बाद वह डोंबिवली जाने के लिए लोकल ट्रेन में सवार हुए. भांडुप और नाहुर रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेन में भीड़ होने के चलते वह अपना संतुलन खो बैठे और चलती लोकल ट्रेन से नीचे गिर गए. जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई. ट्रेन से गिरने के बाद दुर्भाग्य से वह पूरी रात घायल अवस्था में रेल पटरी के पास पड़ेरहे. बुधवार को मुंबई में हुई भारी बारिश ने उनकी हालत और खराब कर दी. किसी यात्री ने गुरुवार 26 सितंबर को सुबह 7 बजे कुर्ला रेलवे पुलिस को जानकारी दी कि एक व्यक्ति बुरी तरह घायल हालत में ट्रैक के किनारे पड़ा है. सूचना मिलने पर कुर्ला रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत समित ज्ञानेश्वर को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज में देरी के कारण उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. कांस्टेबल की पहचान उनकी वर्दी और आईडी कार्ड से हुई.

बुधवार को त्रक्क पुलिस कांस्टेबल गोंदके अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद डोंबिवली स्थित अपने घर जाने के लिए निकले थे. उन्होंने रात करीब 9.30 बजे अंधेरी से घाटकोपर तक मेट्रो से यात्रा करने के बाद अपनी बाकी यात्रा के लिए लोकल ट्रेन से जाने का फैसला किया. भांडुप और नाहुर रेलवे स्टेशनों के बीच वह अपना संतुलन खो बैठे और चलती लोकल ट्रेन से गिर गए. गिरने से कांस्टेबल को गंभीर चोटें आई. उनका कंधा और हाथ टूट गया. सिर में भी गंभीर चोट आई. उनकी खोपड़ी में फ्रैक्चर हो गया और शरीर में कई चोटें आई. पूरी रात वह घायल अवस्था में पड़े रहे. समय पर इलाज न मिल पाने से उनकी जान चली गई.

गुरुवार सुबह 7 बजे किसी यात्री ने कुर्ला रेलवे पुलिस को जानकारी दी कि एक व्यक्ति बुरी तरह घायल हालत में ट्रैक के किनारे पड़ा है. सूचना मिलने पर कुर्ला रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया. हालांकि, इलाज में देरी के कारण उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. कांस्टेबल की पहचान उनकी वर्दी और आईडी कार्ड से हुई. जांच में पता चला कि भारी बारिश के कारण देर रात यात्रियों की काफी भीड़ थी. वह लोकल ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े थे, तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गए. अमित 2018 में पुलिस बल में शामिल हुए थे।

मुंबईकरों को अब सालभर पानी का टेंशन नहीं, सभी जलाशय शत प्रतिशत भरे

संवाददाता ■ मुंबई

मुंबईकरों को साल भर की पीने का पानी की टेंशन पूरी तरह से दूर हो गई है। मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी बांध 100 प्रतिशत भरे हुए हैं। जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीनों के दौरान, मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले बांध क्षेत्र में भारी बारिश हुई। इस बारिश से बांधों में पानी का भंडारण तेजी से बढ़ा और बांध ओवरफ्लो हो गए। हालांकि पिछले कुछ दिनों से बारिश पर विराम लग गया था। लेकिन अब फिर से बारिश शुरू हो गई है। फिलहाल वापसी की बारिश ने तूफान मचा रखा है। इस बारिश से बांधों में जल भंडारण बढ़ गया है और जल भंडारण 100 फीसदी तक पहुंच गया है। इसलिए मुंबईकरों की साल भर की पानी की समस्या दूर हो गई है। आईये जानते हैं कि किन बांधों में जल संग्रहण का वर्तमान प्रतिशत क्या है...

मुंबई महानगरपालिका की ओर से शनिवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी सात बांधों में पानी का भंडारण 100 फीसदी के करीब पहुंच गया है। 28 सितंबर को सुबह 6 बजे, मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सभी सात जलाशयों में जल भंडारण 14,39,271 मिलियन लीटर तक पहुंच गया। यानी इन बांधों में कुल 99.44 फीसदी जल भंडारण उपलब्ध है। पिछले साल इसी दिन इन बांधों में 14,33,141 मिलियन लीटर पानी था। यानी पिछले साल 99.02 फीसदी जल भंडारण उपलब्ध था। पिछले साल की तुलना में शनिवार को सभी सात बांधों में जल भंडारण बढ़ गया है। मुंबई शहर और उपनगरों को 7 बांधों अपर वैतरणा, मोडक सागर, तानसा, मध्य वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी से पानी की आपूर्ति की जाती है। इसमें 5 बांध और 2 झीलें हैं। इन सभी सात बांधों और झील क्षेत्रों में पिछले ढाई महीने में अच्छी बारिश हुई है। इससे बांध में पानी का भंडारण तेजी से बढ़ गया। इस बांध में जल भंडारण 99.44 फीसदी तक पहुंच गया है। फिलहाल बांध क्षेत्र में फिर से बारिश हो रही है। इससे बांधों में जल भंडारण बढ़ रहा है। मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले इन सभी सात बांधों की भंडारण क्षमता 14 लाख 47 हजार 363 मिलियन लीटर पानी है। इन बांधों से मुंबई को प्रतिदिन 3 हजार मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है।

सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, इवोनिक इंडिया ने 27 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की

संवाददाता ■ मुंबई

सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय (एसवीयू) और प्रमुख स्पेशियलिटी केमिकल कंपनी इवोनिक इंडिया ने एक अनूठी पहल - ग्रो बियॉन्ड योरसेल्फ छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत 27 महिला एमएससी छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए एक साथ आए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली लेकिन आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है, इस परियोजना के लिए कुल योगदान ?32 लाख है।

ये वार्षिक छात्रवृत्तियाँ अकादमिक प्रदर्शन और पात्रता मानदंडों पर आधारित हैं, जो उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान निरंतर सहायता सुनिश्चित करती हैं। इवोनिक इन छात्राओं को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए छात्रवृत्ति पुरस्कार विजेताओं का चयन सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति समिति और इवोनिक इंडिया की सीएसआर लीड विद्या गोपीनाथ द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया के आधार पर किया गया।

छात्रवृत्ति पुरस्कार इवोनिक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विनोद परेमल, भारत क्षेत्र की मानव संसाधन और अनुपालन प्रमुख अरुणा सुब्रमण्यन और भारत उपमहाद्वीप के क्षेत्रीय विकास प्रमुख श्रीनिवास राव पोथाबट्टुला द्वारा एसवीयू के चांसलर समीर सोमैया, एसवीयू के कुलपति प्रोफेसर वीएन राजशेखरन पिल्लई, सोमैया विद्याविहार के सचिव लेफ्टिनेंट जनरल जगबीर सिंह, सोमैया विद्याविहार के प्रोवोस्ट डॉ रघुनाथ शेवगांवकर, सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के प्रवेश निदेशक श्री नानदकुमार ढाके और एसआईआरएसी की निदेशक डॉ अचला दानैत की उपस्थिति में प्रदान किए गए। अपने प्रतिभाशाली छात्रों का समर्थन करने के लिए इस विशेष पहल के लिए इवोनिक इंडिया के साथ साझेदारी करके हमें खुशी हो रही है। यह साझेदारी एक अधिक समावेशी और अभिनव भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और हमें इस परिवर्तनकारी पहल का हिस्सा बनने पर गर्व है, सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति समीर सोमैया ने कहा।हमें सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करके सम्मानित महसूस हो रहा है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मास्टर ऑफ साइंस की पढ़ाई कर रहे ऐसे योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा सके, जिनमें समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने और भविष्य को आकार देने की क्षमता है,परमल ने कहा।

मुंबई विश्वविद्यालय में मंदिर प्रबंधन में भारत का पहला पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू

संवाददाता ■ मुंबई

इंटरनेशनल टेंपल कन्वेंशन एंड एक्सपो की शानदार सफलता के बाद, टेंपल कनेक्ट ने मंदिर प्रबंधन में देश का पहला स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया है। इस छह महीने के पाठ्यक्रम का उद्देश्य मंदिर संचालन को पेशेवर बनाना है, जिसमें प्रौद्योगिकी, स्थिरता और समावेशिता शामिल है। यह प्रतिभागियों को आधुनिक विशेषज्ञता और रणनीतिक दूरदर्शिता के साथ मंदिर पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करेगा। इस अभिनव पाठ्यक्रम के उद्घाटन बैच मुंबई विश्वविद्यालय और वेलिंगकर संस्थान में शुरू हुए और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में आगे के रोलआउट की योजना बनाई गई है। व्यापक कार्यक्रम एक मजबूत पाठ्यक्रम के साथ तैयार किया गया है - तीन महीने का गहन कक्षा प्रशिक्षण, जिसमें 20 से अधिक सत्र शामिल हैं, इसके बाद विभिन्न प्रसिद्ध मंदिरों में तीन महीने की व्यावहारिक इंटर्नशिप है। संकाय में अनुभवी पेशेवर शामिल हैं, जिनमें से सभी को मंदिर संचालन में पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव है। वर्तमान प्रारूप में, पाठ्यक्रम व्यक्तिगत रूप से और इंटर्नशिप के माध्यम से दिए जाते हैं, जिसमें प्रति विश्वविद्यालय या संस्थान 30 छात्र बैच होते हैं। कार्यक्रम छात्रों को प्रशासनिक कर्तव्यों से लेकर सामुदायिक जुड़ाव और आध्यात्मिक प्रबंधन तक मंदिर प्रबंधन के व्यावहारिक अनुभव का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। प्रवेश के लिए आवश्यक मानदंडों के अनुसार आवेदकों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए। उम्मीदवारों के पास मंदिर प्रशासन में मजबूत पृष्ठभूमि होनी चाहिए, विभिन्न मौजूदा मंदिरों से निकटता से जुड़े होने चाहिए या इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना चाहिए। डॉ. सुरेश हवारे (श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष, एक प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक और मंदिर प्रबंधन पर लेखक) की अध्यक्षता में, समिति में गिरीश कुलकर्णी (टेम्पल कनेक्ट और आईटीसीएक्स के संस्थापक), डॉ. नितिन कर्मलकर (पुणे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति) और मुंबई और पुणे विश्वविद्यालयों और वेलिंगकर संस्थान के अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं।

टैक्सी पर पेड़ गिरा, 3 घायल

मुंबई। मानसून के वापस जाने के साथ ही इस सप्ताह मुंबई में भारी बारिश हो रही है। मुंबई में बुधवार और गुरुवार को भारी बारिश हुई और शुक्रवार के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। इस सप्ताह लगातार बारिश और आंधी के बाद शुक्रवार को शहर में 25 पेड़ की टहनियाँ गिर गई, जिससे तीन लोग घायल हो गए। आधिकारिक तौर पर 11 शॉर्ट सर्किट और 11 दीवारें गिरने की भी सूचना मिली। शनिवार सुबह 8 बजे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में पूर्वी उपनगरों में 47.07 मिमी, पश्चिमी उपनगरों में 44.67 मिमी और शहर में 43.68 मिमी बारिश हुई।

मुंबई में इस मानसून में हुई कुल औसत बारिश पहले ही औसत वार्षिक बारिश को पार कर गई है। शुक्रवार 27 सितंबर तक कोलाबा वेधशाला ने 2633.6 मिमी और सांताक्रूज़ वेधशाला ने 3068 मिमी बारिश दर्ज की। भारी बारिश के बीच शुक्रवार शाम 6.01 बजे मुंबई के आपदा प्रबंधन सेल को एक टैक्सी पर पेड़ गिरने से तीन लोगों के घायल होने की सूचना मिली।

पुणे मेट्रो लाइन 3 निर्धारित समय से पीछे

संवाददाता ■ मुंबई/पुणे

मेट्रो ने मेट्रो लाइन 1 और 2 का काम पूरा कर लिया है, लेकिन पुणे आईटी सिटी मेट्रो रेल लिमिटेड (पीआईटीसीएमआरएल/पुनेरी मेट्रो) की हिंजेवाड़ी से शिवाजीनगर तक की मेट्रो लाइन 3 के काम के मामले में यह पिछड़ रही है। इस परियोजना पर काम 25 नवंबर, 2021 को शुरू हुआ और इसे 24 मार्च, 2025 तक पूरा करने का प्रस्ताव है। मूल योजना के अनुसार, इस समय तक 90त्न काम पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन अभी तक केवल 68.5त्न काम ही पूरा हो पाया है। सोमवार को उपमुख्यमंत्री (डीसीएम) और पुणे के संरक्षक मंत्री अजीत पवार ने मेट्रो लाइन 3 की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की। बैठक के दौरान, ठेकेदारों ने मेट्रो गर्डर लगाने के लिए यातायात पुलिस से अनुमति नहीं मिलने पर चिंता जताई। जवाब में, डीसीएम पवार ने पुणे पुलिस को निर्देश दिया कि वह चल रहे काम को गति देने के लिए शिवाजीनगर और औंध के बीच गर्डर लगाने के लिए सार्वजनिक छुट्टियों पर पीआईटीसीएमआरएल को 24 घंटे काम करने की अनुमति दे।

पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (पीएमआरडीए) के आयुक्त योगेश म्हसे ने कहा, ÷कंपनी ने कहा कि वह दिन में काम नहीं कर सकती और रात में केवल पांच घंटे ही काम कर पाएगी। मेट्रो के काम का शेड्यूल तय हो चुका है और कंपनी को उसका पालन करना होगा। फिलहाल काम तय समय से पीछे चल रहा है। हालांकि, कंपनी ने हमें भरोसा दिलाया है कि वह खोए हुए समय की भरपाई करेगी।÷ यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त अमोल ज़ेंडे ने कहा, ÷राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे और गणेश उत्सव के कारण मेट्रो के काम में देरी हुई है, क्योंकि हमने कंपनी को उन दिनों काम करने की अनुमति नहीं दी थी। अब डीसीएम पवार के निर्देशों का पालन करते हुए हम कंपनी को सार्वजनिक छुट्टियों पर काम करने की अनुमति देंगे।

पीआईटीसीएमआरएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे और गणेश उत्सव की योजना के कारण काम में देरी हुई है। गणेश खिंड फ्लाईओवर पर चल रहे काम ने मेट्रो परियोजना की गति को और प्रभावित किया है। हालांकि, हम काम में तेज़ी लाएंगे।÷ 23.3 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन 3 में 23 एलिवेटेड स्टेशन होंगे और इसे पीएमआरडीए द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर विकसित किया जा रहा है। मेट्रो लाइन 3 की कुल लागत 8,313 करोड़ है, और इसे टाटा-सीमेंस द्वारा पीपीपी आधार पर प्रस्तावित किया गया है।

आतंकी हमले की आशंका, पुलिस हाई अलर्ट पर, सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई। खुफिया एजेंसियों द्वारा मुंबई पुलिस को आतंकी खतरे की आशंका जताए जाने के बाद महाराष्ट्र की राजधानी हाई अलर्ट पर है। मुंबई में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केंद्रीय एजेंसियों की ओर से आतंकी खतरे की आशंका के बाद मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र की राजधानी में सुरक्षा कड़ी कर दी है। सूत्रों ने बताया कि इस अलर्ट के बाद धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। भीड़भाड़ वाले और धार्मिक स्थलों पर मॉक ड्रिल की जा रही है पुलिस ने कहा, ÷हमें भीड़भाड़ वाले और धार्मिक स्थलों पर मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए गए हैं। शहर के सभी डीसीपी को अपने-अपने जोन में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने क्रॉफर्ड मार्केट इलाके में मॉक ड्रिल की। यह ऐसा इलाका है जहां काफी भीड़ होती है और यहां दो बड़े धार्मिक स्थल भी हैं।

सुरक्षा ड्रिल के बारे में पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह एक सुरक्षा अभ्यास था, लेकिन अचानक ऐसा अभ्यास क्यों किया जा रहा है, यह नहीं बताया गया। पुलिस ने आगे कहा, आगामी त्योहारों और चुनावों के मद्देनजर मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट और अन्य स्थानों पर मॉक ड्रिल की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि शहर के सभी मंदिरों को सतर्क रहने और एहतियात के तौर पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का निर्देश दिया गया है। एक अन्य खबर में, मुंबई के पायधुनी झवेरी बाजार इलाके में एक मस्जिद को गुरुवार को बम की धमकी मिली, जिसके बाद इलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया; बम निरोधक दस्ता भी मौके पर पहुंच गया था - यह संभवतः सुरक्षा अलर्ट के बीच आयोजित एक मॉक ड्रिल थी।

बुजुर्ग मरीज़ को नए वैस्कुलर क्लोजर डिवाइस से डबल वाल्व री-रिप्लेसमेंट से गुज़ारा गया

संवाददाता ■ मुंबई

मुंबई में पहली बार, हृदय वाल्व रोग से पीड़ित एक बुजुर्ग मरीज को एक नए वैस्कुलर क्लोजर डिवाइस के साथ डबल वाल्व री-रिप्लेसमेंट से गुजरना पड़ा। 14 साल तक अपने महाधमनी और माइट्रल वाल्व को बदलने के लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करवाने के बाद, 65 वर्षीय व्यक्ति को वाल्व को फिर से बदलना पड़ा क्योंकि उसे थोड़ी सी भी गतिविधि के साथ सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।कर्नाटक के निवासी श्री सुबोध मिश्रा को हृदय वाल्व रोग का पता चला था। उन्होंने 14 साल पहले ओपन-हार्ट सर्जरी करवाई थी, जिसके दौरान उनके महाधमनी और माइट्रल दोनों वाल्व को बदल दिया गया था। हाल ही में, उन्हें थोड़ी सी भी मेहनत करने पर सांस फूलने लगी। उनकी हालत इतनी खराब हो गई कि उन्हें रात में सोने, चलने, नहाने और सीढ़ियाँ चढ़ने में भी परेशानी होने लगी।

लीलावती अस्पताल की हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या सूरतकल ने 2-डी इको किया और पाया कि मरीज के माइट्रल वाल्व में रिसाव हो रहा था और महाधमनी वाल्व सिकुड़ गया था, जिससे हृदय से शरीर में रक्त का प्रवाह बाधित हो रहा था। परिणामस्वरूप, रक्त फेफड़ों में वापस जा रहा था। इससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भर गया। मरीज को दोनों वाल्वों को फिर से बदलने की आवश्यकता थी।

रोगी को ओपन हार्ट सर्जरी के लिए दूसरी बार परामर्श दिया गया, जिसमें डबल वाल्व प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी। हालांकि, पिछली ओपन-हार्ट सर्जरी के कारण, वाल्व को बदलने के लिए मरीज को ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट और ट्रांसकैथेटर माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट प्रक्रिया की सिफारिश की गई थी। प्रक्रिया की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए सीटी स्कैन किया गया था।

लीलावती अस्पताल के इंटरवेंशनल स्ट्रक्चरल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव ने सेरेब्रल प्रोटेक्शन और एक नए वैस्कुलर क्लोजर डिवाइस के साथ ट्रांसकैथेटर डबल वाल्व रिप्लेसमेंट किया। कैथेटर के साथ दोनों वाल्वों को बदलना प्रक्रिया को चुनौतीपूर्ण बनाता है, हालांकि, दोनों वाल्वों को एक साथ बदलने की आवश्यकता होती है, जो ओपन हार्ट सर्जरी के परिणामों की नकल करता है। दोनों वाल्वों को बदलने पर मरीज को अधिकतम लाभ मिलता है। स्ट्रोक को रोकने के लिए मस्तिष्क की धमनियों में एक फिल्टर लगाया गया था।

पोर्श कार दुर्घटना: नाबालिग आरोपी को कॉलेज में प्रवेश नहीं मिला

मुंबई/पुणे। पोर्श कार दुर्घटना में दो लोगों की मौत के मामले में नाबालिग आरोपी को उसके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले के कारण किसी भी कॉलेज में प्रवेश नहीं मिल रहा है, उसके वकील ने किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) को बताया, साथ ही कहा कि दिल्ली के एक प्रबंधन संस्थान ने, जहां उसने बीबीए कोर्स में दाखिला लिया था, उसका प्रवेश रद्द कर दिया है।17 वर्षीय किशोर ने कथित तौर पर 19 मई को कल्याणीनगर में अपनी तेज रफ्तार कार से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी, जिसमें दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मौत हो गई थी।गुरुवार को बचाव पक्ष के वकील प्रशांत पाटिल ने जेजेबी को सूचित किया कि उनके मुवक्किल को कॉलेज में प्रवेश पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वकील ने बोर्ड से नाबालिग को पुणे या अन्य स्थानों पर कॉलेज में प्रवेश लेने की अनुमति देने का आग्रह किया। विशेष लोक अभियोजक शिशिर हिरय ने जेजेबी को सूचित किया कि अभियोजन पक्ष को नाबालिग के उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर कोई आपत्ति नहीं है।इस बीच, पुलिस ने गुरुवार को जेजेबी के समक्ष भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 201 (साक्ष्यों को गायब करना), 213 (अपराधी को बचाने के लिए उपहार लेना), 214 के तहत आरोप जोड़ते हुए नए आरोपों के साथ एक पूरक रिपोर्ट पेश की, साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं को भी जांच के हिस्से के रूप में लगाया गया।

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

SRM Ist CALL E-TENDER NOTICE

MSETCL invites online bids (E-Tender) from reputed & registered Electrical contractors on Mahatransco Website https://srmetender.mahatransco.in for the following Tender Specification.

Tender No. : E-Tender - 40/2024-25 Name of Tender: Ist call E-Tender for Supply of Digital Clamp Meter with all accessories at various substations under EHV(O&M) Dn., Bhandup. Tender Fee :- Rs. 500 /- + applicable GST **RFx No.-** 7000033671	**Online Downloading the RFx : Dt. 28.09.2024, 10.00 Hrs. to 05.10.2024, 10.00Hrs.** **Online Submission of the RFx :** On or Before Dt. **05.10.2024,** 10:00 Hrs. **Online Opening of the Techno Commercial RFx** : Dt. **05.10.2024**, at 11:00 **Hrs.** (If possible). **Online Opening of the Price bid:** Dt. **05.10.2024, at** 12:00 **Hrs.** (If possible)

For further details visit our website :- **https://srmetender.mahatransco.in**
Contact Person: -The DYEE Engineer (O) & Mobile No. 9819927988
Note : All eligible Supplier/Contractors are mandated to get enrolled on SRM E-Tenders (New) portal of MSETCL.

Sd/-
Executive Engineer, EHV (O&M) Division Bhandup

आदिवासीयों को मुख्यधारा में जोड़ने की कोशिश

आदिवासी शब्द दो शब्दों आदि और वासी से मिल कर निर्मित है और इसका अर्थ है जो आदि काल से वास कर रहा हो अर्थात मूल निवासी।भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा आदिवासियों का है। लोगों का ध्यान आकर्षित करने और मनोरंजन के लिए ही लोग आदिवासी समाज और सुसंस्कृति की ओर जाते रहे हैं। नतीजा हमारे सामने है उनके जीवन और रीति- रीवाजों के बारे में सनसनीखेज ब्योरे तो खूब मिलते हैं, पर उनके पारिवारिक जीवन की मानवीय व्यथा नहीं। उनके अलौकिक विश्वास, जादू टोने और विलक्षण अनूष्ठानों का आँखों देख हाल तो मिलता है, पर उनकी जिंदगी के हर सिम्त हाड़तोड़ संघर्ष की बहुरूपी और प्रमाणिक तस्वीर नहीं मिलते हैं। वे आज भी आदमी की अलग नस्ल के रूप में पेश किए जाते हैं। पुरातन संस्कृत ग्रंथो में आदिवासियों को अत्विका और वनवासी भी कहा गया है। संविधान में आदिवासियों के लिए अनुसूचित जनजाति पद का उपयोग किया गया है। भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में संथाल,गोंड, मुंडा, हो, बोडो, भील, खासी, सहरिया, गरासिया, मीणा, उरांव, बिरहोर आदि हैं। महात्मा गांधी ने आदिवासियों को गिरिजन (पहाड़ पर रहने वाले लोग) कह कर संबोधित किया था। इस पर वामपंथी मानविज्ञानियों ने प्रश्न उठाया था कि क्या ये मैदान में रहने वालों को मैदानी कहा जाता है। आदिवासी को दक्षिणपंथी लोग वनवासी या जंगली कहकर पुकारते हैं। इस तरह के नामों के पीछे बुनियादी रूप से यह धारणा काम कर रही होती है कि आदिवासी जंगल में वास करते हैं। वे देश के मूल निवासी हैं या नहीं तथा आर्य यहीं के मूल निवासी हैं या बाहर से आए हैं। भारत के मूलनिवासी कौन हैं, ये तमाम प्रश्न अभी भी भारतीय मानव विज्ञान में उलझा हुआ है। आमतौर पर आदिवासियों को भारत मे जनजातीय लोगों के रूप मे जाना जाता है। आदिवासी मुख्य रूप से भारतीय राज्यों उड़ीसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल मे अल्पसंख्यक है जबकि भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों में यह बहुसंख्यक हैं, जैसे मिजोरम। भारत सरकार ने इन्हें भारत के संविधान की पांचवी अनुसूची में अनुसूचित जनजातियों के रूप में मान्यता दी है। अक्सर इन्हें अनुसूचित जातियों के साथ एक ही श्रेणी अनुसूचित जातियों और जनजातियों मे रखा जाता है जो कुछ सकारात्मक कार्रवाई के उपायों के लिए पात्र है। आदिवासी के अपने जनजातीय संप्रदाय हैं, जो इस्लाम या वैदिक हिंदू धर्म से अलग हैं पर तांत्रिक शैव के अधिक करीब हैं। 19 वीं सदी के दौरान ईसाई मिशनरियों द्वारा इनकी एक बडी-संख्या का परिवर्तन कराकर ईसाई बना दिया गया। माना जाता है कि हिंदुओं के देव भगवान शिव भी मूल रूप से एक आदिवासी देवता थे लेकिन आर्यों ने भी उन्हें देवता के रूप मे स्वीकार कर लिया। जब सदानी जातियों की मूल जाती नागवंशियों ने छोटानागपुर में राज्य बनाया था। खुखर राज्य के पहले राजा नागवंशी फणीमुकूट राय थे जिन्होंने मुंडाओं के सहयोग से राज्य की स्थापना की थी। नाग जाति के बारे में अभी तक पर्याप्त शोध नहीं हुए हैं किन्तु डॉ. अम्बेडकर तथा कई अन्य विद्वानों ने जो प्रमाण और साक्ष्य जुटाए हैं वे नाग जाति के इतिहास के अस्तित्व को स्पष्ट स्थापित करते हैं। नाग जाति बहुत सुसंस्कृत, बहादुर और शांतिप्रिय जाति रही हैं इस जाति ने गौतम बुद्ध के नेतृत्व में सैकड़ों वर्षों तक ब्राह्मण धर्म के जातिभेद और छुआ दृ छूत के खिलाफ संघर्ष किया था। हिन्दूओं ने अपने बहुत से पर्व दृ त्योहार इस जाती के संस्कृति से लिए हैं प्रसिद्ध राजा शशांक इसी नाग जाति के थे। आदिवासियों का जिक्र रामायण में भी मिलता है, जिसमें राजा गोहु और उनकी प्रजा चित्रकूट में श्रीराम की सहायता करती है। आधुनिक युग में एक आदिवासी बिरसा मुंडा, एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक धार्मिक नेता भी थे। रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि भी एक भील आदिवासी थे। बहुत से छोटे आदिवासी समूह आधुनिकीकरण के कारण हो रहे पारिस्थिति की पतन के प्रति काफी संवेदनशील हैं। व्यवसायिक वानिकी और गहन कृषि दोनों ही उन जंगलों के लिए विनाशकारी साबित हुए हैं जो कई शताब्दियों से आदिवासियों के जीवन यापन का स्त्रोत रहे थे। आदिवासियों के विशेषज्ञ जे. जे. राय बर्मन के अनुसार आदिवासियों में सभी जातियां मूल आदिवासी जाति की केटेगरी में नहीं आतीं, इसी तरह मूल आदिवासियों में अनेक जनजातियां बाहर से आयी हैं। आज इन जनजातियों के लोग जहां रहते हैं वहां वे मूल रूप से नहीं रहते थे। मसलन मणिपुर के कूकी आदिवासी, मिजोरम के लूसिस जनजाति के लोग मूलतः दक्षिण चीन और चिन पर्वत के निवासी हैं। ये लोग कुछ सौ साल पहले ही स्थानान्तरित होकर भारत में आए हैं। कूकी को ब्रिटिश शासकों ने नागा बहुल इलाकों में बसाया था। जिससे नागा और वैष्णवपंथी मैइती जनजाति के बीच में बफर जॉन पैदा किया जाए। लूसी जनजाति से सैलो का संबंध है इसके मुखिया को ब्रिटिश शासकों ने ठेकेदार के रूप में बढ़ावा दिया जिससे वह मिजोरम में सड़कें बनाए। इस तरह अन्य जगह से लाकर बसाए गए आदिवासियों की बस्तियों का दायरा धीरे-धीरे त्रिपुरा तक फैल गया। जिसे इन दिनों तुइकुक के नाम से जानते हैं। यहा त्रिपुरा के राजा की नीति थी एउसने अपने राज्य में रियांग और चकमा जनजाति के लोगों को बाहर से लाकर बसाया। जिससे कॉटन मिलों के लिए झूम की खेती के जरिए कॉटन का अबाधित प्रवाह बनाए रखा जा सके। बोडो जनजाति के लोग मूलतः भूटान के हैं और बाद में वे असम में आकर बस गए। टोटोपारा इलाके के टोटो जनजाति के लोग भूटान से आकर उत्तर बंगाल की सीमा पर आकर बस गए। इनमें अनेक ऐसी जनजातियां भी हैं जो एक जमाने में अपराधी जाति के रूप में ही जानी जाती थीं उन्हें भूटान के राजा ने अपने राज्य से निष्कासित कर दिया था।

प्रधानमंत्रीः मुख्य न्यायाधीश के यहाँ पूजा में शामिल होने के मायने

लेखक -रघु ठाकुर

भारत के मुख्य न्यायाधीश के घर पर गणपति की स्थापना की गई थी और 11 सितंबर को उनके घर पर गणपति पूजा में प्रधानमंत्री जी पहुँचे। समाचार पत्रों में उनके मराठी वेशभूषा और मराठी टोपी लगे हुए फोटो छपे। महाराष्ट्र के ग्रामीण अंचलों में ग्रामीणजन सफेद टोपी पहनते हैं जो एक जमाने की गाँधी टोपी के समान होती थी। इस सफेद टोपी के पहनने के दो कारण संभव हैं। एक- तो यह कि महात्मा गांधी के प्रभाव में आजादी के आंदोलन के दिनां में गांधी टोपी को पहनना गांधीवादी होने का और आजादी के आंदोलन के समर्थक होने का प्रतीक था। दूसरे विदर्भ और महाराष्ट्र के बड़े इलाके में कपास पैदा होता था, कपास गर्म मौसम के क्षेत्रों में मुख्यतरू पैदा होता है और इसलिये ये कपास से बने सूत की सफेद टोपी, धोती लोगों को पहनना सुविधाजनक था। प्रधानमंत्री जी के भारत के मुख्य न्यायाधीश के घर पर जाने के बाद देश में विभिन्न प्रतिक्रियायें आई हैं और जो मुख्यतरू अपने-अपने राजनैतिक सोच के आधार पर बंटी हुई हैं। प्रधानमंत्री जी के समर्थकों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के घर पर उनके कार्यकाल में हुई रोजा इफ्तार पार्टी में तत्कालीन भारत के मुख्य न्यायाधीश के शामिल होने वाले फोटो जारी किये हैं जिनमें वे प्रधानमंत्री निवास में इफ्तार पार्टी में शिरकत कर रहे हैं। श्री मोदी के समर्थकों ने यह भी तर्क दिया है कि अगर मुख्य न्यायाधीश इफ्तार पार्टी में जा सकते हैं तो मुख्य न्यायाधीश के यहां गणेश पूजा में प्रधानमंत्री क्यों नहीं जा सकते? आलोचक पक्ष ने यह टिप्पणी की है कि इस घटना से प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश के बीच कुछ पक रहा लगता है। कुछ ने यह भी लिखा चूंकि सी.जे.आई. शीघ्र ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं, इसलिये वह भविष्य की संभावनायें तलाश रहे हैं। भारत की सरकारों ने आज से नहीं बल्कि श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले कांग्रेस के जमाने से ही कुछ संवैधानिक संस्थायें, यथा मानव अधिकार आयोग, प्रेस काउंसिल आफइंडिया आदि के मुखिया के पद सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिये वैधानिक रूप से आरक्षित कर दिये गये तथा इनका चयन सरकारें ही करती हैं। पिछले एक डेढ़ दशक में जिस प्रकार मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहे लोगों ने राज्यपाल, राज्यसभा, आदि राजनैतिक पद ग्रहण किये हैं उससे इस धारणा को बल मिला है कि कोई भी व्यक्ति अपने स्वार्थ के या पद लोलुपता के लिये अपनी संवैधानिक मर्यादाओं व सम्मान को छोड़कर किसी भी सीमा तक गिर सकता है। यह एक आम राय बनी है। मुख्य न्यायाधीश महोदय गणपति पूजक हैं और उनके यहाँ पर परंपरानुसार प्रतिवर्ष गणपति पूजा होती होगी। अगर पिछले वर्षों में भी उन्होंने प्रधानमंत्री को दावत दी होती या प्रधानमंत्री जी उनके यहाँ आये होते तब शायद यह शंका बलवती नहीं होती। परंतु यह मुख्य न्यायाधीश के कार्यकाल के आखिरी समय अचानक और आश्चर्यजनक रूप से हुई घटना है। इसलिये भी लोगों को शंका करने का अवसर मिला। कुछ प्रधानमंत्री समर्थक मित्रों ने तो एक मुस्लिम न्यायाधीश का हवाला देकर लिखा है कि उन्हें जज बनाया गया फिर राज्यसभा में लाया गया और पुनरू उनकी जज के रूप में नियुक्ति हुई। यह घटना भी सही है और ऐसी अनेकों और भी घटनाओं का उदाहरण दिया जा सकता है। कांग्रेस सरकारों के जमाने में भी न्यायपालिकाओं को अपने अनुकूल बनाने के लिये हर प्रकार के हथकंडों का इस्तेमाल होता रहा है, यह निर्विवाद सत्य है। जस्टिस खन्ना, जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा और ऐसे ही कितने उदाहरण दिये जा सकते हैं। परंतु ऐसे उदाहरण देने वाले जाने-अनजाने यही सिद्ध करते रहे हैं कि मुख्य न्यायाधीश के घर की गणेश पूजा नहीं वरन गणेश परिक्रमा हो रही है। याने उद्देश्य कुछ हासिल करना है सरकार को भी और न्यायाधीश को भी। कई मित्रों ने यह संदेह व्यक्त किया था कि चूंकि 13 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर निर्णय होना है और यह न हो सके, ऐसा निर्णय हासिल करने के लिये प्रधानमंत्री गणपति पूजा में गये। हालांकि 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी आशा के विपरीत केजरीवाल को जमानत दे दी। मैं इस पूरे विवाद को योजनाबद्ध अपने-अपने हित साधक और एक अर्थ में व्यक्ति के प्रति मूल अविश्वास और अनास्था के रूप में देखता हूं। निसंदेह अनेकों मुख्य न्यायाधीशां और न्यायाधीशों ने सत्ता के समक्ष समर्पण किया है परंतु इस आधार पर न्यायाधीश पर उंगली उठाना उचित नहीं है। क्योंकि न्यायाधीश व्यक्ति होता है वह आयेंगे व जायेंगे परंतु न्यायपालिका जो एक संवैधानिक संस्था है, अगर उसकी जनविश्वसनीयता कम होगी तो यह लोकतंत्र के लिये बड़ा आघात होगा। अपनी सारी कमियों के बावजूद भी कम से कम अभी तक देश की जनता का विश्वास न्यायपालिका पर बना हुआ है और न्यायपालिका को वह संविधान और अपने अधिकारों के रक्षक के रूप में देखती है। देश की संसद पर विश्वास घटा है यह इससे ही सिद्ध हो जाता है कि सारे प्रचार व प्रसार के बावजूद भी पक्ष व विपक्ष को मिलाकर लगभग 60 प्रतिशत लोग ही मतदान करते हैं। याने शेष 40 प्रतिशत लोगों का विश्वास संसद से टूट चुका है। सरकारें तो मुश्किल से देश के 30-40 प्रतिशत के समर्थन से बनती हैं और एक अर्थ में वे देश के अल्पमत की प्रतिनिधि है। फिर जो सत्ता पक्ष व प्रतिपक्ष के मतदाता हैं आमतौर निजी बातचीत में, वे भी अपने दलों से संतुष्ट नहीं है और एक प्रकार से लाचारी में मतदान करते हैं। प्रशासन सत्ता के गुलाम जैसा व्यवहार करता है और वह पहले से ही अविश्वसनीय है। याने संविधान के दो खंभे विधायक और कार्यपालिका तो पूर्व में ही हिल चुके हैं। अब अगर न्यायपालिका का खंभा भी हिलेगा तो अराजकता का दौर होगा जैसा कि हम लोग बंगलादेश व दुनिया के अन्य देशों में देख रहे हैं। न्यायाधीश की भी अन्यों के समान कई भूमिकायें होती हैं, वह न्याय देने का संवैधानिक अधिकारी है,वह परिवार में अपने परिवार का हिस्सा है, वह समाज में अपने समाज का हिस्सा है, अगर वह धर्मावलंबी है, अपने धर्म को मानने वाला है। एक नागरिक के रूप में उसे मतदान का अधिकार है और वह अपने विचारों के अनुकूल वह करता है। तो न्याायाधीश के मिलने जुलने में क्या खतरा है? न्यायाधीश को न्याय के महलों के नाम के बंदी ग्रहों में क्यों बंद रहना चाहिये? दरअसल ब्रिटिशकाल में एक लीगल एथिक्स नाम की संहिता बनी थी। जो आज भी वकालत पेशे के लिये एक व्यावसायिक आदर्श मानी जाती है। हालांकि एथिक्स के नियमों का पालन वकील साहवान अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार करते हैं। फीस व केस लेने की गुणवत्ता के बारे में तो नहीं ही करते। मैं श्री वाईके चंद्रचूड़ के ऊपर न कोई शक करता हूं न आरोपित करता हूं, जब तक कोई घटना उस आरोप को सिद्ध न करे। मैं एक इंसान के रूप में इंसान के प्रति आस्थावान हूं और हर अहिंसक, सिविल नाफरमानी के माध्यम से परिवर्तन करने वाले को मानव मात्र के प्रति आस्थावान होना चाहिए। जजों को मेरी राय में और अधिक सामाजिक बनना चाहिये। मेरी तो यह शिकायत है कि जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश केवल सत्ता केंद्रों तक या अपने घरों या चेम्बर तक सिकुड़कर रह जाते हैं तो उन्हें समाज की वास्तविकता का ज्ञान नहीं हो पाता। अगर न्यायाधीश महोदय भी यह परंपरा शुरू करें कि तीज-त्यौहारों पर वर्ग विशेष के लोगों के अलावा सामान्य लोगों को अपने बंद किलों के दरवाजे खोलें, उनसे मिले जुलें, संवाद करें तो वे ज्यादा बेहतर न्याय दे सकेंगे। कानून के शब्द होते हैं परंतु उसे लागू करने वाले का नजरिया महत्वपूर्ण होता है। मुझे याद है कि जब श्री मार्कंडेय काटजू सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे और उनके सामने एक गरीब तृतीय या चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी का मामला अपने बकाया की सुनवाई के लिये आया था। वह व्यक्ति 25-30 साल से अपनी थोड़ी सी राशि के लिये लड़ रहा था। श्रम न्यायालय, जिला न्यायालय, उच्च न्यायालय और इन तीनों की लंबी अवधि की यात्रा पूरी कर वह सर्वोच्च न्यायालय पहुँचा था। उस गरीब के पास कोई वकील खड़ा करने की आर्थिक क्षमता नहीं थी और सरकार के विभागीय अधिकारियों की तरफ से महाधिवक्ता के पैनल के बड़े-बड़े वकील थे। जस्टिस काटजू ने फाईल को देखा और सरकारी वकील से पूछा कि आप लोगों को कितनी फीस मिली है। एक व्यक्ति को कुछ हजार रुपया नहीं देने के लिये तंत्र संगठित हो जाता है और सरकारी पक्ष की वकालत पर वकीलों पर लाखों रुपया खर्च हो जाता है। एक मिनिट् में ही उन्होंने बुजुर्ग से कहा कि बाबा तुम जीत गये और तुम्हें तुम्हारा पैसा मिलेगा। यह है न्यायाधीश की मानवता जो उसे कानून की किताब से नहीं बल्कि पारिवारिक संस्कार, उनकी सामाजिकता और समाज से अंतर संवाद से मिलती है। पहले याने 1950 से लेकर लगभग 1980 तक शीर्ष न्यायपालिका का सामाजिक संवाद ज्यादा था और इसीलिये उनका दृष्टिकोण मानव अधिकारों, सामान्य व्यक्तियों, गरीबों के प्रति भी संवेदनशील था। मैं न्यायपालिका के आचरण के कई उदाहरण दे सकता हूँ। मैं स्पष्ट कर दूँ कि मैं केवल व्यक्ति के प्रति मूल अविश्वास के खिलाफ हूँ। जब तक कि वह आरोपित सिद्ध न हो जाए। अन्यथा मैं न्यायपालिका का कटू आलोचक व भुक्त भोगी भी हूँ।

(उक्त लेख में विचार लेखक के (स्वयं के हैं)

अब अदालत में लहसुन की सुनवाई

लेखक - राकेश अचल

मुझे आज लेबनान पर हो रहे हमलों पर लिखना था ,लेकिन लिख रहा हूँ लहसुन के बारे मे। हमारे देश की अदालतें इतनी दरियादिल हैं कि वे एक और यदि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता के मामले की सुनवाई करतीं हैं तो दूसरी तरफ लहसुन पर आयी याचिका की सुनवाई भी करतीं हैं और वो भी चीनी लहसुन के मामले की। लहसुन को हमारे यहाँ लशुन भी कहते है। लहसुन हालाँकि प्याज जाति का कंद है किन्तु प्याज की गाँठ होती है और लहसुन की कलियाँ। अदालत में विवाद उस लहसुन का है जो हमारा नहीं बल्कि चीन का है ,और चीनी लहसुन पर भारत सरकार ने रोक लगा रखी है ,फिर भी चीन का लहसुन भारतीय बाजारों में इफरात में बिक रहा हैमामला दिलचस्प है इसलिए मैंने दूसरे तमाम विषयों को तिलांजलि देकर लहसुन पर लिखा शुरू कर दिया। प्रतिबंध के बावजूद चीन के खतरनाक लहसुन के धड़ल्ले से देश में आने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने खाद्य सुरक्षा आयुक्त और कलेक्टर को कार्रवाई करने का आदेश दिया है। फरियादी की ओर से पेश किए गए चीन के लहसुन को प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के पेश हुए अफसर से सील करवा दिया। अदालत ने 15 दिन में इसकी जांच रिपोर्ट मांगी है।इलाहबाद का हाईकोर्ट सचमुच सम्वेदनशील है। हर मामले में संवेदनशील है । राहुल गाँधी की नागरिकता के मामले में भी और चीनी लहसुन की बिक्री के मामले में भी। आपको ये जानकर हैरानी होगी की इलाहबाद हाईकोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 10.74 लाख है। देश में 25 हाईकोर्ट में से इलाहाबाद हाईकोर्ट इस मामले में सबसे आगे है। ये राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) के आंकड़े हैं। बहरहाल लहसुन पर लौटते है। इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त और लखनऊ के डीएम हेल्पलाइन नंबर जारी करें, जिससे लोग चीन के लहसुन की बिक्री की शिकायत उस पर दर्ज करवा सकें। कोर्ट ने इस नंबर पर मिलने वाली शिकायतों पर सख्त करवाई करने के निर्देश दिए हैं।न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। मोतीलाल ने खतरनाक चीनी लहसुन की बिक्री की प्रकाशित खबरों को याचिका के साथ लगाकर इसपर सख्त प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। फरियादी का कहना है की देश में 2014 से ही इस लहसुन की बिक्री प्रतिबंधित है, इसके बावजूद बाजारों में यह खुलेआम बिक रहा है। लहसुन भले ही हमारे यहां औषधीय माना जाता है लेकिन कुछ लोग हैं जो इसे हाथ भी नहीं लगाते ,उनके लिए लहसुन अस्पृश्य है । हमारे वैद्य जी कहते हैं कि लहसुन में रासायनिक तौर पर गन्धक की आधिक्य होती है। इसे पीसने पर ऐलिसिन नामक यौगिक प्राप्त होता है जो प्रतिजैविक विशेषताओं से भरा होता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, एन्ज़ाइम तथा विटामिन बी, सैपोनिन, फ्लैवोनॉइड आदि पदार्थ पाए जाते हैं।अक्सर लहसुन खली पेट खाने की सलाह दी जाती है। लहसुन को लेकर कहावते उतनी नहीं हैं जितनी प्याज को लेकर है। प्याज को काटा जाता है ,लहसुन को छीला जाता है । लहसुन की पैकेजिंग प्रकृति ने मक्के के भुट्टे की तरह बहुत आकर्षक तरीके से की है। जाहिर है कि ये विशेष कंद है अन्यथा इसे धरती के भीतर आलू की तरह उगने के लिए न छोड़ दिया जाता ? कहते हैं कि लहसुन एक दक्षिण यूरोप में उगाई जाने वाली प्रसिद्ध फसल है। भारत में लहसुन की खेती को ज्यादातर राज्यों में की जाती है लेकिन इसकी मुख्य रूप से खेती गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में की जाती है। इसका 50 प्रतिशत से भी ज्यादा उत्पादन गुजरात और मध्यप्रदेश राज्यों में किया जाता है। हमारे यहां एग्रीफाउंड वाइट (जी. 41), यमुना वाइट (जी.1), यमुना वाइट (जी.50), जी.51 , जी.282 ,एग्रीफाउंड पार्वती (जी.313) और एच.जी.1 प्रजाति का लहसुन मिलता है ,लेकिन हमारे पड़ौसी देश चीन ने हमारे लहसुन के सामने अपना लहसुन खड़ा कर दिया। आपको शायद पता हो या न हो लेकिन भारत में साल 2014 से ही प्रतिबंधित किया गया ,लेकिन चाइनीज लहसुन भारतीय मंडियों और खुदरा बाजार में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है. जिस लहसुन को देसी समझकर आप अपने घर ले जा रहे हैं और दाल-सब?जी में तड़का मारकर खा रहे हैं, वह सिंथेटिक रूप से खतरनाक कैमिकल?स से बना फंगस वाला चाइनीज लहसुन हो सकता है। चीनी लहसुन का अवैध व्यापार एक लम्बे अरसे से जारी है। चीन अक्सर नेपाल और बांग्लादेश के रास्ते इसकी यहां डंपिंग करता है. इन दोनों ही देशों के साथ भारत लहसुन का ड्यूटी फ्री व्यापार करता है. भारत पहुंचने वाला चीनी लहसुन कई बैक्टीरिया और बीमारियों को साथ लेकर पहुंचता है. ये लोगों की सेहत पर असर डालता है. हाल में एक वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि चीन में लहसुन 'सीवर के पानी' में पैदा होता है. इसे सफेद दिखाने के लिए आर्टिफिशियल तरीके से 'ब्लीच' किया जाता है। आपको शायद पता न हो लेकिन हकीकत ये है द्मद्ब भारत में करीब 32.7 लाख टन लहसुन का उत्पादन होता है. भारत में सबसे ज्यादा लहसुन का उतपादन मध्य प्रदेश में होता है।

(उक्त लेख में विचार लेखक के (स्वयं के हैं)

दिव्यता की विविधता

ईश्वर ने दुनिया की छोटी-छोटी खुशियां तो तुम्हें दे दी हैं, लेकिन सच्चा आनन्द अपने पास रख लिया है। उस परम आनन्द को पाने के लिए तुम्हें उनके ही पास जाना होगा। ईश्वर को पाने की चेष्टा में निष्कपट रहो। एक बार परम आनन्द मिल जाने पर सब-कुछ आनन्दमय है। परमानन्द के बिना संसार की खुशियां अस्थाई हैं। तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है परंतु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नहीं होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं। ईश्वर अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी ही छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप, बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए? जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता प्रेमी है, वह नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्यपूर्ण होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचार-धारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतंत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपना रूप बदलते हो तो फिर कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो? हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे इसीलिए, उन्होंने दिव्यता के अनन्त गुणों व रूपों का ज्ञान कराया। चेतना नीरस और उबाऊ नहीं है। जो चेतना इस सृष्टि का आधार है, वह गतिमान और परिवर्तनशील है। ईश्वर एक ही नहीं, अनेक हैं। जब तुम दिव्यता की विविधता को स्वीकार करते हो, तब कट्टर और रूढ़िवादी नहीं रह जाते।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में सच और झूठ की लड़ाई?

लेखक- सनत जैन

हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हरियाणा के चुनाव प्रचार के लिए कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। इस संवाद पर उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस का आधार सिर्फ झूठ बोलने का है। कांग्रेस बड़े-बड़े झूठे दावे कर रही है। कांग्रेस के झूठे दावे का करंट कमजोर हो चुका है। मोदी ने कांग्रेस के ऊपर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस अधिकतर समय गुटबाजी और कांग्रेस नेताओं का हिसाब चुकता करने में बीतता है। कांग्रेस जनता के मुद्दों से दूर हो गईं है। हरियाणा की जनता को कांग्रेस के झूठ पर विश्वास नहीं है। हरियाणा में कांग्रेस यदि धोखे से जीत भी गई, तो यहां गांधी परिवार और उनके जीजा का राज होगा। मोदी जी ने कहा कांग्रेस की आंतरिक कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को झूठी पार्टी बताते हुए, भाजपा कार्यकर्ताओं से हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ युद्ध करने का शंखनाद किया है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में झूठ को लेकर कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे के ऊपर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं।उससे ऐसा लगता है, महाभारत की युद्ध भूमि में एक बार फिर से धर्म और अधर्म अर्थात झूठ और सच की लड़ाई लड़ी जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में पहली बार पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक-एक झूठ पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी भारत में चीन का माल बेचना चाहते हैं। भारत में माल नहीं बनाना चाहते हैं। जिसके कारण हरियाणा के युवाओं को ना तो नौकरी मिल रही है, नाही रोजगार मिल रहा है। चीनी कंपनियों की लिस्ट देखिए,भारत में उनका पार्टनर कौन है। नरेंद्र मोदी झूठ की मार्केटिंग पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। हरियाणा के युवा चोरी-छिपे भाग कर अवैध रूप से लाखों रुपए खर्च करके विदेश जा रहे हैं। बच्चे अपने माता-पिता से मिलने विदेश में चीख और चिल्ला रहे हैं। हरियाणा में कोई जॉब नहीं है। उन्होंने कहा मैं झूठ नहीं बोलता हूं। झूठ बोलना मोदी जी का काम है।10 साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार है। इन्होंने कितना झूठ बोला है, यह हरियाणा की जनता को पता है। राहुल ने कहा कि हम कल जम्मू कश्मीर गए थे। वहां के सेव का व्यापार पूरी तरह से ढप्प हो गया है।कश्मीर के सेव का व्यापार अदाणी को मोदी जी ने दे दिया है। हरियाणा में नशे की गंगा बह रही है। हरियाणा के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। नौकरी नहीं मिल रही है। गुजरात के अदानी पोर्ट से हजारों किलो ड्रग्स भारत में बेचा जा रहा है। हरियाणा के युवा नशे के शिकार हो रहे हैं। राहुल गांधी ने 2013 से 2024 के बीच में बोले गए मोदी जी और भाजपा के झूठ की गिनती कराते हुए, राहुल ने अपने आप को सच बोलने वाला बताया। राहुल गांधी ने मोदी जी को झूठ बोलने वाला नेता बताया। हरियाणा के चुनावी मैदान में सच और झूठ की यह लड़ाई मतदाताओं के सहारे, कांग्रेस और भाजपा द्वारा लड़ी जा रही है। जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर झूठ बोलने के आरोप दोनों ही पक्षो द्वारा एक दूसरे के ऊपर लगाए जा रहे हैं। उससे कौरव-पांडवों के बीच हुए युद्ध की यादें ताजा हो जा रही हैं। धर्म और अधर्म की लड़ाई, कौरव और पांडवों के बीच में महाभारत का युद्ध लड़ा गया था। ठीक वैसे ही हरियाणा विधानसभा चुनाव का युद्ध कुरुक्षेत्र की भूमि में होता हुआ दिख रहा है। हरियाणा के चुनाव में कौन सच्चा है, कौन झूठा है। इसका फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। राहुल गांधी ने अपने आप को युद्धिष्ठर के रूप में पहचान बनाने की कोशिश की है। हरियाणा की जनता ने पिछले 10 सालों में डबल इंजन की सरकारों का सच और झूठ दोनों का अनुभव किया है। कांग्रेस ने पिछले 10 सालों में क्या किया है। यह भी हरियाणा जनता ने देखा है।

(उक्त लेख में विचार लेखक के (स्वयं के हैं)

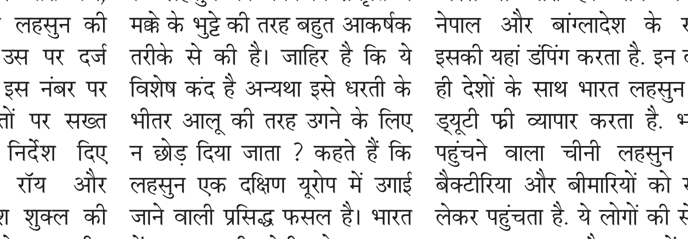

राशिफल
शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, आश्वनि कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि द्वादशी, रविवासरे, 28/24, 5/36 मघा नक्षत्र, साध्य योगे 52/25, तैतिल करणे, 28/54 सिंह की चंद्रमा, द्वादशी श्राद्धम, सन्यासी पति वैष्वाणाम श्राद्धम, धान्य छेदन, उग्रकर्म, जातकर्म, नामाकरण, व्यापार मुहूर्त, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......
आज जन्म लिया बालक योग्य, चतुर, होशियार, शिक्षक, शिक्षविद्, शिक्षाशास्त्री, उत्तम बुद्धि वाला, योगी-भोगी, धनी होगा।

मेष- दूर की यात्रा सफलता पूर्वक होगी, शत्रु पक्ष कमजोर होगा, कार्य में अवरोध होगा, धैर्य रखें।
वृष - अच्छे गुणों की हानि होगी, स्त्री-संतान के कार्यों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, सावधान रहें।
मिथुन - आर्थिक कमी के कारण मानसिक क्लेश होगा, संतान पक्ष से कष्ट होगा, समय को ध्यान में रखकर आगे बढ़ें।
कर्क - प्रिय-जनों से भेंट-मिलाप होगा, स्थिति में सुधार होगा, साधनों की प्राप्ति होगी, कार्य पर विशेष ध्यान दें।
सिंह - संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें, सभी कार्य में प्रगति होगी, रुके कार्य ध्यान देने से बनेंगे, आलस्य से हानि होगी।
कन्या - राजकीय तथा नौकरी के कार्यों में सफलता मिलेगी, परिश्रम से लाभ होगा, कार्य को समय पर पूरा करें।
तुला - यात्रा से हित का अवसर मिलेगा, विचारों का आदान-प्रदान होगा, वरिष्ठ जनों से मेल-मुलाकात होगी।
वृश्चिक - स्वजनों का साथ मिलेगा, प्रयत्न से धन एवं वाहन की प्राप्ति होगी, आलस्य से हानि, कार्य पर ध्यान दें।
धनु - साहसिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, भाग्योन्नति से पत्नी व संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी, समय का लाभ लें।
मकर- व्यवसाय में कोई परिवर्तन नहीं होगा, कार्य में बाधा बनेगी, व्यापार-व्यवसाय में ध्यान देने से लाभ होगा।
कुंभ - उद्योग में बाधायें आयेंगी किन्तु यात्रा अवश्य करें, रुके कार्य समय पर पूर्ण करने का प्रयास अवश्य करें।
मीन - अध्ययन में रुचि बढ़ेगी, मानसिक व शारीरिक भ्रम-बाधा बनेगी, कार्य की अधिकता रहेगी, श्रम से लाभ होगा।

आज का सुविचार

हमे हमेसा यह याद रखना चाहिए की ख़ुशी जीवन की यात्रा का एक तरीका है न की जीवन की मंजिल।
- रॉय गुडमैन

यदि आप अपनी यादाश्त का परिक्षण करना चाहते है तो याद करे की आज आप एक साल पहले क्या चिंता कर रहे थे।
- ई. जोसेफ कॉसमैन

आज का कार्टून

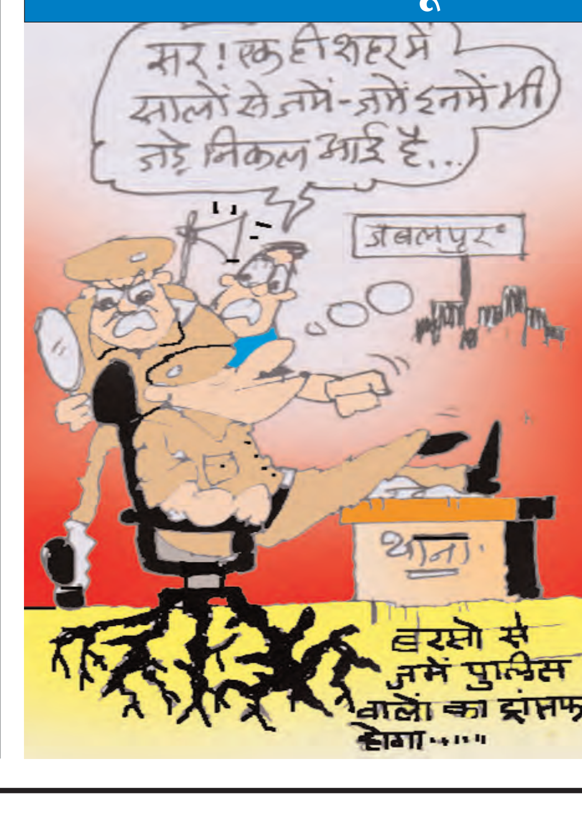

इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के सैन्य कमांड सेंटर पर किया हमला

बेरूत। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दहीह क्षेत्र में हवाई हमला किया है। इजराइली सेना ने कहा है कि उसने इस हमले में लेबनान में हिजबुल्लाह के केंद्रीय सैन्य कमांड सेंटर को तबाह कर दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस हमले में हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के मारे जाने का भी दावा किया गया है। हालांकि इस बात की पुष्टि किसी ने नहीं की। वहीं, हिजबुल्लाह से जुड़े सूत्रों का कहना है कि नसरल्लाह की मौत की बात में सच्चाई नहीं है, वह जिंदा है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने बताया कि हमले का लक्ष्य शहर के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह का केंद्रीय मुख्यालय था। इजराइली वायुसेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के मुख्य मुख्यालय पर हमला किया है। यह मुख्यालय दहीह उपनगर में रिहायशी इमारतों के नीचे बनाया गया था। इसे बेरूत में हिजबुल्लाह का हेडक्वार्टर माना जाता है। हिजबुल्लाह के अल-मनार टीवी के अनुसार हमले में चार इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। धमाका इतना तेज था कि बेरूत से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में घरों की खिड़कियां हिल गईं। हमलों से बेरूत की घनी आबादी वाले दक्षिणी भाग में धुएं के गुब्बार छा गए हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए कुछ वीडियो में धमाका स्थल की ओर एम्बुलेंसों को सायरन बजाते हुए देखा गया। ऐसे में कहा जा रहा है कि इन धमाकों में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं।

जापान सरकार ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने का किया आग्रह

टोक्यो। जापान सरकार ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार उन्हें निकालने के लिए सैन्य विमान भेजने की योजना बना रही है। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि हम वर्तमान में लेबनान में रहने वाले जापानी नागरिकों की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं। साथ ही उनसे देश छोड़ने का आग्रह कर रहे हैं जबकि नियमित वाणिज्यिक उड़ानें चालू हैं।जापानी मीडिया के मुताबिक सरकार जॉर्डन में सैन्य विमान भेजने की व्यवस्था कर रही है, जहां वे स्टैंडबाय पर रहेंगे। उल्लेखनीय है कि लेबनान में आतंकी समूह हिज्बुल्लाह के ठिकानों में इस सप्ताह इजराइली सेना के हवाई हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस से मुलाकात की

न्यूयॉर्क। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। उन्होंने गुटेरेस से भविष्य के लिए समझौते, बहुपक्षवाद में सुधार, एआई, जलवायु कार्रवाई, पश्चिम एशिया और यूक्रेन के मसलों पर चर्चा की। जयशंकर ने एक्स हैंडल पर मुलाकात का फोटो साझा करते हुए यह जानकारी दी।

जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलना और बात करना हमेशा खुशी की बात होती है। इसके अलावा जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के नए अध्यक्ष फिलेमोन यांग से भी मुलाकात की। विदेशमंत्री जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका में हैं। उन्होंने गुरुवार को महासभा के सत्र से इतर दोनों से मुलाकात की।

नेतन्याहू ने अमेरिका से अचानक स्वदेश लौटने का लिया निर्णय

तेल अवीव। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान की राजधानी के मद्देनजर अमेरिका की अपनी यात्रा में कटौती करने का निर्णय लिया। नेतन्याहू के कार्यालय ने शाम को कहा कि उन्होंने इजरायल के लिए उड़ान ली है। इससे पहले दिन में, इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि आईडीएफ ने बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्य मुख्यालय पर एक सटीक हवाई हमला किया, जो पड़ोस के दहियाह के केंद्र में आवासीय भवनों के नीचे स्थित है। अल अरबिया ब्रॉडकास्टर ने कहा कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास विफल रहा।बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इजराइल ज्लद वासप लौटने का फैसला किया है, वह आज रात अमेरिका से स्वदेश के लिए निकलेंगे।

रूस के दाग़िस्तान में गैस स्टेशन विस्फोट से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हुई

मॉस्को। रूस के दागिस्तान में एक गैस स्टेशन में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। यह जानकारी रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने कहा कि मखचकाला के बाहरी इलाके में हुए विस्फोट में अन्य 11 लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से आरआईए नोवोस्ती ने कहा कि आठ घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। समाचार एजेंसी के अनुसार, विस्फोट स्थल के मलबे पर खोज और बचाव अभियान जारी है।

कश्मीर मुद्दे पर अलग–थलग पाकिस्तान ने भारत को दी 'निर्णायक जवाब' की धमकी

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। कश्मीर मुद्दे को उठाने के प्रयास में वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ चुके पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने उग्र भाषण में भारत पर 'सीमित युद्ध' की तैयारी का आरोप लगाते हुए निर्णायक जवाब देने की धमकी दी। शरीफ ने दावा किया कि भारत एक औचक हमला और परमाणु हमले के तहत सीमित युद्ध की तैयारी कर रहा है ताकि वह पाकिस्तान के कब्जे में मौजूद कश्मीर के हिस्से पर कब्जा कर सके। उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के कहानी की तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए काल्पनिक खतरे की बात कही। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा, मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान किसी भी भारतीय हमले का सबसे निर्णायक तरीके से जवाब देगा। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध समेत तीन युद्ध की विभीषिका को देखते हुए यह अशुभ संकेत है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि भारत ने बिना सोचे-समझे पाकिस्तान के पारस्परिक, रणनीतिक, संयमित शासन के प्रस्तावों को ठुकरा दिया है और इसके नेतृत्व ने अक्सर नियंत्रण रेखा पार करने और उसके कब्जे वाले क्षेत्रों पर कब्जा करने की

धमकी दी है। शरीफ ने बातचीत शुरू करने के लिए अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के संबंध में किए गए बदलावों को रद्द करने की शर्त रखी। दूसरी ओर, भारत बातचीत शुरू करने से पहले चाहता है कि पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे।

शरीफ ने कहा, स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए भारत को 5 अगस्त 2019 से उठाए गए एकतरफा और अवैध उपायों को वापस लेना चाहिए तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत शुरू करनी चाहिए। हालांकि, वास्तव में, 21 अप्रैल 1948 को अपनाए गए सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 47 के अनुसार, पाकिस्तान सरकार को सबसे पहले जम्मू-कश्मीर से अपने सभी सैनिकों और घुसपैठियों को वापस बुलाना होगा। उस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस्लामाबाद कश्मीर में हमले जारी रखने वाले आतंकवादियों को धन या हथियार नहीं देगा, जिसे पाकिस्तान नजरअंदाज करता है।

अब तक बोलने वाले विश्व नेताओं में से किसी ने भी कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया है - यहां तक कि तुर्की ने भी नहीं, जिसने पिछले साल एक मामूली संदर्भ दिया था। खुद को अलग-थलग पड़ते देख शरीफ ने कश्मीर मुद्दे को फिलिस्तीन से जोड़ने की कोशिश की, जिस पर पूरी दुनिया का ध्यान है। उन्होंने कहा, फिलिस्तीन के लोगों की तरह जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भी अपनी स्वतंत्रता और आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए एक सदी तक संघर्ष किया है। शरीफ ने कश्मीर में तैनात 90,000 भारतीय सैनिकों के बारे में भी बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और मुसलमानों को अल्पसंख्यक बनाने की कोशिश की जा रही है।

इंडोनेशिया में सोने की खदान ढहने से 15 लोगों की मौत, 25 लापता

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा प्रांत में एक गैर-लाइसेंसी सोने की खदान के ढह जाने से कम से कम 15 मजदूरों की मौत हो गई और 25 अन्य लापता हैं। यह जानकारी लोकल डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी ने दी। समाचार एजेंसी ने लोकल डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी के हवाले से बताया कि यह घटना प्रांत के सोलोक रीजेंसी के नागरी सुंगई अब्रू में हुई। सोलोक डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी के चीफ इरवान एफेंदी ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इस आपदा में 15 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। उन्हंने बताया 25 मजदूर लापता है। एफेंदी के अनुसार, पीड़ितों को निकालने के लिए भारी उपकरणों के साथ अधिक बचाव दल तैनात किए गए हैं। इंडोनेशिया में बिना लाइसेंस वाली खदानें आम हैं और पिछले वर्षों में कई हादसे हुए हैं। जुलाई में, गोरोंटालो के पूर्वी प्रांत में एक बिना लाइसेंस वाली सोने की खदान में भूस्खलन में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 10 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

शिगेरू इशिबा होंगे जापान के नए प्रधानमंत्री, फुमियो किशिदा की लेंगे जगह

एजेंसी

टोक्यो,। जापान के पूर्व रक्षा मंत्री शिगेरू इशिबा देश के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उनकी आधिकारिक संसदीय नियुक्ति मंगलवार को होनी है। उन्होंने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत हासिल की।

67 वर्षीय इशिबा ने अध्यक्ष पद चुनाव में 215 वोटों के साथ आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को हराया, जिन्हें 194 वोट मिले। वे प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की जगह लेंगे। किशिदा ने सत्तारूढ़ पार्टी को हिला देने वाले स्लश फंड घोटाले के बाद पद छोड़ने का फैसला किया था।

एलडीपी नेतृत्व के लिए इशिबा की यह पांचवीं दावेदारी थी। पिछले कुछ वर्षों उनकी छवि रक्षा, कृषि की गहरी जानकारी रखने वाले अनुभवी नीति विशेषज्ञ के रूप में बनी है। इशिबा ने एलडीपी मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए पार्टी के भीतर एकता का आह्वान किया। उन्होंने घोषणा की, ÷मैं जापान को एक सुरक्षित देश बनाने के लिए खुद को समर्पित करूंगा। अब सबका ध्यान प्रतिनिधि सभा को भंग करने

और आम चुनाव की तारीखों की घोषणा पर टिका है।

इशिबा के सामने तत्काल कुछ बड़ी चुनौतियां हैं। इनमें एलडीपी में जनता का भरोसा बहाल करना शामिल है, जिसकी छवि को स्लश फंड घोटाले की वजह से गहरा धक्का पहुंचा है। चीन, उत्तर कोरिया और रूस से बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी उनके नेतृत्व का परीक्षण होगा। कुछ दिन पहले ही मुख्य विपक्षी दल कांस्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (सीडीपीजे) के अध्यक्ष पद का भी चुनाव हुआ। विपक्षी पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा को अपना नया नेता चुना है। सीडीपीजे संभावित आम चुनाव में अधिक सीटें हासिल करने की कोशिशों को तेज कर रही है। यह लंबे समय से प्रभावी एलडीपी को गंभीर चुनौती देना चाहती है।

नेपाल से सहकारी ठगी का फरार धोरपाटन नगरपालिका का मेयर गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल से ठगी करके फरार धोरपाटन नगरपालिका के मेयर को नई दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से गिरफ्तार किया गया है। सहकारी ठगी मामले में नेपाल पुलिस के अनुरोध पर इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। उसे नेपाल लाने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। राई ने दावा किया कि सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार या मंगलवार तक मेयर को नेपाल लाया जा सकता है।नेपाल पुलिस के एआईजी टेक बहादुर राई ने बताया कि सहकारी संस्था की रकम में अनियमितता करने के आरोप में धोरपाटन नगरपालिका के मेयर देव कुमार नेपाल से फरार च रहा था। इसलिए मदद मांगने पर इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया था। एआईजी राई के मुताबिक दिल्ली पुलिस की इंटरपोल शाखा ने नेपाल पुलिस को पत्र भेज कर देव कुमार को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। उसे नेपाल लाने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। राई ने दावा किया कि सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार या

मंगलवार तक मेयर को नेपाल लाया जा सकता है।

धोरपाटन नगरपालिका के मेयर देव कुमार नेपाली पर अपनी ही अध्यक्षता वाली इमेज सहकारी बचत तथा ऋण नामक संस्था से 138 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप है। एआईजी राई के मुताबिक गिरफ्तार किए गए मेयर के खिलाफ अब तक 1500 से अधिक लोगों ने एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद मेयर और उनकी पत्नी सहित सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए इन सभी के खिलाफ जिला अदालत बागलुंग जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। इस मामले का खुलासा अप्रैल, 2024 में होने के साथ ही मेयर देव कुमार नेपाली और उनकी पत्नी छेला नेपाली ने 18 अप्रैल की रात 2 बजे अपनी सहकारी संस्था के दरवाजे का ताला तोड़ कर फाइल, कंप्यूटर की हार्ड डिस्क और अगले दिन बैंक में जमा करने के लिए रखे करीब डेढ़ करोड़ रुपये नकद लेकर अगले दिन सुबह ही फरार हो गए थे। सहकारी संस्था के दफ्तर में लगे सीसीटीवी फुटेज में यह सभी दृश्य कैद है। जांच में अनियमितता पाए जाने के बाद पुलिस ने सहकारी संस्था में कार्यरत 6 कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। इस सहकारी संस्था की संचालन समिति के सभी सात सदस्य उसी समय से फरार बताए जा रहे हैं।

सरकार या उसकी एजेंसियों से दूर रहें पीटीआई के नेता : इमरान खान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने पार्टी नेताओं को सरकार और सेना के साथ बातचीत के प्रयासों से बचने का निर्देश देते हुये कहा है कि इस तरह की किसी भी चर्चा से केवल उनके दुश्मन मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है। अदियला जेल में लगभग एक वर्ष से बंद श्री खान ने 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' से बातचीत के दौरान कहा कि सरकार और सैन्य एजेंसियों के साथ बातचीत करने से कोई लाभ नहीं होगा।उन्होंने कहा,÷ जितना हम पीछे हटेंगे, उतना ही वे हमें कुचलेंगे।उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान की सरकारी संस्थाओं, सैन्य एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों की आधिकारिक नीति नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा , यह तीसरे अंपायर की नीति है। श्री खान का यह राजनीतिक और सामाजिक संदर्भ में एक व्यंग्य है कि निर्णय लेने वाली शक्ति वास्तव में सरकार या संस्था के पास नहीं है, बल्कि किसी अन्य शक्तिशाली तत्व या समूह के पास है, जो निर्णय लेता है और सरकार को निर्देश देता है। श्री खान ने कई मौकों पर देश की सत्ता के साथ अपने मतभेदों को व्यक्त किया है और अपने लोगों को सरकार और सैन्य एजेंसियों के साथ बातचीत करने से दूर रहने की सलाह दी है।

श्री खान ने जेल के अपने अनुभव को याद करते हुए कि हुए इस विचार को खारिज कर दिया कि वह दबाव में टूट जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा,उन्हें (सरकार) लगता था कि मैं अकेले नहीं रह सकता और मैं टूट जाऊंगा। मैं हर दिन 21-22 घंटे अकेला रहता हूं। गर्मी में मुझे इतना पसीना आता है कि मेरे कपड़े फट जाते हैं। उन्हें पता नहीं है कि एथलीट्स कैसे अभ्यास करते हैं; हम दबाव में भी डटे रहने के लिए तैयार किए जाते हैं। अखबार के साथ बातचीत में श्री खान ने जापान के परमाणु बम हमलों के ऐतिहासिक संदर्भ को सामने रखकर यह बताने की कोशिश की कि कैसे जापान की सरकार ने उसे उबरने में मदद की। उनका मानना है कि जब किसी देश की नैतिकता और सरकार मजबूत होती हैं, तो वह समृद्धि की ओर बढ़ता है। लेकिन इस मामले में, एक्सटेंशन माफिया अपने स्वार्थ के लिए दोनों को नष्ट कर रहा है।

बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने यूनियन परिषदों को रद्द करने की मांग की

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान गठित यूनियन परिषदों (यूपी) को रद्द करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है। 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर की ओर से हस्ताक्षरित एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पार्टी के सर्वोच्च नीति-निर्माण मंच राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में निर्णय लिये जाने के बाद यह मांग की गयी। रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने यहां पार्टी अध्यक्ष के गुलशन राजनीतिक कार्यालय में बैठक की अध्यक्षता की, जो लंदन से वर्चुअली इसमें शामिल हुए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीमती हसीना के शासनकाल के दौरान गठित यूनियन परिषदों की कार्यक्षमता को बनाए रखते हुए एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और निष्पक्ष राष्ट्रीय चुनाव नहीं हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी की स्थायी समिति ने चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) के जिलों में संघर्षों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

पाकिस्तान में जनजातीय संघर्ष में 46 की मौत, 80 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में फसल की बुवाई को लेकर दो परिवारों के बीच मामूली विवाद बड़े सांप्रदायिक जनजातीय संघर्ष में बदल गया है। अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के कुर्रम जनजातीय जिले में आठ दिनों के भीतर कम से कम 46 लोग मारे गए और 80 से अधिक घायल हो गए।

कुर्रम जिला केपी प्रांत के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक रहा है। यह न केवल आतंकवाद से प्रभावित रहा है बल्कि यहां जमीन से जुड़े विवादों को लेकर हिंसक संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। कुर्रम के उपायुक्त जावेदउल्ला महसूद ने बताया, जिला प्रशासन, पुलिस, सेना और स्थानीय बुजुर्ग दोनों पक्षों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि लड़ाई का रुकना सभी के हित में होगा। शांति समझौता हो गया, लेकिन कुर्रम जिले की ऊपरी, निचली और मध्य तहसीलों में सशस्त्र झड़पें जारी रहीं। इलाके के स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पक्षों की ओर से हताहतों की संख्या

निश्चित रूप से बहुत अधिक होगी।

एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, मृतकों की तादद बताई जा रही संख्या से कहीं अधिक है। कम से कम 80 लोग घायल हो चुके हैं। हम अभी भी निश्चित नहीं हैं कि यह लड़ाई कब तक जारी रहेगी, क्योंकि दोनों पक्ष न केवल जमीनी विवाद को लेकर बल्कि सांप्रदायिक आधार पर भी एक-दूसरे से गहरी दुश्मनी रखते हैं। इनमें एक पक्ष सुन्नी है और दूसरा शिया। संघर्ष की गंभीरता इतनी अधिक है कि पाराचिनार-पेशावर मुख्य सड़क और पाक-अफगान खारलाची सीमा को बंद कर दिया गया है। इलाके से प्राप्त रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि रास्तों की नाकाबंदी के कारण, भोजन, ईंधन और दवाओं की कमी हो गई है। पिछले छह दिनों से क्षेत्र के सभी शैक्षणिक संस्थान भी बंद हैं। क्षेत्र के स्थानीय सूत्रों ने पुष्टि की है कि बालीखेल, खारकले, बागकी, ग्राम पाड़ा, कुंज अलीजई, मुकबल और पेवर तारी मेंगल सहित अन्य क्षेत्रों में अभी भी भीषण संघर्ष जारी है।

एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने कहा, ये परिवार दशकों से एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। दोनों के पास सैन्य स्तर के हथियार हैं यहां गंभीर सांप्रदायिक विभाजन है और हमने अतीत में देखा है कि आदिवासी जिरगा (परिषद) के माध्यम से विवाद समाधान की कोशिशें भी संघर्ष को समाप्त करने में बुरी तरह नाकाम रही हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पाराचिनार शहर की ओर भी मिसाइलें दागी जा रही हैं, जिससे पूरी आबादी खतरे में है।

कुर्रम जिले में सुन्नी और शिया कबायली युद्ध कोई नई की बात नहीं है, क्योंकि पाराचिनार लंबे समय से सांप्रदायिक संघर्षों का केंद्र रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों को काफी नुकसान हुआ है।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोपी डॉक्टर की फर्जी मुठभेड़ में मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सिंध प्रांत के मीरपुरखास में ईशनिंदा के संदिग्ध आरोपी डॉक्टर के पुलिस के साथ फर्जी मुठभेड़ में मारे जाने का मामला सामने आया है।सिंध प्रांत के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर ने जांच समिति की रिपोर्ट सामने आने के बाद यह जानकारी दी।न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक गत 19 सितंबर को डॉ. शाहनवाज की मौत के मामले में जांच समिति ने पाया कि मीरपुरखास पुलिस ने उन्हें (डॉ. शाहनवाज) सुनियोजित मुठभेड़ के दौरान गोली मार दी जिससे उनकी मौत हो गयी और इसे कानूनी जामा पहनाने की कोशिश की। श्री लंजर ने उमरकोट और मीरपुरखास के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये हैं। जांच समिति पुलिस की गवाही, ट्रैकर डेटा, सोशल मीडिया पोस्ट और सीसीटीवी वीडियो की समीक्षा करने के बाद अंतिम निष्कर्ष पर पहुंची। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉ. शाहनवाज को कराची से उमरकोट पुलिस ने हिरासत में लिया था और फिर मीरपुरखास पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद मीरपुरखास में पुलिस के साथ कथित मुठभेड़ में उन्हें गोली मार दी गयी। डॉ. शहनवाज पर सोशल मीडिया पर ईशनिंदा वाले बयान फैलाने का संदेह था। उसके खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295 (सी) और आतंकवाद विरोधी अधिनियम 1997 की धारा 7 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। प्राथमिकी के अनुसार, संदिग्ध पर चार अलग-अलग पोस्ट में पवित्र पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ घृणित कंटेन्ट अपलोड करने का आरोप लगाया गया था। घटना वाले दिन ही सिंध के पुलिस महानिरीक्षक ने मामले की जांच के लिए जांच समिति का गठन किया था।

बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले, मूर्तियां तोड़े जाने के बीच डर के माहौल में चल रही हैं दुर्गा पूजा की तैयारियां

एजेंसी

ढाका। दुर्गा उत्सव न मनाने की धमकियों, मंदिरों पर हमले और मूर्तियां तोड़े जाने से बांग्लादेश में डर का माहौल है। इस सबके बावजूद दुर्गा पूजा की तैयारियां चल रही हैं। देशभर के पूजा मंडपों में असुरनाशिनी मां दुर्गा के भरोसे ही मूर्तियां बनाने का काम चल रहा है। हालांकि, सरकार की ओर से बार-बार पर्याप्त सुरक्षा का आश्वासन दिया जा रहा है लेकिन इसके बावजूद लगातार हमले की घटनाएं हो रही हैं। इस साल की दुर्गा पूजा को लेकर हिंदू समुदाय के कई नेता भी लगातार प्रशासन से चर्चा कर रहे हैं। मैमनसिंह में गौरीपुर मध्य बाजार में गुरुवार की सुबह करीब चार बजे मूर्ति तोड़ने की घटना हुई है। इस घटना में संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गौरीपुर मध्यबाजार पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष पीयूष रॉय ने मीडिया को बताया कि मंदिर में मूर्ति बनाने का काम 20 दिनों से चल रहा था। केवल मूर्ति का रंग-रोगन करना बाकी रह गया था। पूजा शुरू होने से एक दिन पहले मूर्ति को मंदिर से मंडप तक ले जाया जाना था लेकिन गुरुवार की सुबह करीब चार बजे एक युवक ने मंदिर में घुसकर मूर्ति को खंडित कर दिया। वहां से टूटी हुई मूर्ति ले जाने के दौरान मंदिर के बगल वाले घर की महिला डॉली रानी घटना देख चीख पड़ीं। इस बीच अखिलचंद्र विश्व शर्मा और विपुल घोष ने युवक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इसी तरह 15 सितंबर को फरीदपुर में दो मंदिरों में मूर्तियां तोड़ दी गईं। यह घटना

फरीदपुर के भांगाबाजार के गुरुपट्टी इलाके में स्थित भांगाबाजार सार्वजनिन हरि मंदिर और भांगा पुलिस स्टेशन के सामने स्थित भांगा सार्वजनिन काली मंदिर में हुई। उस मंदिर में 75 वर्षों से दुर्गा पूजा की जा रही है। दोनों मंदिरों में मूर्तियां तोड़ने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने पहले उसे भारतीय नागरिक के रूप में प्रचारित किया। बाद में पता चला कि वह उसी इलाके का रहने वाला बांग्लादेशी नागरिक है।

इसी तरह बरिसाल के बरगुना सदर में 20 सितंबर की देर रात उपजिला के फुलझुरी संघ के गलाचिपा गांव के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में मूर्ति को खंडित कर दिया गया। मंदिर के अध्यक्ष विपुल समद्दर ने बताया कि देर रात बदमाशों ने मंदिर में घुसकर इस घटना को अंजाम दिया। सुबह मंदिर जाने पर मामले का पता चला। बाद में सभी को सूचना दी गयी। उस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। मंदिर में चार-पांच मूर्तियां तोड़ी गई हैं। दीपांकर घोष ने कहा, हमने सरकार के सभी स्तरों पर बैठकें की हैं। वे हमें हमारी सुरक्षा का भरोसा दिला रहे हैं लेकिन हम अभी तक निश्चित नहीं हो सकते और सिर्फ पुलिस सुरक्षा से इसे रोकना संभव नहीं है। इसके लिए समाज के सभी लोगों की ईमानदारी और सहयोग की आवश्यकता है।

बांग्लादेश केंद्रीय पूजा उत्सव परिषद के महासचिव संतोष शर्मा ने कहा, हमने पूजा को मैदान से दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया। अब इसमें कोई दिक्कत नहीं है। दक्षिण सिटी कॉरपोरेशन के पूर्व मेयर तापस ने धानमंडी के कलाबागान मठ में पूजा रोक दी थी। इस बार धानमंडी के कालाबागान मठ में पूजा होगी। उत्तर सेक्टर 17 में वृन्दावन इस्कॉन मंदिर के बगल में सार्वजनिक पूजा मंदिर के अध्यक्ष ने कहा कि शांतिपूर्ण पूजा गतिविधियां चल रही हैं। हम इस बार बहुत शांति से पूजा संपन्न करेंगे। बांग्लादेश जन्माष्टमी उत्सव परिषद की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सुकुमार चौधरी से इस साल की दुर्गा पूजा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हम हिंदू शांति के लिए दुर्गा पूजा करते हैं। मां दुर्गा ने राक्षसों का विनाश किया और सभी को शांति प्रदान की। हिंदू धर्म शांति का धर्म है, हम शांति में विश्वास करते हैं। मूर्ति विध्वंस में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह के घृणित कृत्य को करने की हिम्मत न कर सके।

उन्होंने कहा, राजनीतिक माहौल में बदलाव के साथ, हमें 5 अगस्त से देश भर के मंदिरों पर हमलों और बर्बरता की 1500 से अधिक शिकायतें मिली हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन उत्तर पश्चिम शाखा पूजा समिति के उपाध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि उन्होंने पूजा को पूरा करने के लिए उत्तर के मोचा चटवार या उत्तर नंबर 11 सेक्टर जमज़म टॉवर के निकट एक खाली जगह की पेशकश की है। व्यवस्था के समग्र लाभों को ध्यान में रखते हुए बेहतर क्षेत्र पर निर्णय लेना बेहतर है। उन्होंने कहा, देश भर में कितने मंडपों की मूर्तियां तोड़ी गई हैं, इसका सटीक हिसाब हमारे पास अभी तक नहीं है। हमें शिकायतें मिल रही हैं, हम शिकायतों का सत्यापन करेंगे और कुछ दिनों के भीतर जानकारी जारी करेंगे।

संतोष की हैट्रिक, सीआईएसएफ और हिंदुस्तान एफसी ने जीते अपने मुकाबले

एजेंसी

लखनऊ। डीएसए प्रीमियर लीग में खेले गए एकतरफा मुकाबले में सीआईएसएफ ने तरुण सांघा फुटबाल क्लब को 5-0 से हरा कर बड़ी जीत के साथ खाता खोला। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में पहली लीग की विजेता वाटिका एफसी को हिंदुस्तान एफसी के हाथों एक गोल से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां अंबेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में संतोष ने तीन गोल दागकर हैट्रिक बनाते हुए सीआईएसएफ की जीत में बड़ा योगदान दिया। दूसरे मैच में हिंदुस्तान एफसी की ओर से विजयी गोल थांगमिन लेन मिसान ने लंबी सीटी से पहले मिली पेनल्टी पर किया। भले ही थांगमिन को मैन ऑफ द मैच आंका गया लेकिन मैच का हीरो वाटिका का गोली यश कुलकर्णी रहा जिसने कई गोलों पर सुंदर बचाव किए। सीआईएसएफ के लिए संतोष ने छठे मिनट में गोलकर टीम का खाता खोला और अंतिम मिनट में टीम का पांचवां गोल जमाने के साथ हैट्रिक पूरी की। उन्हें शानदार खेल के लिए मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। ऐसा करने वाला संतोष तीसरी प्रीमियर लीग का पहला खिलाड़ी है। भोला सिंह और आदित्य ने एक एक गोल किए। नॉर्थ ईस्ट के खिलाड़ियों से सजे तरुण सांघा ने छुट पुट मूव जरूर बनाए लेकिन सीआईएसएफ की मजबूत रक्षापंक्ति और गोल कीपर महतो ने बेहतर बचाव किए। पहली प्रीमियर लीग की विजेता वाटिका और हिंदुस्तान एफसी के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। हालांकि हिंदुस्तान ने बेहतर प्रदर्शन किया फॉरवर्ड लाइन के प्रयासों पर गोली यश कुलकर्णी ने बार बार पानी फेरा। यश ने आधा दर्जन सुंदर बचाव कर वाटिका को बड़ी हार से बचा लिया।

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी सेमीफाइनल में, किदांबी हारे

मकाऊ। भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे की यू छन हुई और लिन ची युन की जोड़ी को हराकर मकाऊ ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष एकल के क्वार्टरफाइनल में किदांबी श्रीकांत को चीनी खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। आज यहां खेले गए मकाऊ ईस्ट एशियन गेम्स डोम में प्रतिस्पर्धा करते हुए त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने सीधे गेम में अपनी जीत सुनिश्चित की। भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट तक चले मैच में 21-12, 21-17 से जीत हासिल की। महिला युगल स्पर्धा में भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए पहले गेम में 8-4 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने 15-7 की बढ़त के साथ गेम पर मजबूत पकड़ बना ली। मुकाबले में एक समय जब स्कोर 17-10 था तब भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लगातार चार अंक बटोर कर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा गेम बेहद रोमांचक रहा। एक समय दोनों टीमें 13-13 के स्कोर के साथ बराबरी पर थीं। लेकिन त्रिशा और गायत्री की भारतीय जोड़ी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 17-14 की बढ़त हासिल कर ली और वे लगातार अपनी लीड में इजाफा करते रहे और अंत में मैच को जीत कर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

उत्तराखण्ड में राज्य ओलंपिक खेलों का हुआ समापन

रूद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड के पांचवें राज्य ओलंपिक खेलों का समापन हो गया। रुद्रपुर में मनोज सरकार स्टेडियम में आयोजित समापन कार्यक्रम कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि देश व प्रदेश में खेलों का स्वर्ण युग चल रहा है। सरकार द्वारा खिलाड़ियों को सुविधा मुहैया कराने के साथ ही सरकारी सेवा में भी लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा खिलाड़ियों को सुविधाएं मिलने से उनका आत्म विश्वास ऊंचा रहेगा एवं वे अपने लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब रहेंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए ढांचागत विकास के साथ ही मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी जैसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार जहां ब्लॉक, जिला स्तर पर खेल आयोजित कर रही है वहीं राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय स्तर के खेलों का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को अभी से लक्ष्य निर्धारित कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करने को कहा। उन्होंने खेलों के शांतिपूर्ण व सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी एवं सभी खिलाड़ियों को 38 वें राष्ट्रीय खेलों के लिए अग्रिम शुभकामनाएं भी दी।

चोटिल जॉश हल पाकिस्तान दौरे से हुये बाहर

लंदन। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जॉश हल क्वाड चोट के कारण अक्टूबर में वाले पाकिस्तान दौरे से बाहर हो गए हैं। 20 वर्षीय हल ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने ओवल में तीसरे टेस्ट में तीन विकेट लिए थे। इसी टेस्ट मैच के दौरान उन्हें चोट लगी थी। इसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया के साथ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर हो गए थे। चयनकर्ताओं ने हल की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में नहीं जोड़ा है। पाकिस्तान दौरे के लिए क्रिस वोक्स, मैथ्यू पॉट्स, ओली स्टोन, गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स पाकिस्तान दौरे के लिए इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाजी विकल्प हैं। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार हैमस्ट्रिंग चोट के कारण कप्तान बेन स्टोक्स के सा अक्टूबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के दौरान गेंदबाजी करने की संभावना नहीं है। इंग्लैंड की पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला सात अक्टूबर से मुल्तान में शुरू होगी और 15 अक्टूबर को दूसरे टेस्ट भी उसी मैदान पर खेला जायेगा। जबकि तीसरा टेस्ट 24 अक्टूबर को रावलपिंडी में होगा। पाकिस्तान दौरे के लिए इंग्लैंड की टेस्ट टीम इस प्रकार है:- बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैक लीच, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन और क्रिस वोक्स।

इंग्लैंड दौरे से बाहर हुए चोटिल कैमरन ग्रीन

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी कैमरन ग्रीन पीठ की चोट के कारण मौजूदा इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनकी भागीदारी पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि ग्रीन की चोट की पूरी गंभीरता उनके पर्थ पहुंचने पर आकलन के बाद निर्धारित की जाएगी। भारत के खिलाफ पहला टेस्ट लगभग दो महीने दूर है, पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में तीसरे वनडे के बाद दर्द की शिकायत की, जहां उन्होंने गेंद से 45 रन देकर 2 विकेट लिए और बल्ले से 45 रन बनाए। प्रारंभिक स्कैन में पीठ की चोट का पता चला, जिससे उन्हें भारत के खिलाफ आगामी महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले घर

लौटना पड़ा। ग्रीन को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में दूसरे वनडे से आराम दिया गया था, लेकिन उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ सभी तीन टी20 मैच खेले थे। चोटों के मामले में ऑस्ट्रेलिया का अब तक ब्रिटेन का दौरा निराशाजनक रहा है और नाथन एलिस, जेवियर बार्टलेट, रिले मेरेडिथ और बेन ड्वारशुइस के बाद ग्रीन पांचवें खिलाड़ी हैं जो चोटिल हुए हैं।

जमशेदपुर एफसी को हैट्रिक की तो ओडिशा एफसी को पहली जीत की तलाश

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश में घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में अपराजित जमशेदपुर एफसी का सामना करेगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शाम 5:00 बजे खेला जाएगा। जमशेदपुर एफसी ने लगातार दो जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया है। उसे पिछले मैच में मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ 3-2 से जीत मिली, जबकि ओडिशा एफसी तालिका में लीग लीडर पंजाब एफसी के खिलाफ 2-1 से मात खा गई। ओडिशा एफसी अब तक अपने दोनों मैच हारी है। मैच से पहले ओडिशा एफसी के कोच सर्जियो लोबेरा ने अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जताया है। लोबेरा ने एक बयान में कहा, मुझे अपने खिलाड़ियों के साथ काम करना है और उन्हें आत्मविश्वास देना है। मुझे उनके करीब रहना है, खासकर मुश्किल परिस्थितियों में। मुझे अपने खिलाड़ियों पर 200 प्रतिशत

भरोसा है। हम बेहतर करने जा रहे हैं। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील ने अपने खिलाड़ियों को सकारात्मक भावना बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। जमील ने कहा कि सभी ने बहुत मेहनत की है, इसलिए हमने मैच जीते हैं। हमें इसी भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमारे लिए अगले मैच के बारे में सोचना बेहतर है।

हेड-टू-हेड

दोनों टीमें आईएसएल में 14 बार आपस में खेल चुकी हैं। जमशेदपुर एफसी ने आठ मैच जीते हैं जबकि ओडिशा एफसी चार बार जीती है। दो मुकाबले ड्रा रहे हैं।

बोरा हेरारा की पहली हैट्रिक की बदौलत एफसी गोवा ने ईस्ट बंगाल को हराया

एजेंसी

कोलकाता। एफसी गोवा के स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर बोरा हेरारा ने इंडियन सुपर लीग 2024-25 सीजन की पहली हैट्रिक जमाई। उनकी इस हैट्रिक की मदद से गौर्स ने रात विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024-25 सीजन मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी को 3-2 से हरा दिया। एफसी गोवा की सीजन की पहली जीत में हेरारा ने 13वें, 30वें और 71वें मिनट में गोल किए। हेरारा को शानदार हैट्रिक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

गोवा की इस जीत से स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज निश्चित रूप से राहत महसूस कर रहे होंगे। एफसी गोवा तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रा और एक हार से चार अंक लेकर तालिका में दसवें से पांचवे स्थान पर आ गई है। वहीं, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड की लगातार तीसरी हार से स्पेनिश हेड कोच कार्लेस कुआड्राट बेहद निराश होंगे। ईस्ट बंगाल एफसी तीन मैचों में तीन हार के कारण खाता खोले बिना तालिका में 12वें स्थान पर बनी हुई है। मैच का पहला गोल 13वें मिनट में आया, लेकिन गेंद ज्यादा दूर नहीं गई और सामने पहुंचे हेरारा ने दाहिने पैर से गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर

जब स्पेनिश मिडफील्डर बोरा हेरारा ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। बायीं तरफ से सर्बियाई विंगर डेजान ड्रैंजिक ने क्रॉस डालकर गेंद को बॉक्स के अंदर डाला, जिसको ईस्ट बंगाल के गोलकीपर देबजीत मजूमदार ने आगे की ओर डाइव लगाकर को क्लीयर जरूर किया भेज दिया। 20वें मिनट में स्पेनिश मिडफील्डर बोरा हेरारा ने अपना दूसरा गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को 2-0 कर दिया। गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी ने अपने बॉक्स ठीक बाहर से एक एरियल थ्रू-पास मैदान के अकैटिंग थर्ड पर खेला, जहां विंगर बोरिस सिंह ने ईस्ट बंगाल के सेंटर-बैक हेजारी माहेर से गेंद छीनी और फिर बॉक्स के अंदर घुसने के बाद उन्होंने गोललाइन के करीब से गेंद को माइनस करके सेंटर किया जहां मौजूद हेरारा ने इस बार बाएं पैर से गेंद को हल्का सा लॉब करके बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर भेज दिया जबकि गोलकीपर देबजीत मजूमदार अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए।

29वें मिनट में फ्रेंच मिडफील्डर मादिह तलाल ने पेनल्टी किक पर गोल करके ईस्ट बंगाल को कुछ राहत पहुंचाते हुए स्कोर 1-2 कर दिया। ईस्ट बंगाल को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 28वें मिनट में मिला, जब सेंटर-बैक निंगदोर्जी तमांग ने अपने बॉक्स के अंदर तलाल की पीछे से गिरा दिया और रैफरी ने तुरंत लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा किया। इसके बाद तलाल ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोलजाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी गलत अनुमान के साथ विपरीत दिशा की तरफ डाइव लगा बैठे।

प्रो पंजा लीग का सीजन 2 स्थगित

एजेंसी

मुम्बई। प्रो पंजा लीग सीजन 2 को स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास की बीते शनिवार (21 सितंबर) को कार दुर्घटना के मद्देनजर लिया गया है। फिलहाल अब परवीन घर आ गए हैं और रिकवरी कर रहे हैं। प्रो पंजा लीग ने पुष्टि की है कि सप्ताहांत में उत्पन्न अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण, वे वर्तमान में सीजन 2 को पुनर्निर्धारित करने पर काम कर रहे हैं और जैसे ही नई तिथियां तय होंगी, अपडेट करेंगे। लीग की सह-संस्थापक प्रीति झंगियानी ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि परवीन ने हमेशा कहा है कि हर बादल में एक उम्मीद की किरण छिपी होती है इसलिए हम प्रो पंजा लीग सीजन 2 को मूल योजना से भी बड़ा और बेहतर बनाने के अवसर के रूप में देख रहे हैं और हम जल्द ही इसके लिए तिथियों की घोषणा करेंगे, जब परवीन ठीक हो जाएंगे क्योंकि वह इस जहाज के कप्तान हैं और एक जहाज अपने कप्तान के बिना नहीं चल सकता। उन्होंने आगे कहा कि हमारे कैलेंडर में प्रो पंजा लीग के ठीक बाद 19 से 27 अक्टूबर तक मुंबई के ऑरिका होटल में प्रतिष्ठित एशियाई अंतरराष्ट्रीय आर्म-रेसलिंग कप की मेजबानी भी शामिल है, जिसमें सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और एशियाई महासंघ आ रहे हैं और हम तय कार्यक्रम के अनुसार इसे आगे बढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रीति झंगियानी पीपुल्स आर्म-रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष हैं।

भारत की अंडर-20 फुटबॉल टीम को ईरान ने 1-0 से हराया

एजेंसी

विएंतियाने। भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप जी मुकाबले में चार बार की चैम्पियन ईरान ने 1-0 से हराया। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत की अंडर-20 टीम ने शानदार खेल का मुजाहिरा किया। लेकिन 88वें मिनट में ईरान के युसेफ माजराह ने भारतीय गोलकीपर प्रियांश दुबे को चौंकाते हुए गोल दाग कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ छह अंक लेकर ईरान ग्रुप में शीर्ष पर बना हुआ है। दो मैचों में तीन अंक के साथ भारत की अंडर-20 टीम ने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम अब रविवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में मेजबान लाओस से भिड़ेगी।

बेंगलुरु एफसी अपने घरेलू मैदान पर मोहन बागान सुपर जायंट का करेगी सामना

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु एफसी, इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में शाम 7:30 बजे अपने घरेलू मैदान श्री कांतीरवा स्टेडियम में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ खेलने उतरेगी। दोनों टीमें अब तक आईएसएल 2024-25 में अपराजित हैं। बेंगलुरु एफसी ने ईस्ट बंगाल और हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने दोनों मैच जीते हैं। वहीं, मोहन बागान सुपर जायंट ने अपने पहले मैच में मुम्बई सिटी एफसी को ड्रा पर रोका और फिर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड पर जीत हासिल की। मैच से पहले दोनों टीमों के कोच ने टीम की क्षमता और

जरूरत पर प्रकाश डाला। बेंगलुरु एफसी के मुख्य कोच जेरार्ड जारागोजा ने एक बयान में कहा कि मजबूत बेंच का होना महत्वपूर्ण है जो पासा पलट सकते हैं। बतौर कोच, यह एकदम सही है। मैच 90 मिनट तक चलता है और हमें ऐसे खिलाड़ी चाहिए, जो 90 मिनट खेल सकें और साथ ही कुछ ऐसे जो बेंच से उतरकर प्रभाव डाल सकें। मोहन बागान के हेड कोच जोस मोलिना का मानना है कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ जीत से टीम को अधिक आत्मविश्वास मिला। उन्होंने अपने बयान में कहा कि खिलाड़ियों को बहुत मेहनत करने की जरूरत है। हालांकि, वे वास्तव में खुश हैं, क्योंकि हमने तीन अंक हासिल किए हैं। मुझे उम्मीद है कि जीत हमें अगले मैचों में और अधिक आत्मविश्वास देगी।

— कारोबार —

इस साल आईपीओ बाजार रहेगा तेज, दिसंबर तक 1 लाख करोड़ जुटा सकती हैं कंपनियां

मुंबई। इस साल का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में भी शेयर बाजार की तरह तेजी बनी रहने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि कंपनियां दिसंबर तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा जुटा सकती हैं। इससे पहले 2021 में 63 आईपीओ के जरिए 1.20 लाख करोड़ रुपए जुटाने का रिकॉर्ड बनाया था। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक कुल 62 आईपीओ आए हैं,

जिन्होंने 64,513 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

इसके मुकाबले 2023 में 57 कंपनियों ने 49,437 करोड़ और 2022 में 40 कंपनियों ने 59,939 करोड़ रुपए जुटाए थे। सितंबर में 10 आईपीओ के जरिये 11,826 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं, और दो और कंपनियां 500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतरने वाली हैं। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं, जिससे बाजार और गर्म हो सकता है। ह्यूंडई मोटर 25,000 करोड़ रुपए के सबसे बड़े इश्यू के साथ अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले सप्ताह में आ सकती है। स्विगी 11,000 करोड़ रुपए के आईपीओ के साथ नवंबर में बाजार में उतरने की तैयारी में है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी 10,000 करोड़ रुपए और अफकॉन्स इन्फ्रा 8,400 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही हैं। ये चार कंपनियां मिलकर 54,000 करोड़ रुपए जुटा सकती हैं। इसके अलावा वॉरी एनर्जी 3,000 करोड़ और वन मोबिक्विक 700 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अक्टूबर में बाजार में आएंगे।

एनएसई, बीएसई ने लेनदेन शुल्क में किया संशोधन

नई दिल्ली। देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने नकद और वायदा एवं विकल्प सौदों के लिए अपने लेनदेन शुल्क में संशोधन कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा शेयर बाजार समेत बाजार अवसंरचना से जुड़े संस्थानों के सभी सदस्यों के लिए एक समान शुल्क संरचना अनिवार्य करने के बाद यह कदम उठाया गया। शेयर बाजारों ने अलग-अलग परिपत्रों में कहा कि संशोधित दरें एक अक्टूबर से लागू होंगी। बीएसई ने इक्विटी वायदा-विकल्प खंड में सेंसेक्स और बैंकेक्स विकल्प अनुबंधों के लिए लेनदेन शुल्क को संशोधित कर 3,250 रुपये प्रति करोड़ प्रीमियम कारोबार कर दिया है।

भारत और भूटान ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली। भारत और भूटान ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कुछ सीमा पार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा की। इनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना का मुद्दा भी शामिल रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और भूटान के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्रालय (एमओआईसीई) के सचिव दाशो ताशी वांगमो के बीच थिम्पू में हाल ही में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए सीमापार और संपर्क के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। इसमें जयगांव-फुंटशोलिंग में एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना और कोकराझार-गेलेफू और बानरहाट-समात्से के बीच रेल संपर्क शामिल है। बयान के अनुसार दोनों सचिवों ने भूटान से भारत में कबाड़ के आयात के लिए एलसीएस (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) जयगांव की अधिसूचना, भारत-भूटान सीमा पर सीमा हाट की स्थापना, व्यापारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और भूटान से भारत में बोल्डर के आयात पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भूटान से भारत में आयात के लिए लकड़ी की तीन अतिरिक्त किस्मों को शामिल करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही मार्च 2024 में हस्ताक्षरित भूटान खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (बीएफडीए) द्वारा प्रयोग किए जाने वाले आधिकारिक नियंत्रण को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा मान्यता देने के लिए समझौते के शीघ्र परिचालन पर विचार-विमर्श किया गया।

स्टर्लिंग विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों ने हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों शापूरजी पालोनजी और खुर्शीद यजदी दारूवाला ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिए कंपनी में 7.14 फीसदी हिस्सेदारी 1,040 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी (एसडब्ल्यूसोलर) में 1.35 करोड़ शेयर बेचे, जो 5.78 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इसके अलावा खुर्शीद यजदी दारूवाला ने सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) समाधान प्रदाता कंपनी में 31.50 लाख शेयर बेचे। शेयरों का निपटान 623.28-630.01 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में किया गया, जिससे संयुक्त सौदे का मूल्य 1,039.88 करोड़ रुपये हो गया।

सिस्को ने चेन्नई में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया

इस परियोजना से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियां मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में विस्तार करने के लिए सिस्को ने चेन्नई में अपने पहले मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की शुरुआत कर दी है। इससे सिस्को का लक्ष्य सालाना 1.3 अरब डॉलर से ज्यादा का उत्पादन करना है, जिससे निर्यात और घरेलू उत्पादन दोनों बढेगा। इस परियोजना से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है। सिस्को ने इस प्लांट को स्थापित करने के लिए फ्लेक्स के साथ साझेदारी की है। इस यूनिट में शुरू में सिस्को के नेटवर्क कन्वर्जेंस सिस्टम (एनसीएस) 540 सीरीज राउटर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कंपनी ने साइट

पर उन्नत राउटिंग और स्विचिंग उत्पादों का उत्पादन करने की योजना बनाई है ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। सिस्को ने कहा कि यह अत्याधुनिक प्लांट भारत और दुनिया भर में संगठनों की तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सिस्को के बेहतरीन राउटिंग और स्विचिंग उत्पादों की एक सीरीज का उत्पादन करेगी। इस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उदघाटन केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सिस्को के सीईओ चक रॉबिन्स और सिस्को इंडिया की अध्यक्ष डेज़ी चित्तिलापिल्ली द्वारा किया गया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सिस्को ने फ्लेक्स के साथ मिलकर चेन्नई प्लांट का सफलतापूर्वक निर्माण किया है और एडवांस टेलीकॉम तकनीक लाई है जो भारत और वैश्विक स्तर पर नागरिकों को जोड़ने में मदद कर सकती है। यह सिस्को और फ्लेक्स की 25 साल की लंबी साझेदारी में अगला मील का पत्थर है, जो वैश्विक स्तर पर तेजी, लचीलापन और टिकाऊ प्रथाओं के साथ मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का काम कर रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार जल्द होगा 700 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार इतिहास रचता हुआ दिखाई दे रहा है। सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशी बाजारों में भी भारत के सेंसेक्स और निफ्टी की चर्चा हो रही है। वहीं भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार इतिहास रचता हुआ दिखाई दे रहा है। जानकारों की मानें तो आने वाले कुछ हफ्तों देश का फॉरेक्स रिजर्व 700 अरब डॉलर के भी पार सकता है। वैसे फॉरेक्स रिजर्व में लगातार 6वें हफ्ते इजाफा देखने को मिला है। इस दौरान फॉरेक्स रिजर्व में करीब 22 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.30 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 689.46 अरब डॉलर की नयी ऊंचाई पर जा पहुंचा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी आंकड़ों के अनुसार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 605.69 अरब डॉलर हो गई।

सांसद व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की संकल्पना से नागपुर में बना देश का पहला बर्डपार्क

संवाददाता ■ नागपुर

एक पार्क, जो नगर निगम द्वारा बनाए गए पार्क की पारंपरिक प्रतिकृति को दर्शाता है, हाल ही में आईटी पार्क, ऊर्जा पार्क और इसी तरह के विभिन्न %पार्क% के साथ स्थापित किया गया है। इसके नाम में पार्क शब्द है। लेकिन वहां न तो पेड़ हैं और न ही पक्षी, केवल ऊंची-ऊंची सीमेंट की इमारतें खड़ी हैं। तो पार्क वास्तव में पार्क ही है या कुछ और। लेकिन नागपुर में नागपुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थापित %बर्ड पार्क% वास्तव में एक चुनौती है। एक कल्पनाशील जन प्रतिनिधि विभिन्न विचारों को क्रियान्वित करके किस प्रकार एक शहर का विकास कर सकता है, एक पार्क इसका अच्छा उदाहरण है। नागपुर के सांसद और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा परिकल्पित यह पक्षी पार्क देश का पहला है और इसका उद्घाटन आज किया जा रहा है।

यह ऑक्सीजन पार्क गडकरी की अवधारणा और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पहल के माध्यम से नागपुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर वर्धा मार्ग पर जामथा क्लोवर लीफ में साकार हुआ है। 14.32 करोड़ की यह परियोजना करीब 20 एकड़ में क्रियान्वित की गयी है. यहां केवल पक्षियों के लिए विशेष फलों के पेड़ लगाए गए हैं। इस पार्क का महत्व केवल ऑक्सीजन प्रदान करने वाला क्षेत्र ही नहीं है। यह क्षेत्र विभिन्न प्रजाति के पक्षियों के आश्रय स्थल के रूप में उपयोगी होगा। दिलचस्प बात यह है कि ऑक्सीजन पार्क 11 हेक्टेयर क्षेत्र में 8,104 प्रकार के पौधों के साथ विकसित किया गया है। इस परियोजना में प्राकृतिक झीलों को भी शामिल किया गया है।

इस क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पक्षियों का अवलोकन करना और नागरिकों का मनोरंजन करना। पक्षी पार्क विकसित करने के पीछे का उद्देश्य हरित स्थान उपलब्ध कराना था। विभिन्न प्रकार की पक्षी प्रजातियों के लिए एक सुरक्षित और प्राकृतिक आवास। प्राकृतिक वातावरण में स्थित इस पार्क का उद्देश्य स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की आबादी की रक्षा करना है। इस पहल को व्यापक बुनियादी ढांचा परियोजना में अतिरिक्त कार्य के रूप में शामिल किया गया है

कमल/लिली पैड तालाब- तालाब विभिन्न प्रकार के कमलों का घर होगा और जल लिली, जलपक्षी और भूमिगत जलीय पुनर्भरण के लिए आवास प्रदान करेगा। यह सृजन भी करेगा. बढ़ी हुई आर्द्रता के साथ सूक्ष्म आवास। वाटरशेड होने से गहराई में बसे निवासियों और प्रवासियों दोनों को आकर्षित करने की क्षमता है।

रीड बेड- तालाब के पीछे स्थित, यह रीड बेड वॉटरहेन्स, मूरहेन्स और रीड वॉर्ब्लर्स जैसे पक्षियों के लिए एक आदर्श आवास प्रदान करेगा, विशेष रूप से उन पक्षियों के लिए जिनकी प्रवास के दौरान आवश्यकता होती है।

बम्बुसेटम- इस क्षेत्र में मूल भारतीय बांस बड़े पैमाने पर लगाए गए हैं। बांस की प्रजातियां धूल और ध्वनि प्रदूषण को कम करने, वाहन उत्सर्जन को अवशोषित करने और इस तरह मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करेंगी।

वृक्षारोपण क्षेत्र- 6-हेक्टेयर पार्क से आगे तक फैले इस क्षेत्र में देशी वृक्ष प्रजातियाँ और झाड़ियाँ शामिल होंगी। यह वन्य जीवन को आकर्षित करेगा, शोर और धूल को कम करेगा और वायु की गुणवत्ता में सुधार करेगा।

ताड़ का पौधारोपण- तालाब के पीछे, देशी भारतीय ताड़ के पेड़ जैसे फीनिक्स खजूर और ताड़ी ताड़ के पौधे लगाए जाएंगे। इन ताड़ के पेड़ों को विभिन्न पक्षी प्रजातियों के लिए घोंसले के रूप में बनाया गया है। यह स्तनधारियों और हॉर्नबिल और वीवर पक्षियों जैसी प्रजातियों को आकर्षित करेगा।

पार्क में फूड कोर्ट, शौचालय, पैदल पथ, जॉगिंग और साइक्लिंग ट्रैक, वॉचटावर, एम्फीथिएटर प्लेटफॉर्म और बच्चों के लिए विशेष खेल क्षेत्र सहित विभिन्न सुविधाएं हैं। प्रवेश द्वार पर एक आकर्षक वास्तुशिल्प डिजाइन है। यह सामाजिक वानिकी को समर्पित एक पर्यावरण-अनुकूल पार्क है जिसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए प्राकृतिक पक्षी आवास और मनोरंजक स्थान के रूप में डिज़ाइन किया गया है। परियोजना, जो पर्यावरणीय स्थिरता और मनोरंजक सुविधाओं को एकीकृत करती है, को औपचारिक रूप से मार्च में मंजूरी दी गई थी।

चंद्रपुर में पांच चरवाहों को मारने वाले बाघ को वन विभाग ने पिंजरे में बंद किया

संवाददाता ■ चंद्रपुर

पिछले कुछ दिनों में चंद्रपुर वन प्रभाग के अंतर्गत जनाला, कांतापेठ, चिरोली, कावड़पेठ, चिचला, तडाला क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं हुई हैं. चार-पांच चरवाहों को बाघिनों ने मार डाला। इस बाघिन टी83 को शनिवार 28 सितंबर को सुबह करीब 5.30 बजे पकड़ा गया.

मानव वन्यजीव संघर्ष और गोरखा हताहतों की संख्या को ध्यान में रखते हुए, चंद्रपुर वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक, डॉ. जितेंद्र रामगांवकर के निर्देश पर, आनंद रेड्डी, उप निदेशक ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व बफर चंद्रपुर और प्रशांत खाड़े, प्रभागीय वन अधिकारी, चंद्रपुर वन प्रभाग, चंद्रपुर, साथ ही वी. एस। तारसे, सहायक वन संरक्षक (तेंदू), चंद्रपुर वन प्रभाग, चंद्रपुर वातोरे, सहायक वन संरक्षक, ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व बफर चंद्रपुर, प्रियंका आर के मार्गदर्शन में। वेलमे, वन रेंज अधिकारी चिचप्पल्ली (प्रांत) के साथ राहुल कारेकर, वन रेंज अधिकारी, बफ़र मुल और डॉ. रविकांत खोबरागड़े, पशु चिकित्सा अधिकारी ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व चंद्रपुर, राकेश आहूजा, जीवविज्ञानी ब्रम्हपुरी के नेतृत्व में अजय मराठे, शार्प शूटर ने बाघिन को सफलतापूर्वक इच्छामृत्यु दी और उसे पकड़ लिया।

उक्त अभियान में शापि. डी। खनके, क्षेत्र सहायक महदवाडी, एन. डब्ल्यू पाडवे, क्षेत्र सहायक केल्ज़ार, एम. जे। मुस्के, क्षेत्र सहायक बाल,. राकेश गुरनुले, वनरक्षक जनाला, एस. आर। ठाकुर, वनरक्षक बालक, शीतल व्याहडकर, वनरक्षक चिचला, कु. शुभांगी गुरनुले, वन रक्षक दहेगांव अटारी, सविता गेदाम, वन रक्षक चिरोली, पवन यसांबरे, वन रक्षक महादावाड़ी, जिला. जे। दिवाथे, वन रक्षक पिंपलखुट एस.एस. बावने, वन रक्षक गिलबिली 2 और आर. आर। टी। ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व चंद्रपुर के विकास ताजने, योगेश लाकड़े, प्रफुल्ल वडगुरे, गुणांक धोरे, दीपेश तेभुर्ने, वसीम शेख, अमोर कोरपे, अक्षय दांडेकर और चिचप्पल्ली जोन के वनकर्मियों ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।

डॉ। रविकांत खोबरागड़े, पशु चिकित्सा अधिकारी, ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, चंद्रपुर और उनकी टीम ने अब तक मानव वन्यजीव संघर्ष मामलों में 71 बाघों को सफलतापूर्वक पकड़ा है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

अगस्त और सितंबर में अकोला में भारी बारिश से 57,758.5 हेक्टेयर से अधिक फसलों को नुकसान पहुंचा

संवाददाता ■ अकोला

जिले में अगस्त और सितंबर में भारी बारिश के कारण 57 हजार 758.5 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलें मिट्टी में मिल गई हैं. बारिश से हुए नुकसान की अंतिम रिपोर्ट जिला प्रशासन ने प्रमंडलीय आयुक्त को सौंप दी है. इस हिसाब से कुल 79 करोड़ 44 लाख 35 हजार 908 रुपये की सहायता राशि किसानों को बांटी जानी है. भारी बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है और त्योहारी सीजन में परेशानी बढ़ गई है.

राज्य के राजस्व मंत्री और जिला संरक्षक मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने जिले में भारी बारिश से हुए नुकसान की तुरंत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था. तदनुसार, कलेक्टर अजीत कुम्हार ने राजस्व, कृषि अधिकारियों को समय पर विस्तृत पंचनामा प्रस्तुत करने और प्रत्येक क्षति को सावधानीपूर्वक दर्ज करने का निर्देश दिया। समय-समय पर जिले के विभिन्न क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण भी किया। तदनुसार, राजस्व, कृषि, ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पंचनामा बनाया गया है। उनकी अंतिम रिपोर्ट कलेक्टर अजीत कुम्हार, जिला. डब्ल्यू मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. वैष्णवी, जिला अधीक्षक कृषि पदाधिकारी शंकर किर्वे के संयुक्त हस्ताक्षर से भेजा गया है.

अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 349 ग्रामों के 57 हजार 319 खातेदारों की कुल 57 हजार 758.5 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों को नुकसान हुआ है। मुआवजे के लिए कुल 79 करोड़ 44 लाख 35 हजार 908 रुपये का राहत कोष का प्रस्ताव भेजा गया है. फलों की फसलों के अलावा 227 गांवों की 56 हजार 984.53 हेक्टेयर कृषि योग्य फसलें प्रभावित हुई हैं। उसके लिए 77 करोड़ 49 लाख 89 हजार 608 रुपये की राहत निधि का अनुरोध किया गया है. फलों की फसलों के अलावा 22 गांवों में 159.6 हेक्टेयर बागवानी क्षेत्र प्रभावित होने पर 43 लाख नौ हजार 200 रुपये का फंड प्रस्तावित है।

30 गांवों में 226.58 हेक्टेयर फलों की फसल प्रभावित हुई। 81 लाख 56 हजार 880 की धनराशि प्रस्तावित है। इसी प्रकार भारी बारिश से 70 गांवों की 387.79 हेक्टेयर भूमि बह गई है, जिसके लिए 69 लाख 80 हजार 220 रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। किसान सरकार से तुरंत मदद की मांग कर रहे हैं.

भूमिगत पुणे मेट्रो मार्ग के उद्घाटन के कारण यातायात मार्ग में परिवर्तन

पुणे। शिवाजीनगर कोर्ट से स्वारगेट भूमिगत मेट्रो लाइन का उद्घाटन रविवार को किया जाएगा. चूंकि महत्वपूर्ण व्यक्ति उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे, इसलिए शिवाजीनगर कोर्ट और स्वारगेट में श्री गणेश कला क्रीड़ा रंगमंच क्षेत्र में यातायात परिवर्तन होंगे।

मेट्रो लाइन के उद्घाटन के मौके पर रविवार (29 सितंबर) सुबह श्री गणेश कला क्रीड़ा रंगमंच पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस क्षेत्र से गुजरने वाले वाहन चालकों को असुविधा से बचाने के लिए सुबह 7 बजे से यातायात में बदलाव किया गया है. यातायात शाखा के पुलिस उपायुक्त अमोल ज़ेंडे ने अपील की है कि वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना चाहिए।

स्वारगेट में पैट्रियट केशवराव जेधे चौक से सरस बाग क्षेत्र में जमनालाल बजाज प्रतिमा क्षेत्र तक सभी प्रकार के वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से एसटी कर्मचारियों व अधिकारियों के तबादलों में अनियमितताएं रुकेंगी

संवाददाता ■ नागपुर

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने पारदर्शिता के लिए एसटी कर्मचारियों और अधिकारियों के स्थानांतरण को कंप्यूटरीकृत करने का निर्णय लिया है. ऐसे में संभावना है कि ट्रांसफर प्रक्रिया में अधिकारियों का हस्तक्षेप कम होगा और गड़बड़ियों पर रोक लगेगी. इससे पहले एसटी निगम में संभागीय स्तर के तबादले संभागीय नियंत्रक कार्यालय में, क्षेत्रीय स्तर के तबादले क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में, अन्य तबादले केंद्रीय कार्यालय स्तर पर मुंबई में किए जाते थे। श्रमिक संघ का आरोप था कि अधिकारी इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं, इसलिए जूनियर अधिकारियों-कर्मचारियों को उनकी इच्छा के अनुरूप पदस्थापित किया जा रहा है. संगठन के पदाधिकारियों को अच्छी जगहों पर पोस्टिंग भी मिल रही थी. इसलिए यह स्थानांतरण प्रक्रिया हमेशा विवादों में रही।

इस गड़बड़ी को रोकने के लिए निगम ने कर्मचारियों के तबादलों को कंप्यूटरीकृत करने का काम शुरू कर दिया है। चेन-सिस (इंडिया) प्रा. लिमिटेड इस संस्था को दिया गया. संगठन ने प्रशासनिक, अनुरोध स्थानांतरण के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के संबंध में राज्य के सभी कार्यालयों को लिंक प्रदान किए हैं। इसके साथ ही संगठन और निगम ने कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से तबादलों की प्रक्रिया कैसे लागू की जाए, इसके भी निर्देश दिए हैं। एसटी के क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीकांत गभाने ने इस खबर की पुष्टि की.

कर्मचारियों, अधिकारियों की जानकारी सेवा पुस्तिका में प्रविष्टियों के अनुसार कम्प्यूटर सिस्टम में दर्ज की जाये। स्थानांतरण आवेदन के लिए कर्मचारी का अनुरोध, चिकित्सा प्रमाण पत्र, सरकारी सेवा में पति-पत्नी के रोजगार से संबंधित दस्तावेज, अन्य जानकारी भी कम्प्यूटरीकृत प्रणाली पर होगी। कर्मचारियों को ऐप में जाति वर्ग के अनुसार सभी पदों की नवीनतम मंजूरी, कार्यरत और रिक्त स्थिति दर्ज करनी होगी। इसके बाद ट्रांसफर की प्रक्रिया होगी.

नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रदान करने के लिए एसटी निगम द्वारा कुल 86,000 अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसमें बस चालक, बस वाहक के साथ तकनीकी और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। कुल कर्मचारियों में से लगभग 60 प्रतिशत चालीस से ऊपर हैं।

एसटी कॉर्पोरेशन राज्य के प्रत्येक तालुका और महत्वपूर्ण स्थानों में 247 बस स्टेशनों और 578 बस स्टेशनों के माध्यम से यात्री परिवहन के लिए परिवहन सेवाएं प्रदान करता है। यात्री सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निगम ने नवीन योजनाएँ लागू की हैं और मुख्य रूप से बसों के डिज़ाइन और रंगों में बदलाव किए गए हैं। निगम द्वारा 2 बाई 2 बैठने की व्यवस्था वाली वैरिवेटन बसें, अधिक आरामदायक बैठने की व्यवस्था वाली निमाराम बसें उपलब्ध कराई जाती हैं। एसटी कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर बताया गया है कि और भी नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नेहरू रोड पर तेज रफ्तार पीएमपी बस ने यात्रियों को टक्कर मारी

संवाददाता ■ पुणे

बस स्टॉप पर एक तेज रफ्तार पीएमपी बस द्वारा एक महिला यात्री को टक्कर मारने की घटना नेहरू रोड पर सोनवणे अस्पताल के सामने हुई। हादसे में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गये और पीएमपी बस ने एक रिक्शा को टक्कर मार दी.

घायलों के नाम युवराज बबन नवले (बाकी कुरआन, जिला जुन्नार), कुसुम विश्वनाथ लोंढे (बाकी ताड़ीवाला रास्ता), फारूक शेख हैं। इस मामले में पीएमपी बस चालक गणेश बालासाहेब नाइकल (उम्र 35, निवासी कोहिनूर होटल के पास, खराडी) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में किशोर बालाजी परदेशी (उम्र 38, निवासी गंज पेठ) ने खडक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे नेवले और लोंढे को नेहरू रोड पर सोनवणे अस्पताल के सामने पीएमपी स्टॉप पर रोका गया। उस समय, एक तेज रफ्तार पीएमपी बस ने यात्रियों नेवले और लोंढे को टक्कर मार दी। बस स्टॉप से ??कुछ दूरी पर एक रिक्शा को टक्कर मार दी।

हादसे में नवले, लोंढे और रिक्शा चालक शेख घायल हो गए। हादसे के बाद तीन लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया. हादसे में नवले गंभीर रूप से घायल हो गए और हादसे की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत चव्हाण, अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक शर्मिला सुतार ने घटनास्थल का दौरा किया. पुलिस ने बताया कि हादसा बस ड्राइवर नायकल की गलती से हुआ. कांस्टेबल येल्पी जांच कर रहे हैं.

पीसीएमसी तलावडे में बनाएगी जैव विविधता पार्कः कमिश्नर शेखर सिंह

संवाददाता ■ पिंपरी

रेड जोन से प्रभावित तलवाड़ में बायोडायवर्सिटी पार्क विकसित किया जाएगा. यह पार्क 60 एकड़ भूमि में साकार होगा। इस पर 76 करोड़ रुपये की लागत आएगी. कमिश्नर शेखर सिंह ने स्वच्छता का कार्य कर रही भारत विकास ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी (बीवीजी) को काम देने की मंजूरी दे दी।

हथेली का कुछ भाग लाल क्षेत्र से प्रभावित होता है। इसके चलते विकास कार्यों और ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध कराने में दिक्कतें आ रही थीं। रेड जोन के अंतर्गत ग्यारन क्षेत्र के 60 एकड़ में जैव विविधता पार्क बनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए नगर निगम ने टेंडर प्रक्रिया आयोजित की. इसमें चार ठेकेदार शामिल हुए। उनमें से एक ठेकेदार के रूप में योग्य था। इसलिए नगर निगम ने दोबारा टेंडर निकाला। एकमात्र टेंडर भारत विकास ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को प्राप्त हुआ। उन्होंने रेट से 0.10 फीसदी कम का टेंडर डाला. आयुक्त सिंह ने उनकी 75 करोड़ 93 लाख 88 हजार रुपये की निविदा स्वीकृत करने की मंजूरी दे दी. कार्य की अवधि 18 माह है। पार्क में विभिन्न पौधों, दुर्लभ औषधीय पौधों और लताओं, स्वदेशी पेड़ों, फल और फूलों के पेड़ों की खेती की जाएगी। पशु-पक्षियों का आवास बनाया जाएगा। इसके अलावा यहां पर्यटकों के लिए

ट्रैक, फूड स्टॉल, मनोरंजन की सुविधाएं भी होंगी।

मानव जाति के सामने पर्यावरण प्रदूषण और प्रकृति के क्षरण को रोकने की चुनौती है। चिखली-मोशी-चारहोली क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवास परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। भोसरी विधायक महेश लांडगे ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए जैव विविधता पार्क की स्थापना की जा रही है. पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के सिविल परियोजना विभाग के सिविल इंजीनियर, मनोज सेठिया ने कहा कि जैव विविधता पार्क मनुष्य और प्रकृति के बीच अधिक टिकाऊ और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह पार्क पुनर्स्थापना पहलों, शैक्षिक कार्यक्रमों और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जागरूक पर्यावरण प्रबंधन की परिवर्तनकारी शक्ति का उदाहरण देगा।

वर्धा में माइक्रोवैस्कुलर प्लास्टिक सर्जरी ने आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल में मरीज को विकलांगता से बचाया

वर्धा। सावंगी में मेघे अभिमत विश्वविद्यालय के आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने विभिन्न वैज्ञानिक ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए हैं. लेकिन इस मामले में अफाल को सफलता हासिल हुई. तेज कांच के कारण हाथ की नसें पूरी तरह से कट जाने के कारण युवक के पास हाथ की नसें काटने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था, इसलिए मरीज को विकलांगता से बचाने वाली सर्जरी सावंगी मेघे के आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल में की गई। यवतमाल जिले के पांढरकवाड़ा निवासी शांति छोटापेल्लीवार (35) दुकान की सफाई कर रहे थे, तभी अचानक एक शीशा टूट गया और कांच का एक बड़ा टुकड़ा उनके दाहिने हाथ में घुस गया। उस नुकीले शीशे से शांति की बांह की रक्तवाहिकाएं कट गईं. उसका बहुत खून बह गया और वह बेहोश हो गया। अचानक हुई इस घटना से घर के सभी सदस्य घबरा गये. पंढरकावड़ा के पूर्व महापौर नहाणे और सामाजिक कार्यकर्ता सोनू उप्पलवार ने छोटापेल्लीवार परिवार से मुलाकात की और उन्हें तुरंत सावंगी (मेघे) अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कहा। छोटापेल्लीवार परिवार बिना समय बर्बाद किए शांति को सावंगी के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ले गया। अस्पताल में प्लास्टिक सर्जन डॉ. जब फ़िरोज़ बोर्ले ने मरीज़ की जांच की तो देखा कि दाहिने हाथ का अगला हिस्सा गंभीर रूप से घायल हो गया था और हाथ की मांसपेशियाँ, रक्त वाहिकाएँ, नसें और अन्य नसें पूरी तरह से कट गई थीं। यदि मांसपेशियों और सभी वाहिकाओं की ठीक से मरम्मत नहीं की गई, तो हाथ को शरीर से अलग करना अपरिहार्य हो गया।

पीसीएमसी आगामी वित्त वर्ष में अलग से जलवायु बजट पेश करेगी

पिंपरी। नगर निगम विभिन्न गतिविधियों को लागू करके पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उपाय कर रहा है। इसके एक भाग के रूप में, पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों के लिए धन उपलब्ध होना चाहिए, नगर निगम के बजट में एक अलग जलवायु बजट शामिल किया जाएगा। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए कमिश्नर शेखर सिंह ने कहा, ग्लोबल वार्मिंग, अत्यधिक गर्मी, जलवायु में बदलाव को ध्यान में रखा जाना चाहिए और पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए। तदनुसार, नगर पालिका विभिन्न गतिविधियों को क्रियान्वित कर रही है। कार्बन उत्सर्जन को कम करना, वायु प्रदूषणकारी कारकों को प्रतिबंधित करना, स्थानीय पर्यावरण में सुधार करना आवश्यक है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, सरकारी, अर्ध-सरकारी और स्थानीय निकायों ने कई देशों में जलवायु बजटिंग की अवधारणा को शामिल किया है। तदनुसार, जलवायु बजट को आगामी बजट में शामिल किया जाएगा।%

जलवायु बजट की अवधारणा के संबंध में दिशानिर्देशों, नीतियों, उद्देश्यों, प्रक्रियाओं, निर्देशों, बजट सूचना संग्रह पैटर्न का अध्ययन किया गया और एक निजी संगठन के माध्यम से सुझाव लिए गए। उन नीतियों और दिशानिर्देशों को नगर निगम के बजट में शामिल किया जाएगा। कमिश्नर ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. इस बीच, पिंपरी-चिंचवड़ शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है। शहर की आबादी 35 लाख तक पहुंच गई है. बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

कोंढवा में 14 लाख रुपये मूल्य की मेफेड्रोन जब्त

पुणे। मादक द्रव्य निरोधक दस्ते ने कोंढवा इलाके में मेफेड्रोन बेचने आए दो लोगों को पकड़ा. उनके पास से 14 लाख की कीमत का मेफेड्रोन जब्त किया गया. गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम जहीर उर्फ ??साद गनी खान (उम्र 20), अदनान शब्बीर शेख (उम्र 25, दोनों कोंढवा के) हैं।

एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड के पुलिस इंस्पेक्टर सुदर्शन गायकवाड़ और दस्ता कोंढवा इलाके में गश्त कर रहे थे. जांच टीम को जानकारी मिली कि कोंढवा में ओपल पलक सोसायटी के सामने दो लोगों को रोका गया है और उनके पास मेफेड्रोन है. पुलिस ने खान और शेख को पकड़ लिया। उनकी तलाशी ली गई. दोनों के पास से 14 लाख रुपये कीमत का 63 ग्राम मेफेड्रोन जब्त किया गया. अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेश बलकवाड़े, उपायुक्त निखिल पिंगले, सहायक आयुक्त राजेंद्र मुलिक के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक सुदर्शन गायकवाड, उपनिरीक्षक दिगंबर चव्हाण, अजीम शेख, चेतन गायकवाड, प्रशांत बोमाडांडी, संदीप जाधव, दिशा खेवल्कर ने यह कार्रवाई की. . पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने नशा मुक्त पुणे (ड्रग फ्री पुणे) अभियान लागू करने का आदेश दिया है . पुणे पुलिस ने पिछले नौ महीनों में 3,500 करोड़ रुपये का मेफेड्रोन जब्त किया है. पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने शहर में गांजा, मेफेड्रोन बिक्री और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है।

चीनी उत्पादन में दस लाख टन की कमी संभव

संवाददाता ■ पुणे

अनुमान है कि इस साल गन्ने की फसल के मौसम के दौरान राज्य में चीनी उत्पादन में लगभग 10 लाख टन की कमी आएगी। पिछले साल 110 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था. अनुमान है कि इस साल 90 से 102 लाख टन चीनी का उत्पादन होगा.

चीनी आयुक्तालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस साल का फसल सीजन 15 नवंबर से शुरू होगा. पिछले वर्ष की तुलना में चीनी उत्पादन में लगभग 10 लाख टन की कमी आने का अनुमान है। पिछले साल इथेनॉल उत्पादन के लिए लगभग सात लाख टन चीनी का उपयोग किया गया था, जबकि 11 मिलियन टन चीनी का उत्पादन किया गया था। इस वर्ष इथेनॉल उत्पादन के लिए 12 लाख टन चीनी का उपयोग किया जाएगा और शुद्ध चीनी उत्पादन 90 से 102 लाख टन होने का अनुमान है। हालाँकि, राज्य और देश स्तर पर कुल चीनी उत्पादन का अनुमान लगातार चूक जाता है।

इस साल मुख्य रूप से सतारा, सांगली, कोल्हापुर जिलों में बाढ़, भारी बारिश और विभिन्न नदियों में लगातार बारिश के कारण गन्ना क्षेत्र को काफी नुकसान होने की बात कही जा रही है. इससे गन्ने के गूदे और चीनी के अर्क पर असर पड़ने की आशंका है। वहीं, मानसून के चार महीनों में औसत से ज्यादा बारिश हुई है. सोलापुर, मराठवाड़ा के कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश हुई है। मानसून की बारिश की वापसी अच्छी होने की उम्मीद है. विस्मा के अध्यक्ष बी ने कहा, चूंकि सीजन 15 दिनों की देरी से शुरू होगा, प्रति हेक्टेयर गन्ना उत्पादन और चीनी उपज में वृद्धि की उम्मीद है। बी। यह बात थोम्बर एवं कृष्णा कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री के कार्यकारी निदेशक सूर्यकांत दलवी ने व्यक्त की है. कृषि विभाग की जानकारी के अनुसार इस वर्ष राज्य में 11.67 लाख हेक्टेयर गन्ना उपलब्ध है. औसत उपज 86 टन प्रति हेक्टेयर अनुमानित है। खेती, चारे, ग्रीनहाउस और गन्ने के लिए उपयोग किए जाने वाले गन्ने को छोड़कर, कुल 904 लाख टन गन्ना उपलब्ध होगा। 11.30 फीसदी की औसत उपज के साथ कुल चीनी उत्पादन 102 लाख टन होगा. उसमें से 1.2 लाख टन चीनी का उपयोग इथेनॉल के लिए किया जाएगा और शुद्ध चीनी उत्पादन 9.0 लाख टन होने का अनुमान है। मिटकॉन नाम की संस्था ने 102 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया है. इस साल पतझड़ का मौसम 15 नवंबर से शुरू होगा। लेकिन, इसी दौरान राज्य में विधानसभा चुनाव का संग्राम शुरू होने वाला है. सहकारी चीनी मिलों पर विभिन्न दलों के राजनीतिक नेताओं का दबदबा है। जबकि कई निजी फैक्ट्रियां प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक नेताओं से जुड़ी हैं। इसलिए एक तरफ चुनावी जंग होगी तो दूसरी तरफ घमासान. इसलिए संभावना जताई जा रही है कि विधानसभा चुनाव का असर गैलप सीजन पर पड़ेगा.

दैनिक पूर्णविराम

10वीं-12वीं की परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी

मुंबई। 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों की परीक्षा फीस बढ़ा दी गई है। शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा शुल्क में 12 फीसदी तक बढ़ोतरी का फैसला लिया है। बताया गया है कि पेपर महंगे होने के कारण इस साल से 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं की फीस बढ़ा दी गई है। इसलिए अब छात्रों को परीक्षा देने के लिए 50 रुपये अधिक चुकाने होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस साल से 10वीं तथा 12वीं कक्षा की परीक्षा फीस बढ़ाने का फैसला किया है। पिछले वर्ष की तुलना में परीक्षा शुल्क में 12 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि जैसे-जैसे हर साल छात्रों की संख्या बढ़ती है, कागज की लागत भी बढ़ती जाती है।

इंद्राणी मुखर्जी भारत नहीं छोड़ सकतीं- बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई। मुंबई के बहुचर्चित शीना बोरा हत्याकांड की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी भारत नहीं छोड़ सकतीं। इस संबंध में बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश पारित किया है। इससे पहले सेशन कोर्ट ने इंद्राणी मुखर्जी को विदेश जाने की इजाजत दे दी थी। जिसके बाद सीबीआई ने सेशन कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायधीश श्याम चांडक ने यह फैसला सुनाया है। मालूम हो कि इंद्राणी मुखर्जी पर अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या का आरोप है। हत्या की यह वारदात 2012 में हुई थी। इस मामले में इंद्राणी मुखर्जी को जमानत मिल गई है। इसके बाद उन्होंने विदेश जाने की इजाजत मांगी थी। सत्र न्यायालय ने उन्हें 3 महीने की अवधि में 10 दिनों के लिए लंदन और स्पेन जाने की अनुमति दी थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

विवाहिता शादी का झांसा देकर रेप का दावा नहीं कर सकती

▶▶बॉम्बे हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले में बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा महिला शादी का झांसा देकर रेप का दावा नहीं कर सकती, क्योंकि वह जानती है कि वह दूसरी शादी नहीं कर सकती।

संवाददाता ■ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले में कहा कि कोई शादीशुदा महिला ये दावा नहीं कर सकती कि उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस पिताले ने कहा कि जब कोई महिला शादीशुदा है तो वह यह दावा नहीं कर सकती कि किसी और शख्स ने उसके साथ शादी का वादा कर उसके साथ रेप किया।

बॉम्बे हाईकोर्ट के जज ने यह बातें रेप केस में गिरफ्तार पुणे के युवक को जमानत देते हुए कही। कोर्ट ने कहा कि जब शादीशुदा को महिला को पता है कि वो दूसरी शादी नहीं कर सकती तो यह झांसा कैसे हुआ? अगर किसी मामले में आरोपी भी शादीशुदा हो तो तब भी उसका यह दावा साबित नहीं होता है।

यह है पूरा मामला

बता दें कि एक विवाहिता ने विशाल शिंदे नामक शख्स के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया था। रेप का आरोप लगाने वाली महिला स्वयं शादीशुदा है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि दोनों के बीच पहले दोस्ती हो गई, इसके बाद विशाल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया। उसने इसका वीडियो भी बना लिया।

जमानत से पहले कोर्ट ने दिया ये आदेश

मामले में कोर्ट ने कहा कि अब तक इस मामले में ऐसा कोई सबूत नागनाथ के पास से नहीं मिला है जिससे यह साबित हो सके उसने वीडियो बनाया है। वहीं मामले में आरोपी शिंदे के वकील ने कहा कि वह जांच में पूरी सहायता कर रहा है। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि शिंदे को पुलिस के बुलाने पर थाने में हाजिरी देनी होगी। इसके अलावा जांच के लिए मोबाइल जमा कराना होगा। कोर्ट ने कहा कि अब तक कि जांच में यह सामने नहीं आया कि आरोपी ने कोई वीडियो सर्कुलेट किया है।

मुंबई यूनिवर्सिटी सीनेट चुनाव : आदित्य ठाकरे की युवा सेना ने दर्ज की शानदार जीत, सभी 10 सीटों पर मारी बाजी

संवाददाता ■ मुंबई

मुंबई यूनिवर्सिटी में हाल ही में सीनेट चुनाव हुए, जिसमें आदित्य ठाकरे की शिवसेना के यूथ विंग युवासेना को बंपर जीत हासिल हुई. युवा सेना ने सभी 10 सीटों पर बाजी मारी. चुनाव के नतीजे शुक्रवार को सामने आए. मुंबई यूनिवर्सिटी में हुए चुनाव में सीधे मुकाबला युवा सेना और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के बीच था, जिसमें एबीवीपी को बुरी तरह से हार हुई. मुंबई हाईकोर्ट के निर्देश के बाद 24 सितंबर को 10 सीटों के लिए चुनाव हुआ था. सीनेट की 10 सीटों में से 5 सीटें रिजर्व और 5 सीटें ओपन थीं और कुल 28 उम्मीदवारों ने चुनाव में हिस्सा लिया था. इस बार करीब 55 फीसदी मतदान हुआ है. 2018 में हुए चुनाव की तरह ही युवा सेना ने इस चुनाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया. युवा सेना का नेतृत्व उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने किया. विजयी उम्मीदवारों में प्रदीप सावंत, मिलिंद साटम, अल्पेश भोईर, परम यादव, शशिकांत ज़ोरे, शीतल देवरुखकर, धनराज कोहचडे, मयूर पांचाल और स्नेहा गवली के नाम शामिल हैं. अविभाजित शिव सेना के समय से ही युवा सेना यहां की मजबूत उम्मीदवार रही है. मुंबई यूनिवर्सिटी सीनेट चुनाव दो साल से अधिक समय से पेंडिंग थे और राजनीतिक विकास के कारण विवादों में भी घिरे थे, जिसके बाद 2018 के बाद एक बार फिर चुनाव कराए गए, जिसमें युवा सेना से जीत अपने नाम की. युवा सेना (यूबीटी) के लीडर आदित्य ठाकरे ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि यह सभी की मेहनत और मतदाताओं के समर्थन से ही संभव हो पाया है. हार के डर से प्रदेश के शहरी और स्थानीय निकायों में चुनाव नहीं हो पा रहे हैं. उन्होंने चुनाव कराने का आदेश देने के लिए मुबंई हाईकोर्ट का भी आभार जताया. सीनेट मुंबई यूनिवर्सिटी की सबसे बड़ी निर्णय और निगरानी संस्था है. जिसका प्रतिनिधित्व टीचर, प्रिंसिपल, कॉलेज के मैनेजमेंट के साथ-साथ रजिस्टर्ड ग्रेजुएट करते हैं. महाराष्ट्र में छात्र परिषद चुनाव पर रोक लगी है. एमयू के सीनेट चुनाव लड़ने वालों को संबंधित यूनिवर्सिटी का छात्र होना अनिवार्य है और यह दिल्ली यूनिवर्सिटी या जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनावों से अलग हैं.

जिला अस्पतालों में हृदय रोग में वैस्कुलर एब्लेशन उपचार किया जाएगा

संवाददाता ■ मुंबई

राज्य सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के जिला अस्पताल और ग्रामीण अस्पताल अब हृदय रोगियों को क्लॉटिंग रोधी दवाएं और इंजेक्शन मुफ्त प्रदान करेंगे। यह योजना विश्व हृदय रोग दिवस की पृष्ठभूमि में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है।

हार्ट अटैक के मरीज के लिए पहले कुछ घंटे महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान उचित इलाज मिलने पर मरीज की जान बचाई जा सकती है। इसके लिए अस्पताल में कैथ लैब के साथ-साथ कार्डियक सर्जरी की सुविधा भी होनी जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी वित्तीय व्यवस्था के अभाव की पृष्ठभूमि में दिल के दौरे से होने वाले घनास्त्रता के इलाज में कारगर दवा %टिनेक्टीप्लेस% उपलब्ध होने जा रही है। इससे मरीज को आगे के इलाज के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। स्वास्थ्य निदेशक डॉ स्वप्निल लाले ने कहा कि निजी अस्पताल में इस इलाज की कीमत दवा और इंजेक्शन सहित कम से कम 50,000 रुपये से 70,000 रुपये है.

मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तनाव और अनुचित खान-पान के कारण पिछले कुछ दशकों में भारत में हृदय रोग के रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, 32 प्रतिशत मौतें हृदय रोग से संबंधित हैं। 2020 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 7.5 फीसदी मौतें दिल के दौरे से होती हैं, जबकि महाराष्ट्र में यही आंकड़ा 8.9 फीसदी है. इस पृष्ठभूमि में, राज्य स्वास्थ्य विभाग ने फरवरी 2021 से 12 जिलों में स्टॉमी परियोजना (एसटी एलिवेशन इन मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन) शुरू की थी। इसके तहत ईसीजी ली जाती है और उससे मिले मरीजों के इलाज की व्यवस्था की जाती है.

अप्रैल 2024 से, स्वास्थ्य विभाग ने 22 जिलों के जिला अस्पतालों, महिला अस्पतालों और ग्रामीण अस्पतालों में स्ञ्ञश्वरू परियोजना को लागू करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा डॉ. लाले ने बताया कि यह गतिविधि 34 जिलों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी क्रियान्वित की जा रही है।

नि :शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के कारण स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में 13 करोड़ मरीजों का हुआ इलाज

मुंबई। महाराष्ट्र में जब से राज्य स्वास्थ्य विभाग ने सभी को मुफ्त इलाज देने का फैसला किया है, तब से बड़ी संख्या में मरीज स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में इलाज के लिए आने लगे हैं. कुछ साल पहले, स्वास्थ्य विभाग अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में सालाना लगभग साढ़े तीन करोड़ मरीजों का इलाज किया जाता था। मुफ्त योजना के कारण पिछले वर्ष बाह्य रोगी उपचार प्राप्त करने वालों की संख्या बढ़कर लगभग 13 करोड़ हो गई है।

बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पिछले कुछ वर्षों में ग्रामीण अस्पतालों का विस्तार करना शुरू कर दिया है। बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पतालों को बिस्तरों की संख्या बढ़ाकर उपजिला अस्पतालों में परिवर्तित किया जा रहा है। इसी प्रकार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाया गया है और उप-केंद्रों को बढ़ाया गया है। आज, राज्य में 19 जिला अस्पताल, 364 ग्रामीण अस्पताल, 95 उपजिला अस्पताल, आठ सामान्य अस्पताल, 20 महिला अस्पताल, पांच तपेदिक अस्पताल, पांच मनोरोग अस्पताल, 1913 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और लगभग 18 हजार उप-केंद्र जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त इलाज प्रदान करते हैं। .

स्वस्थ महाराष्ट्र के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग नागरिकों को गुणात्मक, गुणात्मक और सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और इस उद्देश्य के लिए आवश्यक प्रयास और उपाय किए जा रहे हैं।

मुफ़्त स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के निर्णय के बाद, स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य केंद्रों में पिछले दो वर्षों में बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी विभागों में स्वास्थ्य देखभाल चाहने वाले रोगियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है।

राज्य के लोगों को उप-केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-विभागीय अस्पतालों, जिला अस्पतालों, महिला अस्पतालों और सामान्य अस्पतालों के माध्यम से निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

तबादला-पोस्टिंग के आदेश का पालन नहीं करने पर चुनाव आयोग नाराज

संवाददाता ■ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से जवाब मांगा

महाराष्ट्र सरकार द्वारा तबादला और पोस्टिंग के आदेश का पालन नहीं करने पर चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव से जवाब मांगा है. दरअसल चुनाव आयोग ने मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में 100 से अधिक निरीक्षक स्तर के अधिकारियों और महत्वपूर्ण पदों पर आसीन राजस्व अधिकारियों का तबादला का आदेश दिया था लेकिन आदेश का पालन नहीं किया गया. जिसके बाद केंद्रीय चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अधिकारियों के तबादले पर आदेशों को पूरी तरह से लागू करने में विफल रहने के लिए महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से स्पष्टीकरण मांगा है. इस संदर्भ में राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने कहा कि सोमवार तक रिपोर्ट दाखिल कर दी जाएगी. उन्होंने कहा कि अनुपालन रिपोर्ट सोमवार तक दाखिल की जा रही है. कुछ विभागों ने गुरुवार को आदेश पारित कर दिए हैं. आपको बता दें कि मुख्य चुनाव आयोग ने 31 जुलाई को एक निर्देश जारी किया था कि उन अधिकारियों को स्थानांतरित किया जाए जो अपने गृह जिले या वर्तमान पोस्टिंग में तीन साल से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं, लेकिन राज्य प्रशासन ने प्रक्रिया पूरी नहीं की है.

सरकार के खजाने में जनवरी में वेतन देने के लिए पैसे नहीं होंगे: राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र में इस वक्त लड़की बहिन योजना काफी चर्चा में है। लड़की बहिन योजना को लेकर विपक्ष लगातार सरकार की आलोचना कर रहा है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये का भुगतान किया जाता है। संजय राउत ने आलोचना की है कि सरकार की ओर से यह रिश्वत वोट के लिए दी जा रही है. साथ ही, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, प्रणीति शिंदे, नाना पटोले ने इस प्रिय बहन योजना पर महागठबंधन की आलोचना की है। अब राज ठाकरे ने पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा के दौरान लड़की बहिन योजना की आलोचना की है. अमरावती में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में राज ठाकरे ने लड़की बहिन योजना पर टिप्पणी की. राज ठाकरे ने कहा, सरकार के खजाने में जनवरी में वेतन देने के लिए पैसे नहीं होंगे.

लोकसभा चुनाव जीतने पर बोलीं सुप्रिया सुले-

फकीर की तरह लड़ा चुनाव, नहीं था जीत का भरोसा

संवाददाता ■ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने अब कहा है कि उन्होंने इस साल हुए लोकसभा चुनाव में बारामती सीट से एक ''फकीर की तरह चुनाव लड़ा था और उन्हें अपनी जीत का ''शत प्रतिशत भरोसा ही नहीं था।

महाराष्ट्र की बारामती सीट से सांसद सुले ने एक निजी समाचार चैनल से बीते शुक्रवार को कहा कि यह ''शायद असंभव है कि महाविकास अघाडी महाराष्ट्र में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद के दावेदार के तौर पर पार्टी के किसी नेता के नाम की घोषणा करेगी।

वहीं MVA के प्रमुख घटक राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुले ने कहा कि चुनाव के बाद ही गठबंधन उचित व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाएगा। उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी एवं अपनी भाभी सुनेत्रा पवार के साथ बारामती सीट पर हुए कड़े मुकाबले के बारे में सुले ने कहा, मुझे शत प्रतिशत यकीन नहीं था कि मैं इस चुनाव में जीत

पाऊंगी क्योंकि मैं कई मुश्किलों के बावजूद लड़ रही थी।

इसके साथ ही NCP के दो गुटों में बंट जाने का जिक्र करते हुए सुले ने कहा कि उनकी पार्टी और उसका चुनाव चिह्न उनसे छीन लिया गया। सुले ने कहा, ''मैंने एक फकीर की तरह चुनाव लड़ा था। सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा पवार को बारामती सीट से हराकर लगातार चौथी बार जीत हासिल की है। जानकारी दें कि, महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में यहां की सबसे हाई प्रोफाइल सीट बारामती से कद्दावर नेता शरद पवार की इकलौती बेटी व उनकी पार्टी NCP(SP) से उम्मीदवार सुप्रिया सदानंद सुले ने जीत हासिल की थी । तब उन्होंने अपनी भाभी और अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को 1 लाख 58 हजार 333 वोटों से करारी हार दी थी। इस सीट पर सभी की नजर टिकी हुई थी। पता हो कि बारामती लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में बीते 7 मई को मतदान हुआ था।

पुणे की विशेषताओं के बारे में पूछने पर लोग कहते हैं कोयता गैंग : शरद पवार

संवाददाता ■ मुंबई

बीच के काल में कोयता गिरोह का आतंक पुणे में व्यापक रूप से देखा गया था। इसकी खबरें भी सामने आई. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कोयता गैंग के मुद्दे पर राज्य सरकार की आलोचना की है. पुणे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पुणे को विद्या का घर कहा जाता है. यदि आप पूछें कि आज पुणे की विशेषता क्या है, तो लोग कहते हैं कोयटा गैंग। यह कहते हुए उन्होंने राज्य सरकार की जमकर आलोचना की.

जो लोग आज सत्ता में हैं उन्होंने पुणे में क्या किया है? मैं राष्ट्रीय कार्य के लिए दिल्ली जाता हूं, मैं दिल्ली जाता हूं क्योंकि मैं संसद सदस्य हूं। महाराष्ट्र से अखबार लाते हैं, टीवी पर लगाते हैं। फिर आप क्या देखते हैं? जब लोग पुणे के बारे में पूछते हैं तो वे क्या विशेषताएँ बताते हैं? कोयता गैंग. टेल्को जैसी फ़ैक्टरी, बजाज जैसी फ़ैक्टरी, किर्लोस्कर की फ़ैक्टरियाँ पुणे की विशेषता हैं, शिक्षा का महेरघर पुणे की विशेषता है, लेकिन शासकों ने क्या पहचाना?

सोलापुर जिले में अत्यधिक बारिश के कारण सोयाबीन की फसल खतरे में

मुंबई/सोलापुर। सोलापुर जिले में इस वर्ष हिरण वर्षा के अच्छे समर्थन के कारण सोयाबीन की बुआई औसत से लगभग तीन गुना अधिक हुई है. पर्याप्त बारिश से जहां सोयाबीन की फसल लहलहाने से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है, वहीं बारिश तेज हो गई है। इससे सोयाबीन की कटी हुई फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है.

आचार संहिता से पहले मकानों के विज्ञापन की होड़

संवाददाता ■ मुंबई

विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में म्हाडा के घरों की लॉटरी चल रही है. 8 अक्टूबर को जहां मुंबई बोर्ड 2030 हाउस ड्रा के नतीजों की घोषणा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कोंकण बोर्ड की कोशिश है कि इससे पहले ठाणे, नवी मुंबई, वसई-विरार आदि में करीब साढ़े छह हजार घरों का विज्ञापन प्रकाशित किया जाए। आचार संहिता। म्हाडा के पुणे बोर्ड ने करीब पांच हजार घरों के लिए लॉटरी निकालने का फैसला किया है। बोर्ड अक्टूबर के पहले सप्ताह में इस ड्रा के लिए विज्ञापन जारी करने की योजना बना रहा है।

संभावना है कि 10 अक्टूबर तक साढ़े छह हजार मकानों का विज्ञापन प्रकाशित हो जायेगा. बोर्ड लॉटरी का प्रस्ताव तैयार कर उसकी मंजूरी के बाद जल्द ही लॉटरी का विज्ञापन प्रकाशित करने की योजना बना रहा है. इस बीच, इस ड्रा में प्रधानमंत्री आवास योजना में घरों की संख्या सबसे अधिक होगी और 20 प्रतिशत के साथ म्हाडा आवास योजना में कुछ घर भी शामिल होंगे।

साढ़े छह हजार घरों में से सबसे ज्यादा करीब 5,000 घर प्रधानमंत्री आवास योजना के होंगे. ये घर खोनी, शिरधोन, भंडारली, गोठेघर आदि के हैं और ये सभी घर अल्पसंख्यक समूह के हैं। वहीं, ठाणे के विभिन्न स्थानों पर 20 प्रतिशत योजना के 592 घर भी ड्रा में शामिल होंगे।

महत्वपूर्ण बात यह है कि कोंकण मंडल का ड्रा बहुत छोटा और केवल छोटे समूह के लिए होगा। इन घरों की कीमतें 20 से 25 लाख के बीच रहने वाली हैं. इस बीच, आचार संहिता से पहले विज्ञापन जारी किया जाएगा और आवेदन बिक्री-स्वीकृति प्रक्रिया शुरू की जाएगी और चुनावी हलचल खत्म होने के बाद ड्रा का परिणाम घोषित किया जाएगा।

म्हाडा के पुणे बोर्ड ने करीब पांच हजार घरों के लिए लॉटरी निकालने का फैसला किया है। बोर्ड अक्टूबर के पहले सप्ताह में इस ड्रा के लिए विज्ञापन जारी करने की योजना बना रहा है। संभावना है कि विज्ञापन के प्रकाशन के बाद आवेदन बिक्री-स्वीकृति प्रक्रिया के बाद दिसंबर में ड्रा का परिणाम घोषित किया जाएगा।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की चुनाव आयोग से मांग, निष्पक्ष विधानसभा चुनाव कराने हेतु रश्मि शुक्ला जैसे विवादास्पद अधिकारियों को हटाएं

संवाददाता ■ मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव निष्पक्ष कराने के लिए विवादित और सत्ताधारी दल को मदद करनेवाले अधिकारियों को हटाया जाना चाहिए। राज्य की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला का करियर संदिग्ध और विवादास्पद है। उन पर विपक्षी दलों के नेताओं को धमकाने के अलावा उनके फोन टैप करने जैसे गंभीर आरोप हैं। इस मामले में शुक्ला के खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए रश्मि शुक्ला समेत सभी विवादास्पद और मददगार अधिकारियों को हटाने की मांग की है। महाराष्ट्र दौरे पर आए देश के मुख्य चुनाव आयुक्त से कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुलाकात की। इस डेलिगेशन में महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव मुनाफ हकीम और डॉ. गजानन देसाई शामिल थे। उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले द्वारा 24 सितंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त को भेजे गए पत्र की प्रति फिर से मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को सौंपी और पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को हटाने की मांग की।

नाना पटोले ने मुंबई के दादर स्थित तिलक भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि रश्मि शुक्ला अपने पद से रिटायर हो गयी थी, लेकिन बीजेपी गठबंधन सरकार ने उनका कार्यकाल दो साल बढ़ा दिया है। भाजपा गठबंधन सरकार के समर्थन में काम करने वाले इस तरह के विवादास्पद एवं संदिग्ध अधिकारियों को चुनाव के दौरान दूर रखा जाना चाहिए। अन्यथा चुनाव निष्पक्ष नहीं होगा। चुनाव अधिकारियों ने कांग्रेस की इस मांग पर विचार करने का वादा किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटोले ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं। एक महिला ने मंत्रालय में गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय में तोड़फोड़ की और गृह मंत्री की नेम प्लेट भी तोड़ दी। बड़ा सवाल यह है कि जिस राज्य के गृह मंत्री सुरक्षित नहीं हैं, वहां की जनता कैसे सुरक्षित होगी।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने आगे कहा कि भाजपा गठबंधन सरकार ने विकास के नाम पर करोड़ों रुपये बर्बाद कर दिए हैं, लेकिन विकास कहीं नजर नहीं आ रहा है। चुनाव के दौरान सरकार की छवि साफ-सुथरी दिखाने के लिए एक आईएएस अधिकारी द्वारा मीडिया के प्रतिनिधियों को बुलाकर उन्हें टारगेट दिया जा रहा है। इसके लिए एमएसआरडीसी, एमएमआरडीए, म्हाडा, सिडको, प्रदूषण निगम, एसआरए का पैसा इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य सरकार के विभिन्न निगमों पर हजारों करोड़ का कर्ज है। सीएजी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि निगमों को 50 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। पटोले ने यह भी कहा कि जब सरकार के पास पैसा नहीं है तो इस निगम के पैसे का उपयोग करके करोड़ों रुपए बर्बाद किये जा रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा बारिश के कारण राज्य में कृषि को भारी नुकसान हुआ है और 73 प्रतिशत आर्द्र क्षेत्र सूखे की मार झेल रहे हैं। पिछले तीन से चार दिनों से हो रही बारिश के कारण 33,000 हेक्टेयर फसल पानी में डूब गई है। किसान संकट में है लेकिन सरकार ने अभी तक कोई मदद नहीं की है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजीव महेश्वरी द्वारा महर्षि प्रिंटर प्रा.लि. 303, बी.विंग, नज़राना अपार्टमेंट, शांतावाड़ी लेन, ऑफ जे.पी. रोड अंधेरी (प.), मुंबई-400058 से प्रकाशित और उनके द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला न. 3-4 अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड न., 2, गोरेगांव (पुर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित. ● दूरभाष -022-26242704 . ● फैक्स - 022-26253875 . ● Email-editor@purnviram.co.in